

754



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1986 (आश्विन 19, 1908)
No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1986 (ASVINA 19, 1908)

इस भाग में भिन्न वृच्छ संक्षयों दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संलग्न के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part so that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 1
[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार,
लोक शिक्षायन तथा पेशन मंत्रालय
(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं० पी-5/71-प्रशा०-5—निर्वतन होने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री पी० सिकदर, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें दिनांक 31 अगस्त, 1986 अपराह्न से पश्चिम बंगाल सरकार को सौंप दी गईं।

सं० ए० 19036/34/78-प्रशा०-5—निर्वतन होने पर के० अ० ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री रणबीर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें दिनांक 31 अगस्त, 1986 अपराह्न से पंजाब सरकार को सौंप दी गईं।

सं० 4-2/86-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, श्री एस० आर० जायसवाल को, दिनांक 20 जनवरी, 1986 पूर्वान्त में, जिस तिथि को उनसे कनिष्ठ को पदोन्नति किया गया था, 1200-50-1700 रु० के बेतनमात्र में, पुलिस अधीक्षक, के० 1-276GH86

अ० ब्यूरो के रैक में, स्थानापन्न प्रोफार्मा पदोन्नति स्वीकृत करते हैं।

धर्मपाल भल्ला,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० ए० 13018/1/86-प्रशासन-11—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशकों को 20 अगस्त, 1986 से समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर स्थायी किया जाता है:—

1. श्री एन० डी० शर्मा,
2. श्री अमरजीत सिंह
3. श्री पी० आर० गंगोपाध्याय
4. श्री एन० सी० दास

बी० के० दुबे,
निदेशक, पुलिस दूःसंका

महानिदेश संघ, केन्द्रीय रिजर्व पुस्तिकाल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 सितम्बर 1986

शुद्धि पत्र

सं० पी-जात-1/82 स्थापना-1-भाग-4—भारत सरकार के अधिसूचना संस्था पी० सात 1/82 स्थापना-1-भाग-4 दिनांक 29-10-1983 में, क्रमांक संस्था 49 में दर्शयि

सं० ए-छ-2/86-स्थापना-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित को अस्थाई रूप में भारते भारते जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुस्तिकाल में, पुस्तिकाल उप अधीक्षक (कम्पनी कमाण्डर/कवार्टर मास्टर) के पाव पर नियुक्त करने पर, उनके मामने लिखी तिथियों से आई। ऐस० ए० मार्टंड आबू (राजस्थान) में प्रशिक्षण के लिये रिपोर्ट किया है।

निम्नोक्त अधिकारियों को उनके नामों के आगे दर्शाई गई बटालियनों/कार्यालयों में तैनात किया जाता है:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	कार्यभार संभालने की तिथि	तैनात किये जाने वाले बटालियन
1	2	3	4
1.	श्री रत्नदीप दत्ता	14-8-86 अप्र० राहु	5 बटालियन
2.	श्री मनोज कुमार दुबे	14-8-86 अप्र० राहु	19 बटालियन
3.	श्री रघु कुमार	14-8-86 अप्र० राहु	28 बटालियन
4.	श्री प्रकाश कुमार दीक्षित	15-8-86 अप्र० राहु	30 बटालियन
5.	श्री रवि दीप सिंह साही	14-8-86 अप्र० राहु	34 बटालियन
6.	श्री बलराज निह बावा	14-8-86 अप्र० राहु	69 बटालियन
7.	श्री अभय चौहान	15-8-86 अप्र० राहु	77 बटालियन
8.	श्री राकेश कुमार यादव	14-8-86 अप्र० राहु	78 बटालियन
9.	श्री कमल कान्त शर्मा	14-8-86 अप्र० राहु	79 बटालियन
10.	श्री अजय सूद	16-8-86 अप्र० राहु	80 बटालियन
11.	श्री विक्रम सहगल	16-8-86 अप्र० राहु	जी० सी० अवाढी
12.	श्री संयोग केशारी मोहन्ती	14-8-86 पूर्वाह्नि	जी० सी० सीमच
13.	श्री दरबारा मिह बेंस	14-8-86 पूर्वाह्नि	4 बटालियन
14.	श्री जी० बो० एच० गिरी प्रमाद	14-8-86 पूर्वाह्नि	8 बटालियन
15.	श्री रविन्द्र कुमार बडेश्वरा	16-8-86 अप्र० राहु	11 बटालियन
16.	श्री पश्चुन खसा	16-8-86 अप्र० राहु	36 बटालियन
17.	श्री राजनवीन्द्र मिह बहादु	14-8-86 पूर्वाह्नि	72 बटालियन
18.	श्री राजेन्द्र सिंह चौहान	14-8-86 अप्र० राहु	76 बटालियन
19.	श्री नरेन्द्र कुमार भारद्वाज	14-8-86 पूर्वाह्नि	81 बटालियन
20.	श्री बलजिन्द्र निह धालिवाल	16-8-86 अप्र० राहु	82 बटालियन
21.	श्री सत्यश्वर मिह सिन्धू	14-8-86 अप्र० राहु	83 बटालियन
22.	श्री विलोह निह करम्म	14-8-86 अप्र० राहु	जी० सी० भूवनेश्वर
23.	श्री अजय भरतन	15-8-86 अप्र० राहु	13 बटालियन
24.	श्री विवेक वेद	14-8-86 अप्र० राहु	33 बटालियन
25.	श्री कोइर वेंकटेश	15-8-86 अप्र० राहु	47 बटालियन
26.	श्री मनिधर ज्ञा	14-8-86 पूर्वाह्नि	54 बटालियन
27.	श्री यदविन्दर मिह	15-8-86 अप्र० राहु	61 बटालियन
28.	श्री प्रवीण कुमार शर्मा	14-8-86 अप्र० राहु	67 बटालियन
29.	श्री मूल चन्द्र पंवर	14-8-86 अप्र० राहु	73 बटालियन
30.	श्री टी० शेखर	16-8-86 अप्र० राहु	74 बटालियन

1	2	3	4
31. श्री राजेन्द्र कुमार कश्यप	.	14-8-86 अपराह्न	84 बटालियन
32. श्री रामगोपाल राय भट्ट	.	14-8-86 अपराह्न	85 बटालियन
33. श्री राधा मोहन मीना	.	14-8-86 अपराह्न	25 बटालियन
34. श्री नागराजन पेनमूर	.	14-8-86 पूर्वाह्न	26 बटालियन
35. श्री शाम चन्द्र	.	14-8-86 पूर्वाह्न	27 बटालियन
36. श्री सरबजीत सिंह	.	14-8-86 अपराह्न	31 बटालियन
37. श्री प्रताप सिंह	.	14-8-86 अपराह्न	44 बटालियन
38. श्री अरुणेन्द्र प्रताप	.	14-8-86 अपराह्न	60 बटालियन
39. श्री मारियनस मिज	.	14-8-86 अपराह्न	87 बटालियन
40. श्री विजेन्द्र कुलार्कोड़ल	.	14-8-86 पूर्वाह्न	जी० सी० गोहाटी
41. श्री अमर सिंह नेती	.	22-8-86 अपराह्न	16 बटालियन
42. श्री दिवान सिंह नेती	.	14-8-86 पूर्वाह्न	22 बटालियन
43. श्री अजय कुमार नारजे	.	14-8-86 पूर्वाह्न	जे० सी० बन्दलाब

एम० प्रशोक राज
सहायक निदेशक (स्थान)

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० ई—32015 (3) / 10/84—कार्मिक-1—राष्ट्रपति;
श्री डी० एस० बडुवाल सहायक कमांडेट, को प्रोफ्रेशन पर,
4 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से के० आ० सु० ब० यूनिट,
एच० एफ० सी० एल०, हॉटिंग में उप कमांडेट के रूप में
नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ई—16013/ (1) 2/86—कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति
पर नियुक्ति होने पर, श्री बी० बी० मिश्रा, भा० पु० से०
(उडीसा -67) ने 26 अगस्त, 1986 के पूर्वाह्न से के०
श्री० सु० ब० यूनिट, आर० एस० यी० राउरकेला, के उप
महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० ई—16013 (2) / 40/84—कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति
पर, स्थानान्तरण पर, किंपुरा सरकार में नियुक्ति होने के
फलस्वरूप, श्री के० के० दास, भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल
69) ने 16 अगस्त, 1986 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब०
यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गपुर के कमांडेट के पद का कार्यभार
छोड़ दिया।

दिनांक 19 सितम्बर 1986

शुद्धि पत्र

सं० ई—31013 (1) / 4/85—कार्मिक-I—के० श्री०
सु० ब० मुख्यालय के दिनांक 6-6-1986 की अधिचयन संख्या
ई—31013 (1) / 4/85—कार्मिक-1 के तीसरे वाक्य में निम्न-
लिखित को जोड़ा जाता है:—

„या उनके कार्यभार संभालने की तारीख से, जो भी
बाद में हो“।

दुर्गमाधव मिश्र,
महानिदेशक/के० आ० सु० ब०

भारत के महाराजस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं० 13/3/86—प्रा०-1—भारत के महाराजस्ट्रार के
कार्यालय, नई दिल्ली में कार्यरत भारतीय संस्थायकी सेदा वे०
ग्रेड-III अधिकारी, श्री एस० सी० श्रीबास्तव ने अधि-
विता की आयु होने पर 31 जुलाई, 1986 के अपराह्न
से उसी कार्यालय में सहायक केन्द्रीय सारणीकरण अधिकारी
के पद का कार्यभार छोड़ा।

श्री० एस० वर्मा,
भारत के महाराजस्ट्रार

श्रम एवं प्रनवास मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम व्यूठ)

शिमला-171004, 3 अक्टूबर 1986

संख्या 5/1/86-श्री. पी. आर—अगस्त, 1986 में औद्योगिक
श्रमिकों का अधिक भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष
1960=100) जूलाई, 1986 के स्तर 668 से आर अंक बढ़
कर 672 (अः सी बहस्तर) रहा। अगस्त, 1986 माह का सूच-
कांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 817
(आठ सौ सतारह) आता है।

विजय कमार
उप निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश
हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० प्रणा०-I/8-132/86-87/97—श्री डी० प्रसाद राव, श्री एस० रामन II, लेखापरीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, (लेखा परीक्षा) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 31-8-1986 (अप०) को सेवा नियुक्त हुए हैं।

ह० अपठनीय

व० उप महालेखाकार (प्राप्तिवत)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा) प्रथम, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० प्रणा० I/11-144/प्राधि०/1949—प्रधान महालेखाकार उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथि में आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर ₹० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में नियुक्त किया हैः—

१. श्री राम प्रसाद शाम (अनु० जाति) ०६-०८-१९८६ (पूर्वाह्न)।

मीनाथी चक

उप महालेखाकार (प्राप्तिवत)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, परिषद्. २२७

कलकत्ता-700001, दिनांक ५ अगस्त 1986

सं० प्रगासन—प्रथम/पदोन्नति-९३/रा० लेप० अ०/ 1215-19 — महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री गंगाराम चन्द्र दत्त, अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) को पहली अगस्त, 1986 के पूर्वाह्न, से अस्थायी और स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग-ब०-गजपति०-650-30-710-35-880-ई० बी०-40-1040 रु०) के बेतनदान में नियुक्त करने की कृपा की है।

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन हैं।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-1981 के अनुच्छेद 2(छ) के अनुसार एक माह के भीतर अप्ता बेतन या तो मूल नियम 22(क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उपके बाद मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी बेतन वृद्धि की तारीख से अपना मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारित करने के लिए विकल्प देना होगा।

पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

सं० प्रशासन—प्रथम/पदोन्नति - ९३/राजपत्रित / 1220-1223 — महालेखाकार (लेखा परीक्षा) — प्रथम, पश्चिम बंगाल, ने श्री हीरालाल शाह (II), महायक लेखा परीक्षा अधिकारी को पहली अगस्त, 1986 के पूर्वाह्न से लेकर अगस्त आदेश मिलने तक अस्थायी और स्थानापन्न रूप में लेखा परीक्षा अधिकारी की हैसियत में नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन है।

नये पदोन्नत लेखा परीक्षा अधिकारी को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2 (छ) के अनुसार एक माह के भीतर अप्ता बेतन या तो मूल नियम 22 (क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उपके बाद मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी बेतन वृद्धि की तारीख से अपना मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारित करने के लिए विकल्प देना होगा।

दिनांक 11 सितम्बर 1986

सं० प्रगासन—प्रथम/पदोन्नति-९३/स० ले०प० अ/467-469 महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री दुर्गा चन्द्र नस्कर, अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) को दिनांक 29वीं मई, 1986 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक अस्थायी द्वाया स्थानापन्न रूप से कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम और महालेखाकार (लेखा परीक्षा) द्वितीय पश्चिम बंगाल के कार्यालयों में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग-ब०-गजपति०-650-30-710-35-880-ई० बी०-40-1040 रुपये के बेतनमान में) नियुक्त किया है।

यह पदोन्नति माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन है।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, के ज्ञापन दिनांक 26-9-1981 के अनुच्छेद 2 (छ) के अनुसार एक माह के भीतर अप्ता बेतन या तो मूल नियम 22 (क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उपके बाद मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी बेतन वृद्धि की तारीख से अथवा मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

सं० प्रशासन प्रथम/पदोन्नति/स० ले० प० अ०/316/—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने प्राप्ति० निहार रंजन साहा, अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा), जो अभी आयात और नियर्ति के संयुक्त मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में प्रति०

नियुक्ति पर है, को सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर अस्थायी और स्थानापन्न रूप में (वर्ग-ख—राजपत्रित—650-30-710-35-880-ई० बी०-40-1040 रु० के वेतनमान में) 30 जून, 1986, पूर्वान्त में लेकर अगला आदेश मिलने तक या वास्तविक रूप में कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लिम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन है।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अपना मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० प्रगामन प्रथम/पदोन्नति—93/सहा०ले०प०अ०/1603—
महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्न-
निर्धारित अनुभाग अधिकारियों को दिनांक 4 मितम्बर 1986 के
पूर्वान्त में लेकर अगला आदेश मिलने तक अस्थायी तथा स्थानापन्न
रूप में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों (वर्ग-ख—राजपत्रित—
650-30-710-35-880-ई० बी०-40-1040 रुपये के वेतनमान में) नियुक्त करने की कृपा की है।

1. श्री विकास चन्द्र मुखोपाध्याय

2. श्री गंगी शंकर भट्टाचार्य (प्रतिनियुक्त महालेखाकार (लेखा और हक, प्रिक्षिम))

3. श्रीमती कल्यानी (मित्रा) घोष

4. श्री राम कनाई दास

ये पदोन्नतियों माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लिम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन हैं।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को भारत सरकार वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क) (1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से अस्थायी मूल नियम 22 ग के अन्तर्गत सीधे पदोन्नत

तारीख के दिन से निर्धारण करने के लिए विकल्प देना होगा।

सं० कु० मिश्र
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

काशीलय, महालेखाकार (ले० ए० हक) पश्चिम बंगाल
कलकत्ता—700001, दिनांक 9 सितम्बर 1986

सं० प्रशा० 1/103-XXI/1068—महालेखाकार (ले० ए० हक) पश्चिम बंगाल ने अगले आदेश तक श्री पीयूष कुमार बन्धोपाध्याय, स्थाई अनुभाग अधिकारी को तदर्थ तथा अस्थाई तौर पर लेखा अधिकारी के हैसियत में अस्थाई और स्थानापन्न रूप से 14-8-1986 (अपराह्न) से या उसके बाद जिस दिनांक से, जो भी बाद में हो, वे वस्तुतः कार्यभार संभालते हैं, इस कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिये कि लेखा अधिकारी के संबंध में पूर्वोक्त प्रोन्नति जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुकदमे में निर्णय निलम्बित रहे तब तक पूर्णतया अस्थाई रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के छिनप दायर किये गये 1979 के सी० आर० केस संख्या 14818 (डब्ल्यू०) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

नये प्रोन्नत अधिकारी को एक माह के अन्दर विकल्प देना होगा। उनकी प्रोन्नति पर, उनके वेतन पहले एफ० आर० 22 सी० के प्रधीन निर्धारित करना चाहिये और यदि वे एक माह की निर्धारित अवधि के अन्दर दिनांक 28-9-81 के० ए० १८० के पैग 2(ख) के अनुसार विकल्प देते हैं तो उनके वेतन पहले उनकी प्रोन्नति के दिनांक से एफ० आर० 22(क) (1) के अधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर, परवर्ती वेतन वृद्धि के दिनांक से एफ० आर० 22 सी० के अधीन निर्धारित करना चाहिये।

ओ० मिश्र,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

काशीलय, निदेशक लेखा परीक्षा

नई दिल्ली—110001, दिनांक 15 सितम्बर 1986
सं० 2548/५-स्थापना/130/86—वार्षिक निकृति अयु प्राप्त करने वाले श्री एस० एम० रामस्वामी, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, ज्ञा सेवायें, दिनांक 31-8-1986 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

बी० ए० गिल,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

काशीलय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली—110066, दिनांक 10 सितम्बर 1986
मं० प्रशा०/१/११७२/I/जिल्द-IV—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा

लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को, (जो प्रति-नियुक्ति/पाठ्यक्रम पर हैं जैसा कि उनके नामों के आगे लिखा है (उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (वेतनमान ₹० 2250-125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये “अनुच्छम नियम के अधीन” उनके नामों के समक्ष दर्शाइ गई तारीखों से तथा आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋण सं० अधिकारी का नाम तारीख जहां सेवारत है

1. कु० उषा मेन	04-07-86	छाड़ अधिकारी, 26वाँ (पूर्वाह्न) पाठ्यक्रम राष्ट्रीय रक्षा का लेज, नई दिल्ली।
2. श्री के० राधाकृष्णन	30-07-86	नियंत्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, आधिक मामले सम्बन्धी विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-IV—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (वेतनमान ₹० 2250-125/2/2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये उनके नामों के समक्ष दर्शाइ गई तारीख से तथा आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

1. श्री वेद प्रकाश	9-7-86 (पूर्वाह्न)
2. श्री विनोद बिहारी रे	29-07-86 (पूर्वाह्न)
3. श्री स्यामल कुमार चौधरी	22-07-86 (पूर्वाह्न)
4. श्री पी० आर० सिवासुक्तमनियन	04-07-86 (पूर्वाह्न)
5. श्री बी० के० अण्डारकर	30-07-86 (अपराह्न)

सं० प्रशा०/1/1174/1/जिल्द-III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को (जो प्रति-नियुक्ति पर हैं जैसा कि उनके नामों के समक्ष उल्लिखित है) उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान ₹० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये “अनुच्छम नियम के अधीन” उनके नामों के समक्ष दर्शाइ गई तारीखों से तथा आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋण सं० अधिकारी का नाम तारीख जहां सेवारत है

1	2	3	4
1. श्री अमित कौणिश	30-05-86	अवर सचिव, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।	

1	2	3	4
2. श्री दिलोप कुमार	10-07-86	अवर सचिव (समाकल विभ/फैस्ट्रोज) रक्षा मंत्रालय, कलकत्ता।	
3. श्री भगत राम	17-07-86	सहायक वित्तीय सलाहकार, (बायु सेना/उपस्कर), रक्षा मंत्रालय (वित्त प्रभाग), नई दिल्ली।	
4. श्री आर० बी० बाला-	31-07-86	अवर सचिव, शिक्षा सुन्दरम	

सं० प्रशा०/1/1174/1/जिल्द-III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान ₹० 1500-60-1800-200-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये उनके नामों के समक्ष दर्शाइ गई तारीख से तथा आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋण सं० अधिकारी का नाम	तारीख (पूर्वाह्न)
1. श्री जी० के० मेनन	07-01-86
2. श्रीमती श्रीति मोहन्ती	24-03-86
3. श्री सुहास बनर्जी	25-02-86
4. श्री अशोक कुमार चौपडा	07-01-86
5. श्री प्रदीप के० दास	30-05-86
6. श्री बी० जी० कृष्णामूर्ति	17-07-86
7. श्री एम० हरिहरसुक्तमनियन	31-07-86
8. श्री अरनब दत्त	10-07-86

दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० प्रशा०/1/1170/1/जिल्द-VI—भारतीय प्रशासनिक सेवा भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्ति के लिये उनके चयन के फलस्वरूप, भारतीय रक्षा सेवा के निम्नलिखित परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके नाम के समने दर्शाइ गई तारीखों से कार्यमुक्त कर दिया गया है तथा रक्षा लेखा विभाग के संलग्नाल से हटा दिया गया है:—

1. श्री विपिन बिहारी मलिक	22-08-86 (अपराह्न)
2. श्री स्वराज बीर सिंह	22-08-86 (अपराह्न)
3. श्री निर्मल अनन्द अस्थाना	13-08-86 (अपराह्न)
4. श्री पी० डी० वधेला	19-08-86 (पूर्वाह्न)

आर० बी० कपूर,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० ७ (२) ८४-प्रशा०-१/६५५९-निम्नलिखित सहायक प्रशासनिक अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई निधि से खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

1. श्री ए० के० राम

12-३-८६ (अपराह्न)

2. श्री बी० ए० राजल

1-५-८६ (पूर्वाह्न)

सं० ७ (२) ८४-प्रशा०-१/६५६७—श्री बी० पाण्डे, आक्षिपिक बी० ग्रेड-I को दिनांक 16-३-1986 (अपराह्न) से खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० १७ (२) ८४-प्रशा०-१/६५७४—श्री आर० एन० सेन सहायक प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) को दिनांक १-५-१९८६ (पूर्वाह्न) से खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

ह० अपठनी य

क्रते खान सुरक्षा महानिदेशक

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग,)

शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० ए०-३२०१४/१/८६-स्था०—शर्करा निदेशालय के स्थाई अनुभाय अधिकारी (लेखा एवं सांख्यिकी) श्री ए० ए० डी० केवलरमानी को ४ सितम्बर 1986, (पूर्वाह्न) से अधिक से अधिक ६ महीने की अवधि के लिए इसी निदेशालय में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८००-३५-८८०-४०-१०००-८० रु०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में बिल्कुल अस्थाई और तदर्थ आधार पर निरीक्षण अधिकारी (शर्करा) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

२. शर्करा निदेशालय से सहायक (लेखा एवं सांख्यिकी) (सैलेक्शन ग्रेड) श्री बेनी प्रसाद को ४ सितम्बर 1986 (पूर्वाह्न) से अधिक ६ महीने की अवधि के लिए इसी निदेशालय में ५५०-२०-७००-८० रु०-२५-९०० रु० के वेतनमान में बिल्कुल अस्थाई और तदर्थ आधार पर अनुभाय अधिकारी (लेखा एवं सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

बी० लक्ष्मी रत्न संयुक्त सचिव (शर्करा)

नागरिक पूर्ति विभाग

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1986

सं० ए०-१२०२३/८४-स्था०—श्री एन० केरेण्टी को १८ अगस्त 1986 (पूर्वाह्न) से वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय, बाय और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में अस्थायी नियमित आधार पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रु०-३५-८८०-४०-१०००-८० रु०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

के० एम० साहूनी,
मुख्य निदेशक

उद्योग मंत्रालय

(श्रीयोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० ए० १९०१८ (३५२)/८४-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास से सहायक श्रीयोगिक डिजाइनर श्री पी० अच्युत राव के सरकारी सेवा से त्याग पत्र को दिनांक ४ जुलाई 1986 (अपराह्न) से स्वीकृत करते हैं।

दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० ए० १९०१८ (७४५)/८४-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री दिलीप चक्रवर्ती को नियुक्ति, खाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, पोर्ट ब्लेअर, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के अधीन है, में सहायक निदेशक ग्रेड-१ (र्हम/पाटुका) के पद पर १-७-८६ (पूर्वाह्न) से अगले आदेश आरी होने तक के लिए करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर 1986

सं० ए०-१९०१८ (७६०)/८४-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान के सहायक निदेशक, ग्रेड-२ (श्रीयोगिक प्रबन्ध-प्रशिक्षण) श्री ए० के ब्रह्मा को १६-६-१९८६ (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु

उद्योग सेवा संस्थान, कटक के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, रायगढ में सहायक नियंत्रक ग्रेड-1 (प्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रणिकाण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सौ० सौ० राय,
उप नियंत्रक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० ई० आई-12 (78)/86 (.)—अधिकारीता की आयु प्राप्त करते पर श्री एम० एल० भट्टाचार्य, सहायक भुगतान आयुक्त ने दिनांक 1-9-1986 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मनत कुमार सिन्हा
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० 6258 बी०/ए०-19012 (2-ए० जे०) /85-19—बी० भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानियेशक, श्री प्रनिल जयाल को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में 650-30-740-35-810-८० रु०-35-880-40-1000-८० रु०-40-1200 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 28-7-86 से पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 6338बी०/ए-19011(1-पी०के०एस०)/85-19ए०-राष्ट्रपति जी, श्री प्रवीण कुमार सिन्हा को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द०रो-० 40-110050-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 14-7-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी, नियंत्रक (कामिक)

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं० ए० 19011(187)/75-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री बी० के० अरोरा, स्थायी सहायक खान नियंत्रक की भारतीय खान व्यूरो में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर

दिनांक 31-7-1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(189)/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री बी० एम० प्रभुशेत्तार, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान व्यूरो में नियमित रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 6-8-1986 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० सौ० शर्मा,
सहायक प्रशासन अधिकारी
हृते महानियंत्रक

नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० ए०-19011(3)/79-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री एम० मुखर्जी, स्थानापन्थ क्षेत्रीय खान नियंत्रक को भारतीय खान व्यूरो में खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 28-7-86 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी,
प्रशासन अधिकारी
हृते महानियंत्रक

विभाग एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं० स्था० (1) 08049—श्री आई० एम० नायक, सहायक मौसम विज्ञानी, प्रावेशिक मौसम केन्द्र व्यवहीर, भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार की सेवा से 1-8-1986 की पूर्वाह्न को नियम एफ० आर० 56(जे) के अन्तर्गत निवृत्त कर दिये गये हैं।

एस० क० साहा,
नियंत्रक (स्थापना)

हृते मौसम विज्ञान के महानियेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलन एवं थिर्मेटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-19, दिनांक 16 सितम्बर 1986

सं० 35-2/86-स्था० (एस० श्रो०)—श्री त्रिश्व कुमार बसु ने कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के नवर्ष पद का कार्यभार त्याग कर राष्ट्रीय एटलन एवं थिर्मेटिक मानचित्रण संगठन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कलकत्ता में वैज्ञानिक अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "ब", राजपत्रित वेतन मात्र 650-1200 रु० पर पदोन्नत होकर 10 सितम्बर, 1986 पूर्वाह्न से भारी आदेश होने तक पदभार ग्रहण किया।

सं० 35-2/86-स्था० (एम० श्री०) — श्री लीनाधर गंगोत्री, जो वैज्ञानिक अधिकारी सामान्य केन्द्रीय मेंदा धर्म “ख” राष्ट्रपति पद पर तदर्थ रूप से स्थानापन थे, को राष्ट्रीय एटलस एवं थिसेटिक मानचित्रण संगठन दिजान आर प्रांतीयिकी विभाग में रु० 650-1200 के वेतनमान पर 9 सितम्बर, 1986 से भावी दावेदारों तक उसी रु० पर नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

ज्ञानेन्द्र कुमार धन
तिवेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1986

सं० 6/57/66-एम-2— श्री निवृत्ति की शायु हमें पर दूरदर्शन केन्द्र, राष्ट्रकोट के प्रशासनिक अधिकारी श्री वी० एस० पवार, मुख्यालय में वाहर स्थान दर्शति दिल्ली में कार्य करते हुए 31-8-1983 (अपाह्ल) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

बलबीर सिंह मन्त्र्यु,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1986

सं० 1(2)/80-एस-11— महानिदेशक, आकाशवाणी; श्री धरम बीर भक्त, हैड कार्क, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली को 22-8-1986 (पूर्वाह्ल) से 650-30-740-35-880-10 रो०-40-960 रूपये के वेतनमान से नियमित अधिकारी उपायनिक अधिकारी, आकाशवाणी नागपुर के पद पर नियक्त करते हैं।

श्री भक्त ने उसी तारीख में प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, नागपुर के पद पर दिल्ली में दर्शति मुख्यालय से दूर कार्यभार संभाल लिया है।

भोहन कांसियर,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० 17/4/84-एस-4 (बी) — पदोन्नति के परिणामस्वरूप श्री अंजीन राम, डिप्टि हैजोनियरी सहायक ने 8-8-1986 (पूर्वाह्ल) को आकाशवाणी के कार्टन केन्द्र में यहायन अधिकारी जा कार्यभार संभाल लिया है।

एम० श्री० दक्षिण
दिप्टि दिल्लीषक
कृते महानिदेशक

सुचना आर प्रमारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

वम्बई-400026, दिनांक 17 सितम्बर, 1986

सं० ए-31014/1/86-ई-1— मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री एम० एस० इंगले की नियुक्ति फिल्म प्रभाग में शैक्षणिक सलाहकार के पद पर मूल रूप में दिनांक 5-4-1985 से की जाती है।

एन० एन० शर्मा,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 1 जुलाई 1986

आदेश

सं० 4-1/81-सतर्कता (भाग-2) — यतः श्री हरविन्दर पिंडी, भूतपूर्व भारी गाड़ी चालक को दिनांक 4-2-81 के ज्ञापन सं० 4-1/81-सतर्कता द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण आर डीपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत एक आरोप पक्ष जारी किया गया था। श्री पी० एन० सिंहा को दिनांक 28-2-81 को जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने नियन्त्रित आरोपों पर दिनांक 16-6-82 की जांच रिपोर्ट सं० 23-ई/81 प्रस्तुत की थी:—

आरोप-1

“कि जब श्री एच० बी० सिंह दिल्ली दुग्ध योजना में भारी गाड़ी चालक के रूप में काम कर रहा था तो उसे दिनांक 21-12-80 को रूट सं० 78 (प्रातः) की दुग्ध वितरण डप्टी पर लगाया गया था। सर्वश्री जी० सी० सिंह और वी० के० चालाला, सहायक दुग्ध वितरण अधिकारियों के साथ श्री वाई० आर० सिंह अनुभाग प्रबन्धक द्वारा कथित रूट पर एक आकस्मिक छापा मारने पर यह पाया गया कि दूध की गाड़ी के अन्दर रखे दूध के कैनों की सीलें तोड़ी हुई थीं। अतः उस पर दुग्ध गाड़ी के अन्य कार्यवालियों के सहयोग से दूध के कैनों की सीलें बदनीयत में तोड़ने के आरोप लगाया जाता है।”

आरोप-2

“कि कथित श्री एच० बी० सिंह जब उक्त कार्यालय में काम कर रहा था तो उने सर्वश्री एगपाल तिहार, वेद प्रकाश, मेट आर सत प्रकाश, डेसीपेड मेट कार्ड नं० 991 के साथ दिनांक 21-12-80 को रूट नं० 78 (प्रातः) की दुग्ध वितरण डप्टी पर लगाया गया था। छापामार पार्टी ने दूध की गाड़ी में उपलब्ध 6 दूध के कैनों में से 6 सेपल लिए। उन सेपलों में से दो सेपल कोटि नियन्त्रण प्रयोगशाला में मिलावटी पाए गए। अतः उस पर सर्वश्री एगपाल सिंह

और वेद प्रकाश मेट के भव्योग से दूध में मिलावट करने का आरोप लगाया जाता है।"

उसके खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध हो गए थे तत्कालीन अनुशासनिक प्राधिकारी ने कारण बताएं नीटिस देने के बाद दिनांक 28-6-82 के आदेश सं 4-1/81 सतर्कता द्वारा उसे नौकरी से हटाए जाने का ए दिया था।

और यथापि श्री वेद प्रकाश ने कृषि एवं सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त (डॉ. वि०) द्वारा अनुशासनिक प्राधिकारी की हैमियत में दिनांक 28-6-82 के समसंबंधीक आदेश द्वारा उसे नौकरी से हटाये जाने की पहले ही दी गई मात्र के खिलाफ एक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। महामहीम राष्ट्रपिता महोदय इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि आरोपित कर्मचारी को अपना बचाव करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया था। याचिकादाता को अभियोग पक्ष के गवाह के उस बयान पर जिरह करने के प्रति प्रतीत मीका नहीं दिया गया जो जांच प्राधिकारी ने दिनांक 13-5-82 को रिकार्ड किया था जब आरोपित कर्मचारी उपस्थित नहीं था। तत्कालीन अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया सज्जा का अवैध स्पष्ट आदेश नहीं था क्योंकि उसमें उन कारणों का उल्लेख नहीं था जिनके आधार पर अनुशासनिक प्राधिकारी निष्कर्ष पर पहुँचा और याचिकादाता को नौकरी से हटाए जाने की सज्जादी। केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 65 के नियम 29 (1) (सी) अन्तर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 21 दिसम्बर, 1983 के आदेश सं 17014/3/83-एवीयू द्वारा यह मामला मध्यम अनुशासनिक प्राधिकारी की दिया गया कि वे केन्द्रीय मिलिन सेवा वर्गीकरण, (नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत यथा निर्धारित कार्यविधि और सामान्य नियमों का पालन करते हुए याचिकादाता, श्री वेद प्रकाश भूतपूर्व मेट के खिलाफ नए सिरे से कार्यवाही करे।

और जबकि इस मामले में तत्कालीन अनुशासनिक प्राधिकारी श्री अरुण सेदवाल, वि० सं ० एवं० म० से० अधिकारी ने इस मामले से संबंधित सभी आरोपित कर्मचारियों यथा सर्वश्री हरविन्दर सिंह, भारी गाड़ी चालक, जगपाल सिंह तथा वेद प्रकाश मेट के खिलाफ दिनांक 25-5-84 के आदेश सं 4-1/81-सतर्कता द्वारा नए सिरे से जांच करने के अवैध जारी किए थे। इस संयुक्त कार्यवाही मामले की जांच करने के लिए श्री बी० एल० ओब्राराय को जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था जिन्होंने दिनांक 8-7-85 को अपनी रिपोर्ट सं 53/इ०ओ०/83 (बी) प्रस्तुत की जिसमें सभी संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध पाए गए।

और जबकि अधोइन्स्ट्राक्शरी ने जांच अधिकारी के निष्कर्षों और मामले से संबंधित अन्य कागजातों की साक-

धानीपूर्वक जांच की है और जांच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है। यह पाया गया कि जांच कार्यवाही में वेदल श्री वेद प्रकाश जिसने पुनरीक्षण याचिका दायर की थी ने ही भाग लिया। यह भी पाया गया कि श्री वाई० आर० सिंह की रिपोर्ट पूरी तरह सही है और छापामार दल के दो वरिष्ठ सदस्यों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि सैपल लेते प्रमय एवं द्वारा का इस्तेमाल किया गया था। सैपल लेने वाली कार्यविधि और उन्हें सील लगाने तथा उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए कोटि नियंत्रण प्रयोगशाला में जमा कराने की विधि का अनुपालन किया गया था, जिसकी उष्टि छापामार दल के सदस्यों ने की है कि गाड़ी में से छ: बोतलें लेकर 6 कैनों से 6 सैपल लिए गए थे और ये सैपल बैन स्टाफ की मांजूदगी में लिए गए थे। सैपल की बोतलों को नैक पर कागज लगाकर धारे से अंधा गया था और सैपल लिए बागज पर एक सी भाँकिंग की गई थी तथा उस पर भारी गाड़ी चालक वे हस्ताक्षर ले लिए गए थे। अधोइन्स्ट्राक्शरी ने यह भी पाया है कि छापामार दल पर लगाया गया आरोप कि उनका यह इरादा था कि उनके इस संफलनापूर्ण कार्य के लिए उन्हें इनाम मिलेगा, बहुत ही अस्पष्ट है। यह बताना अनुचित होगा कि आरोपित कर्मचारियों में से किसी ने भी सैपल लेने या उन्हें कोटि नियंत्रण प्रयोगशाला में लाने के तरीके के बारे में कोई लिखित याचिका दायर नहीं की। किसी भी गलतफ़हमी को दूर करने हेतु सैपलों पर कोटि नियंत्रण प्रयोगशाला में कूट संकेत तथा पुनः कूट संकेत निर्दिष्ट किए गए थे। परीक्षण वरिष्ठ दिग्लेषक द्वारा किए गए थे और उनके परिणामों की पुष्टि श्री बिश्वमर सिंह, डेरी जीवाणु विज्ञानी द्वारा की गई थी। 6 सैपलों में से दो सैपलों अर्थात् सैप्पल नं ० ४ और ५ में ऋमशः 38.7 प्रतिशत और 32.3 प्रतिशत तक मिलावट पाई गई। दूसरे में मिलावट करना बहुत ही गंभीर अपराध है। छापामार दल का नेता होने के नाते श्री वाई० आर० सिंह ने गाड़ी में रखे केनों की सोल स्वयं चैक की थी और उन्हें तोड़ा हुआ पाया था। उक्त बैन स्टाफ द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता बहुत ही घिनारनक है जिसमें यह न्यायसंगत है कि ऐसे आरोपित कर्मचारी हरविन्दर सिंह, भूतपूर्व भारी गाड़ी चालक को सरकारी नौकरी में रखना न तो लोकहिन में है और न ही दिल्ली दुध योजना के हित में। अतः अधोइन्स्ट्राक्शरी ने उसे इस गंभीर अपराध का दोषी पाया है।

अंत: अधोइन्स्ट्राक्शरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 11 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समुचित और पर्याप्त कारण होने पर श्री हरविन्दर सिंह, भूतपूर्व भारी गाड़ी चालक को एतद्वारा नौकरी से हटाए जाने का दण्ड देते हैं। अधोइन्स्ट्राक्शरी यह भी आदेश देते हैं कि उसे नौकरी से हटाए जाने की अवधि अर्थात् दिनांक 28-6-82 से अब तक को "डाइज नान"

माना जाएगा अर्थात् उसे किसी भी मकान के लिए ढंगी नहीं माना जाएगा और उससे सेवा भग नहीं होगी।
इस आदेश की पावती वी जाए।

बलदेव चन्द्र
उप महाप्रबन्धक (प्रशासा)
अनुशासनिक प्राधिकारी

श्री हरविन्दर सिंह,
भूतपूर्व भारीगढ़ी चालक
सूप्रब्र श्री महेन्द्र सिंह,
गांव—सिमली
डाकखाना—मझटीयाना
जिला—होरीश्यारपुर (पंजाब)

परमाणु उड़ा विभाग
नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद 500762, दिनांक 10 सितम्बर, 1986

सं. ना ई स/का प्र 5/0704/1672.—प्रशासन एवं
लेखा के उपभूष्य कार्यपालक जी आशुलिपिक श्रेणी 111,
श्री नु. श्री. अजयकुमार को रु. 650-30-740-35-
880-द. रो. 40-960/- के वेतनमान में स्थानापन सहायक
कार्मिक अधिकारी के रूप में तर्द्ध आधार पर दि.
30-8-1986 से 29-9-1986 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों
पर्यन्त—इनमें से जो भी पूर्वविठ्ठि हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं. ना ई स/का प्र ० भ/0703/1700—इस कार्यालय
की अधिसूचना सं. ना ई स/का प्र भ/0703/1526
दिनांक 9-8-1986 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री ना०
भारत की स्थायी लेखाधिकारी के रूप में रु० 650-30-740
35-880-द० रो० 40-930 के वेतनमान में तर्द्ध आधार
पर नियुक्ति को दिनांक 2-10-1986 पर्यन्त या आगामी
आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वविठ्ठि हो आगे बढ़ाया
जाना है।

गोपाल सिंह
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 16 सितम्बर 1986

सं. प०ख०प्र०-16/1/86/भर्ती/13781—निदेशक, परमाणु
खनिज प्रभाग एवं द्वारा नाभिकीय ईंधन समिक्षा के स्थायी
विरिच्छ आशुलिपिक एवं स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी श्री ई० ब० गोविन्दशर्मा को 29 अगस्त, 1986
के अवधार से अगले आदेश होने तक परमाणु खनिज
प्रभाग में स्थानापन रूप से प्रशासन अधिकारी ग्रेड-II
नियुक्त करते हैं।

एस० पवनाभन
विरिच्छ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं. 05012/अ/3955—भारी पानी परियोजनाओं के
प्रधान कार्यकारी, भारी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री
पुरुषोत्तम कृष्णजी कुलकर्णी, वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी
(एस० जी) को भारी पानी संयंत्र (बड़ौदा) में 16 जून,
1986 (पूर्व०) से आगे आदेश होने तक के लिए उसी
पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. भावा प/भ 4/प्रो० पी०/3956—भारी पानी परियोजनाओं के
प्रधान कार्यकारी, श्री अमामलाय नटराजन सहायक लेखाकार भारी पानी संयंत्र तूतोकुरिन को इसी
संयंत्र में श्री टी० एस० शिवराम कृष्णन सहायक लेखा
अधिकारी जो छुट्टी पर है के स्थान पर अस्थायी रूप में
तर्द्ध आधार पर 26 मई, 1986 (पूर्व०) से 26 जून
1986 (अप०) तक के लिए स्थानापन सहायक लेखा
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रोमती कौ० पी० कल्याणी कुट्टी
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग
इसरो उपग्रह केन्द्र

बैंगलूरु-560017, दिनांक 10 सितम्बर 1986

सं. 020/1 (15.1)/86-स्थापना—इसरो उपग्रह
केन्द्र के निदेशक, अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र,
बैंगलूरु के निम्नलिखित व्यक्तियों में प्राप्त त्यागपत्र उनके
नाम के सामने दर्शाई तिथि में सहर्ष स्वीकार करते हैं:—

क्र०	नाम	पदनाम	तिथि
सं०			
1.	कुमारी उमा मादापुर	वैज्ञानिक/अधिकारी 11-8-86 “एस बी”	
2.	श्री ए० आर० रविंद्रकश	वैज्ञानिक/अधिकारी 5-8-86 “एस बी”	
3.	श्री ए० आर० रवोन्द्रन	वैज्ञानिक/अधिकारी 26-8-86 “एस बी”	

एस० प० श्री० शमदाय
प्रशासन अधिकारी-II

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं. 16/450/86-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान
संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री कृष्णकान्त सोनी को
18 वर्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के

अधीन, अनुसंधान केन्द्र कोयम्बटूर में दिनांक 11-8-86 के पूर्वाल्प से अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप में उच्चर्ष नियुक्त करते हैं।

जे० एन० सरसेना
कुल संचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं मठाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय

कलकत्ता-1, दिनांक 29 अगस्त 1986

विषय : अधीक्षक ग्रेड में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना।

पदोन्नति

सं० 220/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय, कलकत्ता-I/II/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियोक्ताओं को पदोन्नति के उपरान्त इसके द्वारा अनन्तिम रूप से बेन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक ग्रेड “बी” के रूप में नियुक्त किया जाता है जिसका समय-मान वेतन रूपया 650-30-74-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के साथ नियमानुसार सामान्य पार्य भूता उच्च पद (अधीक्षक, के० उ० श०, ग्रेड “बी”) का कार्यभार प्रहण करने की तारीख II. स्थानान्तरण एवं पदस्थापना :

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना अन्य आदेश आने तक इसके द्वारा तत्काल लागू किया जाता है।

क्र० नं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थानान्तरण के बावजूद पद स्थापना
1	2	3	4
1.	श्री सुविर कुमार बन्दोपाध्याय	गी० एछ० बारासत सीमा शुल्क प्रमण्डल, बोलपुर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय	
2.	श्री सुवीध चन्द्र विश्वास	दगदम के० उ० श० प्रमण्डल, रेज-V कलकत्ता-11,	—वही—
3.	श्री अवीर कुमार विश्वास	दुर्गापुर स्टील प्रम० बोलपुर, के० उ० श० कलकत्ता-1, समाहर्तालिय	
4.	श्री ए० ए० राय, अधीक्षक	स्थापना आदेश मं० 132/86 दिनांक 29-5-86 के अनुसार आसनसोल के० कालम 3 में उल्लिखित का श्रांशिक उ० श० के० उ० श०, कलकत्ता-II में संशोधन कर आसनसोल प्रैस में, स्थानान्तरण के लिये आदेश के अधीन रखा गया है।	
5.	श्री ए० ए० राहा, अधीक्षक	दो० एवं ए० यूनिट कलकत्ता-1	दन्दननगर के० उ० श० प्रमण्डल कलकत्ता

में लागू होंगा। अन्य आदेश आने तक उनकी पदस्थापना निम्नप्रकार होंगी :—

सं०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
1.	श्री सुविर कुमार बन्दोपाध्याय सी० य० बारासत सीमा-शुल्क प्रमण्डल, कलकत्ता-II शम्भुतालिय	
2.	श्री सुवीध चन्द्र विश्वास दम दम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रमण्डल, रेज-V, कलकत्ता-II समा०	

उपर्युक्त विवरणों अधिकारी को चेतावनी दी जाती है कि ग्रेड “बी” में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई है और योग्य भर्ती या अन्य अधिकारियों के लिए नियोजित पद के अनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके अवधारणा का निर्णय ज्ञानकार अन्तिम रूप से ले सकती है।

दूसरे बद्दों में अन्तिम रूप से पदोन्नति अधिकारी को यह मंत्रालय के आदेश सं० 9/11/55 एक० आर० पी० एस० दिनांक 22-12-59 के निवेशानुसार सीधी भर्ती के अधिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जायेगा। (जब वे उपलब्ध होंगे) और यदि वे स्थापना के लिए अधिक होंगे तब उन्हें बापत लौटा दिया जाएगा।

उनकी पदोन्नति श्री गोरु कुमार दे, नियोक्तक (एस०जी०) द्वारा प्राप्त की गई 1984 की रिट याचिका सी० आर० सं० 8499 (डक्टर्स०) के अन्तिम नियोजन के अनुसार हाँगी श्रीर अवसान आवेदन के आदेशानुसार एक पद नियमित रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री ए० ए० आर० दत्त शर्मा, नियोक्तक और अन्य द्वारा आरक्षण पर फाईन की गई रिट याचिका के अन्तिम नियोजन पर भी निर्भर करेगी।

1	2	3	4
6. श्री एन० जी० जै, अधीक्षक	चन्दननगर, के० उ० श० कलक्ता-II कलक्ता-II समा०		
7. श्री नन्दोदय कुमार दत्त, अधीक्षक	कलक्ता—‘ई’ प्रम० कलक्ता-I दुर्गापुर स्टील प्रम० बोलपुर के०		
8. श्री खगेन्द्र नाथ मण्डल, अधीक्षक	बोलपुर समाहतिय	उ० श० समा०	कलक्ता-I, समा०

दोनों/द्वावान्तरित अधिकारी द्वारा अधीक्षक ग्रुप “बी” केन्द्रीय उत्पाद शूलक का आर्यभास ग्रहण करने की तिथि ८ अप्रैल सालाना ग्रहण प्रमाण पत्र की प्रति उप समाहर्ता (वा० व स्था०) केन्द्रीय उत्पाद शूलक, कलक्ता-11/1/बोलपुर को प्रेषित किया जाये।

गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 7/1/80/स्था०/पाई १ दिनांक 26-9-81 के अनुसार अपने वेतन नियतन के सम्बन्ध में पदोन्नति अधिकारी पदोन्नति तिथि के एक माह के अन्दर अपना आण्य प्रकट करेंगे।

गामी विषया इके अधिकारी को शोध कार्य मुक्त करें।

सी० भजंगस्वामी,
प्रधान समाहर्ता

सीमा शूलक एवं केन्द्रीय उत्पादन शूलक ब्लडर्टा

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1986

सं० ए०-19012/1134/85-स्थापना-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एग्जोर सिह कैन, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान में 5-8-1985 की पूर्वाह्नि/अपग्रह में एक वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री महादेव अध्यर,
अव० प्रचिव

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० ए०-19012/1171/86-ई(5)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री रामा शंकर राय, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान में 20-6-86 की पूर्वाह्नि से एक वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012/1200/86-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री ए० क० खुबचंदानी, अधिकारी पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपये के वेतनमान में 4-7-1986 की पूर्वाह्नि से एक वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप

में नियुक्त करते हैं। उनकी पदोन्नति हो जाने पर श्री ए० क० खुबचंदानी को केन्द्रीय बिली प्राधिकरण, नई दिल्ली में पदस्थापित किया जाता है।

डॉ० कृष्णा,
अव० प्रचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग
कम्पन रजिस्ट्रार का कार्यालय
बिहार
कम्पनी अधिनियम 1956 आर० डालमिया बिस्कुट
प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1643/560/2967—कम्पनी अधिनियम 1950 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एःद्वारा सूचना दी जाती है कि डालमिया बिस्कुट प्रा० लि० का नाम आर० कम्पनियों के रजिस्टर में हाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 आर० सान्धू कौनमेनर क० प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1852/560/2970—कम्पनी अधिनियम, 1950 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सान्धू कौनमेनर क० प्रा० रिमिटेड का नाम इसी प्रतिकूल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर में नाम काट दिया जायेगा आर० उक्त कम्पनी विधित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुखदेव सिंह कम्पटक्शन
कंपनी प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1796/560/2973—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर
सुखदेव सिंह कम्पटक्शन कंपनी प्रा० लि० का इसके नाम प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी पेपर प्रोडक्शन
प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001 दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1537/560/2976—कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के उदरन
पर लक्ष्मी पेपर प्रोडक्शन प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया
जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सी० इन्टरप्राइसेज
इंजीनियर्स प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1551/560/2979—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 530 की उपधारा (5) के अनुसार, में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि सी० इन्टरप्राइसेज इंजीनियर्स प्रा० लिमिटेड
का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है
और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री शक्ति कोल्ड स्टोरेज
एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800000, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1467/560/2982—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि श्री शक्ति कोल्ड स्टोरेज एंड इंडस्ट्रीज प्रा०
लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया
गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कनिष्ठ बिल्डर्स
प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 1917/560/2954—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि कनिष्ठ बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज
कम्पनियों के रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विधिटित हो गई है।

ए० ए० सिंह,
कम्पनियों का रजिस्टर, बिहार

कठगो अधिनियम, 1956 और पापैयर प्रोसेस प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में।

मद्राज, दिनांक 19 सितम्बर 1986

सं० 8540/560/86—कम्पनो अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि पापैयर प्रोसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम
आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विधिटित हो गयी है।

बी० सी० दुबे,
कम्पनियों का नहायक रजिस्टर,
नमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और रेखमी सेक्वियर एंड फाइनेंस
प्रा० लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1986

सं० 4433/एल० सी० 10926—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर रेखमी सेक्वियर एंड फाइनेंस प्रा० लि० का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

मत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का रजिस्टर, उत्तर प्रदेश कानपुर

प्रमुख वार्ता, दी. एव. एस. - - - - -

भावधार बंधनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के प्रधान सूचना

भारत बंधनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मिस्रम्बद्र 1986

निवेश सं० पी० प्रार० नं० 4709/II/86-87—अतः
मूल्य, बी० प्रार० कौशिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रबन्धात 'उक्त बंधनियम' कहा गया है), का भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भव्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 479 सी० टी० एस० नं० 12616-एस
कुंज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, समाजी गंज, बड़ौदा
प्लाट नं० 9 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में
श्री० पूर्ण न्हैप से वर्णित है), राजस्ट्री बर्ता अधिकारी के कार्यालय
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखित वा
ग्राम्यांक स्वरूप वार्षिक रूप से लिखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
— [ना. ८०/ग]

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का जिन्हे भारतीय आयकर बंधनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त बंधनियम, वा एस-
कर बंधनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बन्हरिणी बायाए प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें से संविधा
के लिए;

बहु. उक्त बंधनियम की भारा 269-वा के अनुच्छेद
में, वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यविधियों, वर्ताये हैं—

(1) श्रीमती भानुमती बहन चम्पक लाल पटेल
श्री हर्षद राय गुलाब भाई देसाई,
5, कुंज सोपाइटी मायाजीगंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र भगवत प्रसाद जोशी और अन्य,
बाजवा, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीहीन करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी बाबतें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिकतम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाये हुएहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लिखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
बंधनियम के व्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस व्याय में लिखा
गया है।

अनुसूची

37 जी का फार्म सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई,
1986 में पेश किया गया था। जिसका कुल मूल्य 5,40,000/-
रुपए है।

बो० प्रार० कौशिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , अहमदाबाद

तारीख : 4-9-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 4 सितंबर 1986

निदेश मं० पी० आर० नं० 4708/II/86-87—ग्राम:
मुझे, बी० आर० कीशिक,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इहाँ पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1146 टी० पी० एफ० पी० नं० 617, पैचो नं० 2685 चौ० मी० मय 2685 चौ० मी० —5370 चौ० मी० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 जुलाई, 1986

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अरक के शायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा ने लिए और/या

(स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रभाई रनछोड भाई पटेल,
गोवा, ता० बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश्वर को० ओ० हा० सोसाहटी लि०,
गोवा, ता० बड़ौदा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यालयों शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो निम्न अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्त होगा जो उस अन्तर्गत घे दिया गया है।

अनुमति

मिलकियत जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 5,73,020/- रुपए है। उनका दो विभागों में रजिस्ट्रेशन किया गया है। जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 6604-1 और 6807-1 है जो दिनांक 10-7-86 को किया गया है।

बी० आर० कीशिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-9-1986
मोहर :

प्रस्तुप शाहौं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़—हानपुर

हानपुर, दिसंबर 8 मित्स्वर 1986

निवेश सं० प्र०-1093/86-87—अतः मूल्य, प्र०
आर० दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिपकी सं० प्र० एन आई सी मी० ब्लॉक सेक्टर 7 में स्थित
है (और इसमें उपावव अनुच्छेद में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्री अधिकारी के गार्यालय, गिरिधराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन,
तारीण 20 नवंवरी, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्नतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंदरा इतिहास से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और अन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण ने लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
धार्षितिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण संहृदै किसी आद की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में
कमी करने या उगमे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेज़—
3-276 GI/86

(1) श्री शिवचरन लाल शर्मा पुत्र

श्री चन्दन लाल शर्मा, निं० सिन्दूबाद।

(अन्तरक)

(2) मैं० न्यूज़म इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० द्वारा

श्री किशन लाल मल्होत्रा पुत्र श्री दलदर प्रवाल
निं० सी ब्लॉक सेक्टर 7, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

(3) नरेव।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) तरेव।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादक के अर्जन वा सिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पात्रन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से यह व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित भाँ किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

खेती भूमि—मिवन्दराबाद

परगना—दत्तकोर, गाजियाबाद।

एन० आर० दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरक्षण)

अर्जन रेज़, हानपुर

तारीख : 8-9-1986

मोहर :

प्रधन बाई. ही. दून. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन संचय

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1986

निदेश सं. एम. 1095/86-87—प्रत: मृगे, एक०

आरा० दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उमा अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-ष (1) के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,70,000/- में अधिक है

और जिनकी सं. खेत नं. 1837/19/15/17

है तथा जो खुरजा में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसुची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), अंगिस्टीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, खुरजा में अंगिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 23 जनवरी 1986

के पूर्वीकृत सम्पत्ति ले उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
इतिफ़ाल के लिए अन्तरित करे गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा प्रथा गया प्राप्तिफल,
निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में आमतौर
से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ अली आय की बात, उसमें
अधिनियम के अधीन कर देने के बर्तक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है लिए, जैसे/ए,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
ने अन्तरित निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजा दुलारी विधवा स्व० श्री

स्वरूप निवासी राम निवास,
राधा कृष्ण, खुरजा।

(अन्तरक)

(2) श्री पंजाबी सहकारी आवास समिति लि०,

खुरजा द्वारा श्री राधा कृष्ण बजाज पुत्र
श्री मोहिन्द राम जी (प्रध्यक्ष), पन० खुरजा।
(अन्तरिती)

(3) तथेव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) तथेव

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षारा जानता है कि व)

सम्पत्ति में हिस्बद्ध है

यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्यों भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दोष में समाप्त होती हो, के बाद पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीदर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत भूमि नं. 1837/15-17-0 विश्वा खुरजा।

एक० आरा० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-9-1986

मोहर :

संख्या बाई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

साक्षर बाजार

फ्रेंचाइज़, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1986

निर्देश सं. एम०/०९२/८६-८७---अन्तः मुझे: एच०
आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो साकारपुर
खादर में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण
लिपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय दादरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्लिखित बाजार मूल्य कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उल्लिखित बाजार
मूल्य उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
में, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में बास्तविक
कर्त्तव्य से कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी बाय की, बाखत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के उत्तरक के
दायित्व में कर्त्तव्य करने या उससे बने में त्रुष्णा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में त्रुष्णा
के लिए;

अतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जरूरति :—

1. श्री खचेड़ पुत्र गोरा निं. साकारपुर खादर हाल
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि नगर, गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

3. तथेव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. तथेव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आर० दासके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जम के लिए
कार्यवाहीया बूँद करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जम जो बंधन में होइ थी अक्षय 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इकारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

कृषि भूमि-- 13-11-0

गांव—साकारपुर खादर

मण्डल वेगमपुर गाजियाबाद।

एच०आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

तारीख: 8-9-1986

मोहर:

प्रकाश यात्रा, हौली, एम.एस. १९८५

शायकर संधीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

१०७६ (१) श्री अधीक्षित प्रसादा

भारत सरकार

आर्यलय, सहायक आयकर आयकस (निरीक्षण)

राजन रोः कानपूर

कानपुर, दिनांक ८ फ़ितम्बर, १९८६

निर्देश सं० ए० 1091/८६-८७-दत्त: मुझे ए० अर० दासः

प्रायः वर्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उनके अधिनियम' कहा गया है), की शारीर
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

आंग शिक्षको मा० है तथा जो नालापुर
खादर में स्थित है (आंग इसमें उपावड़ अनुसुची में आंग पूर्ण
द्वप में वर्णित है), राज्यीकरण अधिकारी बंकार्यालय द्वारा
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 22 अक्टूबर 1986

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिशत से, एवं द्वयमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के लिए एवं प्रतरण के लिए तथा पारा पाया प्रतिफल निम्ननिकृत उद्धवोदय से उक्त अन्तरण निकृत में

१९८५ की वार्षीय की बाबत, उच्च
कानूनी विभाग द्वारा हासिल के अन्तराक के
प्रति एक विशेष विवरण दिया गया है।

५) एक विस्तीर्ण काय या किसी धन मा बन्द जास्तिको
में, जिसमें भारतीय आद्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या
जीवान्यम, 1957 (1957 का 27)
में ग्राजिनर्थ लंस्टिक्स तुवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण से लिया:

वराह विद्युत विभाग की भारत 269-ए के बनासपुर
ने, १९८५, उसके अधिनियम की भारत 269-ए को उपधारा । १५
विभाग तिम्लिलिक व्यवस्था, जधारि ।—

1. श्रो चेत राम पुत्र शेरा निं० शावारपुर खादर महर्षि नगर, गाजियाबाद।
(अन्तरक्)
 2. महर्षि वेद विज्ञान कियार्पीठ महर्षि नगर, गाजियाबाद।
(अन्तरिती)
 3. अथेव ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. तथेव ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी प्राप्तता है कि वह सम्पत्ति में हितकद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधार संपत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है।

दुष्कृत सम्पादन के अकाली के अवलोकन में काहा भी आकृपा ।

- (क) इस सूचना के राखपत्र में वर्णनें की तारीख 13
45 दिन की अवधि या संतुष्टिशी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर 6
अवधियों से भ छिपाकर ब्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उपलब्ध स्थानवर भव्यता भी हताहत
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित से किए आ सकते।

स्थानिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे परों का, जो उक्त
वर्धनियम, के अध्याय 20-वां में परिभ्रषित
है, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिए
गये हैं।

四

रुक्मिणी—195

सातीरपुर खाली

दावरी, राज्यीय धारा ।

एच० ओर० दास
मक्षम प्राधिकारी
भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेण्ट कानपुर

तारीख : ८-९-१९८६

सोहरः

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री शिवन स्वस्त्र प्राम निवास राधाकृष्ण खुरेण।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

निर्देश सं. 1094/80-87-उत्त: मुझे, एच० आर०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1837 है, तथा जो गुर्जा में स्थित है
(प्रांत इमंगे उपायद्वारा सूची में और पूर्ण स्पष्ट रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकॉर्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
23 अक्टूबर, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए उन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक, रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायितव में
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभोजनार्थ अन्तरित बाजार प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
ने लिए।

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. पंजाबी सहकारी आवास समिति लि० खुरजा द्वारा
श्री राधाकृष्ण बजाज—खुरजा।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
प्राप्ति है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों एं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

ब्रेट संख्या 1837 स्थित कस्बा खुर्जा।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, कानपुर

तारीख : 9-9-1986.

मोहर:

प्रकृष्ट अस्ति ते इति श्री गुरु ग्रन्थ साहिब

बोमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के व्याप्र सुचना

WIST TOWER

कार्यलय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेडी, कानपुर

कानपुर, दिनांक ४ मितम्बर, १९८६

निर्देश सं० एम०/1090/86-87--इन्॒ मञ्च, एष॑० आर०

३४

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिविध' कहा था है), की घारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
"गारण है" कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी में १८ है, तथा जो राधाकृष्ण नालोनी में स्थित है (आंग इसमें उपावड़ दनुसूची में आंग पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय मालिया आद में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अनवरी, 1986

को पूर्वांकित सम्पत्ति के सुचित बाजार मूल्य से कम के असमान तिफ्ल के लिए बंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके असमान प्रतिफल से एसे असमान प्रतिफल का पश्चात् प्राप्तिदाता संभिक है और अन्तररक (आन्सारकों) और अन्तर्विद्युत (अन्तरिक्षित) हैं जो एसे अन्तरण के लिए उस बाजार मध्य प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से सबसे अस्तर विविध और वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त व्यापारिकम ने अधीस कर देने के अन्तरण से व्यापार में कभी जरूर या उक्त व्यापार में स्थिरता के लिए अंदर/बाहर

(क) दूसी किसी भाषा वा किसी भ्रम वा अन्य वास्तवियों को बिन्हे भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या भ्रम-क्रान्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रथा अनुसार अन्तरिक्षी इकारा प्रकट नहीं किया गया था या 1958 आठा आठी छाप्हाएँ थीं। अपासे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दुस्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) पर लागू हो। इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 269-प के बन्दुस्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) पर लागू हो।

1. श्री सहदेवराज चौपडा पुत्र स्व० दीवान मुकन्द
लाल चौपडा निं० 18 राधाकृष्ण कालोनी
गाडियाबाद।
(अन्तरक)
 2. श्री मनजीत कुमार पुत्र श्री दाँलत सिंह निं० 56
महल्ला अकगामान देहली गेट गाडियाबाद।
(अन्तरक)

3. ପାଦିତ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

四

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी प्राप्त है कि वह यम्पत्ति में द्वितीय है)

की भूमि सृष्टना आरी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शरू करता है।

उक्त सम्पर्क के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(५) इस मनदी के निम्नलिखित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इन स्थानों पर सम्पत्ति में हितवद्धन किसी उन्नत्यानि दबावा का अधिकाधिक रोका जाएगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

10

मकान नॉ 18 रामकृष्ण कालोनी, गाजियाबाद।

प्र० आ० दास
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : ८-९-१९८६

मोहरः

प्रस्तुत वार्द्ध. टी. पर. एस. अधिनियम

धारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ^{हृष्ट}

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सामुद्र सूचना

कार्यालय, सहायक बायकर बाबूलत 'पिंडील'

अजेंज रोज़ कानपुर

कानपुर दिनांक 8 मितम्बर 1986

निदेश सं० एम०डी० 3/86/87—अतः मुझेद्व एच०
आर० दास,

धारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 127, 131, 141, 184/1 है तथा जो
पीलना साफापुर में स्थित है (आर० इसमें उपावद्ध अनुसूची
में आंख पूर्ण रूप से अंकित है), अस्ट्रोकर्ता अधिकारी द्वा
रा कायलिय भैरव में, रास्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 21 अक्टूबरी 86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सापांत का उत्तित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
क्षतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित से
प्रमाणिक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिसका भारतीय आण-पर अधिनियम, 1972
(1920 का 11) या उक्त अधिनियम या
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्राप्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिज्ञान, अस्ति :—

(1) श्री बलजीर सिंह पुत्रश्री भीकू सिंह, ग्रा-पीलना
साफापुर, भैरव। (अन्तरक)

(2) इन्द्रप्रस्थ सहकारी बावास समिति नं० ८८८
रजिसं नं० ९१४-द्वारा श्री कौमुं पांताम्बरन पुत्र
श्री जाऊ कृष्णन-सूचिय।

(अन्तरिती)

(3) तदेव (वह व्यक्ति, जिसके
पूर्वोक्त में सम्पत्ति है)

(4) तदेव (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
उपावद्ध करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी आवध

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यावसा द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2155 3 वर्गगज खण्ड नं० 127,
131, 141, 184/1, 185, 186, एवं 190 स्थित
ग्राम पीलना साफापुर-भैरव।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ कानपुर

तारीख : 8-9-1986

मोहर :

प्रकल्प, बाहुद. टी. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ग्राम सदूकार

काशीश्वर, राष्ट्रीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिल्ली 9 सितम्बर 1986

निवेद मं० 41-ई/86-87-न०: मुझे, प्रभ० आर० दात,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उचित विधान दी गया है), की भारा
269-वाँ के अधिन मध्यम प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है ५८ स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उचित विधान दी गया है), की भारा
पूर्ण रूप से वर्णित है), राष्ट्रीय विवाही विवाही कार्यालय
कानपुर में राष्ट्रीय विवाही अधिनियम, 1908 (1908 का
15) के आधीन दिल्लीको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूल्य से यह विवाह करने
का कारण है ५८ व्यापारीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, एस व्यवहार ग्रामीण के
पूर्ण विवाही से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
प्रतिविती (प्रतिविती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
यह गया ग्रामीण के व्यवहार से अन्तरण
प्रतिविती में वास्तविक से अधिक नहीं किया गया है :—(३) अतरण सहै तकी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(४) पासी किसी आय या उक्ती भन या आय आमिनेशन
एवं जिहा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ५८
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्ती व्यापार प्रकट नहीं किया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने ये
प्रक्रिया के लिए;(१) प्रक्रम इन्वेस्टिमेंट नं० 714-हेजा चैम्बर-
नारोमन पाइट, बम्बई।

(अन्तरक)

(२) लोहिया मणीन निमटेड नं०-३-पनकी इन्डिस्ट्रियल
पारिया, कानपुर।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
निवेद करता है।

इस समीक्षा के अर्जन के संबंध में खोड़ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
असीमी अन्य व्यक्ति स्वारा अधिकारी के पास
परिवार में किए जा सकेंगे।प्राप्तिक्रिया :— इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मूल्य अत लंब्या नं० १८ पनकी इन्डिस्ट्रियल
स्टेट कानपुर जिम्मेदारी बिल्डिंग, मणीनरी सभी शामिल
हैं।प्रभ० आर० दाय
गक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

अत. अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-वाँ के अनुसरण
में, इकल अधिनियम की भारा 269-वाँ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

श्रीमद बादौटी एवं एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

सूचना छाप्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1986

निवेश सं. 42/ई/85-86—अन: मुझे, एच० आर०

दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की धारा
269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० सी-18 है तथा जो पनकी इन्डिस्ट्रियल एरिय
में स्थित है (ग्राह इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इस्युनां
इन्फ्राक्षट के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विवास
इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्युनां द्रैफ्टल से, ऐसे इस्युनां प्रतिफल के
स्थान प्रतिक्षेप से अधिक है और बल्लरक (बल्लरकों) और
बल्लरिती (बल्लरितीयों) के बीच ऐसे बल्लरण के लिए तथा पाला
जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बल्लरण निर्दिष्ट
है बल्लरित रूप से कार्यत नहीं किया जाय है ।—

(१) बल्लरण से हृदृ किसी जाय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने वा अंतरक वा
सम्पत्ति में कमी करने या उससे अचरने में सहायता
देने वा इह; जहाँ/वा

(२) एहो किसी जाय वा किसी भन या जन्म जास्तियों
को विन्हृ भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उस अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए था, किपाने में सहित
वे लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बल्लरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

44—276 GI/86

(1) एस० एस० गिन्थेटिक्स लि०, सी-3, पनकी
इन्डिस्ट्रियल स्टोर, कानपुर-208022।

(अन्तरक)

(2) लोहिया मशीन लि०, सी-3, पनकी इन्डिस्ट्रियल
स्टोर, कानपुर-208022।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है

(4) उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उच्च सम्पत्ति के बर्जन के उच्चारण में कोई भी वार्ता नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायीर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में रिकॉर्ड की जाएगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें व्यक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के व्यापार 20-क में विवरित हैं
जहाँ वर्ष होता था उक्त व्यापार वर्ष दिखा जाय
है॥

अनुसूची

सम्पूर्ण सम्पत्ति संख्या सी-18, पनकी इन्डिस्ट्रियल स्टोर
कानपुर जिसमें जमीन प्लान्ट मशीनरी शामिल है।

एच० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर,

तारीख : 8-9-1986

मोहर :

मुद्रण बाई^१, दौ. एस. एड.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) का

269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत लहूकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मुद्राराई

मुद्राराई दिनांक 1 सितम्बर 1986

निदेश सं० 3/जनवरी/86—अतः मुझे, ए० के० तालपत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० किलकु चेट्टी पट्टी ग्राम है, जो में स्थित है (और इसमें उपावढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, ए० आर० चक्रपट्टी डॉ० न० 22 से 7737 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जनवरी 1986 का नामकरण गणीत के दोषन बाजार मन्त्रालय कम के देशभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्ख यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित ग्रास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के कानून का दंत के अन्तरक आयित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, इस अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० एनेस्ट और दूसरे, पट्टीबीरन पट्टी, अम्बा डिस्ट्रीमिट।

(अन्तरक)

(2) ए० व० रामसामि और दूसरे पूत्र श्री सेवुगन चेट्टीयार, शन्मुगनथापुरम, देवकीपैटी, रामनाड डिस्ट्रीक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संघीत के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तात्त्वीक तरीका समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संघीत में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लैक्षित भौं किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वाले पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस्टेट क्राप के साथ ए०न० 214, 466/6, 215, 216/4बी, 855/1, 883/1, 884, 131/1, 132, 133/1, 134/1, 148/1, 147/1, 879, 210, 212, 213, 203, 193, 216/4पी, 466/4, 123 से 125, 137/2, 136/1, 23, 24/2, 190पी, 191पी, 205 पी, 206 पी, 207, 879 से 881, 150, 200 से 204, 194, 192, 190, 191पी, 204पी, 206पी, 215पी, 882/1, 2 और 216/3बी।

ए० के० तालपत्रा,
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मुद्राराई

तारीख : 1-9-1986

मोहर :

प्रधान मंत्री द्वारा प्रकाशित

(1) आर० रामकृष्ण मुदलियार और अन्यों।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस० मल्लेकोडी अम्माल।
(अन्तरिती)

प्राप्ति विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 4 सितम्बर 1986

निदेश सं० 3 जनवरी 86—अतः मुझे, ए०आर०
रेड्ही,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० III डिवीजन, नेल्लुकारतेलु चेंगलपठ,
है, जो कांचीपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
और पूर्ण रूप से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कांचीपुरम लेख सं० 125/86 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 86।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
नमूना प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तीनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अमृसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, जिसमें सूचना
है दिल्ली

भूमि और मकान—III, डिवीजन, नेल्लुकारतेलु,
कांचीपुरम, चेंगलपठ (कांचीपुरम—लेख सं० 125/86)

ए० डा० रेड्ही
सक्षम प्राधिकारी
हायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज २, मद्रास-६

धूम: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

तारीख : 4-9-1986

माहर :

उत्तम श्रावण दी, एस. एव्ह.

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भाग 269 ए(1) के बचीन सुचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास दिनांक 4 सितम्बर 1986

निवेदन सं. 4/जनवरी 86—जन: मझे, ए.ओ.आर.०
रेडी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की भाग
269-ए के बचीन सुचना प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि खेती—बीरकाशलम् गांव है, जो
में स्थित है (और इससे उपावड़ में आंद पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वा कार्यालय, तोण्डमुत्तर/
लेख सं. 42/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16 के अधीन 16) जनवरी 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
में वर्णित गई है कि यह है—

(ए) दस्तरण सं. हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम को बचीन कर देने के बनाए के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी भने गा अन्य अधिसूची
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पत्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती दिवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने से
सुविधा के लिए;

बताय देख, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की जारीता (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के० कुमारसामि।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हारिसन्स मलयालम् लिमिटेड, बाई अठार्नी
और चीफ एक्सिक्यूटिव श्री पी०के० मेनन्।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सुचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरण के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें व्यक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि खेती—तोण्डमुत्तूर रोड, एस० एफ० सं. 157/
ए१, 158/१, 159, तोण्डमुत्तूर/लेख सं. 42/८६।

ए.ओ.आर.० रेडी
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 4-9-1986

मोहर :

प्राप्त आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रो एम०की० रहमा सैठ, और अन्यों।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना(2) मेसर्स दी नीलगिरीस डेरी फार्म प्राइवेट लिमी-
टेड।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निदेश सं० 5 जनवरी/86—अतः मुझे, ए०आर०
रेही,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि-३ क्लब, रोड, रेस कोर्स है, जो
कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बत्तूर-लेख सं० 229/86 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरारत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृइ किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (957 का 27)
के प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना ब्राती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बदल के जिए
कार्यकालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

भूमि-ज्ञाक सं० 31 क्लब रोड, रेस कोर्स कोयम्बत्तूर
कोयम्बत्तूर-लेख सं० 229/86।ए० आर० रेही
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-२, मद्रास-६

तारीख : 4-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाक्य—मृत्यु, वृद्धि, वृद्धि—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वाप 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निदेश सं. 6/जनवरी/86—अतः मुझे, ए. ओ. आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. 293, एन०एच० रोड, नास
थियेटर के पास कोयम्बत्तूर में स्थित है (ओर इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कायलिय, कोयम्बत्तूर लेख सं. 389/86 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवराल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
प्रस्तुत श्रेष्ठता से अधिक है और जनरक (जनरकों) और
जनरिती (जनरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित वै वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हट्टे लिखी जाने वाली, बायक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उक्त वचन में सूचित
के लिए; और/वा

(ख) हट्टी लिखी जाने वा लिखी भव वा अन्य जाहिलियों
को लिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्राप्तिमार्थ अन्तरिती इषारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदृश था, छिपाने में लुभिता
की जड़;

वर: वर, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरक
दे, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० कनगसबापति ओर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हमीद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियों करदा है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति का;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितपूर्ण
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के संच
लिखित में किए जा सकते।

लक्षण :—इसमें प्रदूषित वस्तु और पर्यावरण, जो उक्त
अधिनियम, के वधाय 20-क में वर्णितव्य
है, वही वस्तु होता जो उक्त वधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि प्रौद्योगिकी संकान—293, एन०एच० रोड, नास थियेटर
वे: पास, कोयम्बत्तूर-लेख सं. 389/86।

ए. ओ. आर० रेड्डी
दक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास 6

नामीख : 4-9-1986

मोहर :

श्रेष्ठ बाई दीपदेवी

(1) एस० लक्ष्मणन् आंग अन्यों।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) डी०एस० राजसाधिकम्।

(अन्तरिती)

श्राव्य शुटकाड़

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर 1986

निवेश सं० 7/जनवरी/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई इसके पालात 'स्थावर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकास उचित बाजार व्यव्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओं जिसकी सं० 2, 9 स्ट्रीट, डा० राधाकृष्णन रोड, है, जो मद्रास-4 में स्थित है (ओं इसमें उपाध्यक्ष में और पूर्ण रूप में विभिन्न है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुरम्/लेख सं० 16 105/86 में, रजिस्ट्रीकरण भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अंतरण लिखित में प्रासादीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) उत्तरपूर्व है दूर लिखी जाने की शरण, अव्याधिनियम के अधीन कर देने के उत्तरांक के शायित्व में कभी करने या उक्त उत्तरांक में सूचित नहीं है; और/या

(b) एसी किसी जाय या किसी धरा या अन्य आयुक्त को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा० अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रनुसूची

भूमि और मकान-2, 9वीं स्ट्रीट, डा० राधाकृष्णन रोड, मद्रास-4 मैलापुर, लेख सं० 105/86।

ए० आर० रेड्डी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मिस्राम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/४/३७इ/१-८६/१—
अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-१, है तथा जो चौथा खंड और गेरेज
एम-७ बैमेंट लाला गिरधरी लाल मैमोरियल अपार्टमेंट 28
फिरोजशाह रोड 1 में स्थित है (अद्य इसमें उपावन्द अनुसूची
में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीलॉर्ना अधिकारी के कार्या-
भ्य सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-4 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जनवरी 1986।

मेरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
प्रासादीक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

वस्तु अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्जति —

(1) लाला गिरधर लाल मैमोरियल फेडरेशन हाउस,
तानांत मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) पहाड़पुर कुलिंग टावरम प्रा० लिमि० एस/1/
वी डिमांड हरिवर रोड, रामकृष्ण-700 027।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवासीय फ्लैट ए-१, चौथा खंड और गेरेज
एम-७, बैमेंट फ्लौर लाला गिरधर लाल मैमोरियल
अपार्टमेंट, 28 फिरोजशाह रोड नई दिल्ली-१।

डी० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1986

मोहर :

प्रधान मंत्री द्वारा दस्तावेज़—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

प्राप्ति नं. १०८, दिल्ली में प्राप्ति

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

पर्यावरण रोज़गार नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फिल्ड 1986

निर्देश नं० प्राई० ३० नं०/प्रकृ०/४३७-६६/१-८८/२-

आठ मुझे, डी० के० आवासाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जो से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ११७ के अंतर्गत उक्त अधिनियम का अन्तरण के अधिकारी के द्वारा अपनी उचित वाजार मूल्य ₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिमकी नं० है तथा जो १, २, ३, ७, ८ और ९ दस्तावेज़ (५, ६ वा साथ नई दिल्ली में प्रियत हैं (ओर इसमें आवाहन अनुसूची में पार्ट एच १, वर्णि है), विस्तृत अधिकारी द्वारा दिल्ली, में विस्तृत करण अधिनियम 1908 (1908 नं० ६) द्वारा प्राप्ति आपूर्ति (निरीक्षण) प्राप्ति रोज़गार नई दिल्ली में उदारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) द्वारा आपूर्ति, दिनांक जनवरी 1986।

का प्रयोग अप्पिल के उचाव वाजार मूल्य से अधिनियम के अधिनियम के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते वह अन्तरित करना चाहता है कि उक्त वाजार मूल्य, उसके दृष्ट मान प्रतिफल में ऐसे दृष्ट मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरित अन्तरण के बिना इस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक रूप से वाचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की वाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उत्तरात्मक दार्शनिक दस्तावेज़, दिनांक १० दस्तावा खंड, १५, नस्तु गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्द आमतयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रयोगवार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकर सही नियम द्वारा दी या दी जाना जाए।

बता देव, उक्त अधिनियम की धारा २६९-१ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा २६९-१ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित घटकियाँ अर्थात् :—

5-276 GT/86

(१) नई दिल्ली डाटल्स लिमिटेड होटल एम्बेलर गुरुनानिह पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) ओपोजो इवेस्टमेंट्स प्राप्ति लिमिटेड २/१६, वर्ड नं० ३, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी दस्तावेज़ अधिकत संपत्ति के बजार के लिए प्रयोगी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में 'कोइ' भी आवेदन :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५८ दिन की अवधि या तासंबंधी अविकल्पी वर्ष सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, या भी अन्तरित दाय में समाप्त होती हो, वे भीतर प्रक्रिया के दौरान अधिकत होता।

(ग) इस दस्तावेज़ में प्रकाशन की तारीख से ५८ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि के दौरान अधिकारी द्वारा उपायकारी के वाल दस्तावेज़ का नहीं किया जाए।

स्वतंत्रीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और दस्तावेज़ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, या वर्ध होंगा जो उस अध्याय में विवर गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० १, २, ३, ७, ८ ओर ९ दस्तावा खंड, १५, नस्तु गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
सक्तम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-4, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली 11 मितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/४/३७-ई०/१-८६/३-
अन्तः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० है तथा जो भूमि तादादी 20 बीघा
ख सरानं० 5/21, 6/1, 6/9, 6/10, 6/11, 6/12 जौनपुर
(तहसील मैद्रोली) में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है इसी आय की धावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/वा

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अर्थ: अब, उक्त व्याख्यानवद, को धारा 269-प के अन्तरक
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नर्सिंह मलहावा कुमारी मुर्णा मलहोका
(छोटा) जे-367, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) जोहरा श्रोपठ राय 6, इंडरेंड रोड, इलाहाबाद।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांहे भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 20 बीघा खसगा नं० 5/21,
6/1, 6/9, 6/10, 6/11 और 6/12 फार्म हाउस, गांधी-
जीनपुर (तहसील मैद्रोली)।

डी० के० श्रीवास्तव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत वार्ष. दी. एवं एवं

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रारंभिक, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37-इ०/1-86/4—

अतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परिवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन दक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो पुष्पांजलि फार्म नं० सी-30,
गांव विज्वासन, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें
उपावस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख
जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकाल प्रतिष्ठित से, एवं अधिकाल प्रतिष्ठित का
प्रदूष प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच हेतु अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक विविध
कारणों से अंतरण नहीं किया जा सकता है।

(क) अन्तरण वे हैं किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
पूर्वोक्त से कमी करने या उससे बचने में परिधा
के लिए; और/या

(ख) हासी किसी बाब या किसी धन या अन्य कासियाँ
को, जिसकी बाबीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकाल
मार्ग बास्तिरी द्वाय प्रकृत नहीं किया जाय या
या किसी बाब चाहिए तो कियाने वे हैं।

बहुत बहुत अधिनियम की भाग 269-व के अनुसूच
वे, वे, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षि—

- (1) अंसल प्रोपट्रीस एंड हॉस्ट्रीज प्रा० लिमि० 1/5;
अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली
(अन्तरक)
(2) डी० एल० प्रोपट्रीस 2, कलाइव घाट स्ट्रीट
रुम नं० 3 और 4 कलकत्ता।
(अन्तरिती)

जै यह सूचना आदी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाबेप :—

- (क) इस सूचना के उपरपर में प्रकाशन की तारीख ३
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्धी अधिकतयाँ पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री
बवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी वे में किसी अविक्त द्वायाः।
(ख) इस सूचना के उपरपर में प्रकाशन की तारीख ३
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहून
किसी अन्य अधिकत द्वाय अधोहस्ताक्षरी के बाब
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तोकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही लर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया
जाए है।

अनुसूची

पुष्पांपलि फार्म नं० सी-30, गांव-विज्वासन, नई दिल्ली
(2.5 एकड़)।

डी० के० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-4, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-9-1986

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मिस्रवर 1986

निदेश नं० आई० ए० मो०/एक्य०/४/३७-ई०/१-८०/५

अतः मुझ, डी० नं० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'बायकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो ए-1, दूरग खंड गोरेज पृष्ठ-9, बैसमेट खंड में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसकी अधिकारी के कार्यालय, लाल गंधी अपार्टमेंट 28, फिरोजाशाह रोड महायज्ञ श्रावण आयुक्त (निरीक्षण) रेज-4 गोरेज भारतीय रिसर्च एण्ड अधिनियम, 1908 (1908 ज्ञा 16) के अधीन दिनांक जूनवरी 1986

दो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवगति अतिकृत से, ऐसे अवगति प्रतिफल का प्रायः प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हूँ किसी बाय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतर, वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बायारा प्रकट नहीं किया जाय या किया जाना चाहिए था, छिपान या प्रतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अनुसार निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः —

(1) श्री लाला गिरिधर लाल मैमोरियल फेडरेशन हाउस, नालसेन गार्ड, नई दिल्ली।

(अन्तरदः)

(2) ग्रदध विद्वान् मैमोरियल लिमिटेड नानपुर (यू.पी.)।

(अन्तर्गती)

की यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधि के बिल लालाकान्हाल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के संबंध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विभीती व्यक्ति ब्रावारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति हुनरा, बधाहस्ताकरी के पालने की अवधि या अन्य किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय वे दिया

माला

ब्रावारी फ्लैट नं० ए-१ और दूसरा खंड ओर गोरेज नं० ए-९, बैसमेट एनो लाला गिरिधर मैमोरियल अपार्टमेंट, 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

डी० क० श्रीवास्तव
प्रधान प्राधिकारी
सहाय आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 9-9-1986

मोहर :

इस्तम्भ बाइंड ट्रैफ एवं एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (१) के अधीन संचाल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मित्रांशु 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/५/३७-८८/१-८६/
२६३२/६—ग्रन्त: मझे, डॉ० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि खाते सम्पत्ति, जिनमें उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० है था जो १-३, प्रथम खंड और
गेरेज ए०-१२, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (आप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूरी रूप
से वर्णित है), उस्ट्रोनी अधिकारी के नियालिग, ग्राम्य-
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-४ नई दिल्ली से
भारतीय अनुसूची-ए प्राधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवंवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र से कमी करने या उससे बढ़ने में विभिन्न
है लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमतियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिकारी
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथमांश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा १००.५ की अधीन
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् —

(१) लाला गिरधर लाल मैमोरियल केडरेशन हाउस,
नानसेन पार्स नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(२) जॉ. के० निथेटिक्स लिमिटेड, 24, बाराबाबा
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्षिकाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
पूर्व, श्री अवधिकारी तस्वीरनी अधिकारी या उसके अधीन
स्थान के अधिकारी के अधीन अधिकारी या उसके अधीन
अवधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
पूर्व, अधिकारी अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन
अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन

प्राप्ति—इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
पूर्व, अधिकारी अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन
अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन अधिकारी के अधीन

अनुसूची

श्रीवास्तव फ्लैट नं० ए-३, प्रथम खंड और गेरेज नं०
ए०-१२, ब्रेगमेंट फ्लौर लाला गिरधर लाल मैमोरियल
प्रार्टमेंट, २८, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

डॉ० के० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-४, नई दिल्ली

तारीख : ११-९-१९८६

मोहूर :

प्रस्तुत बाहौद. दी. एन. एस. * * *

व्यक्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकामा

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 मित्रबर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/४/३७६५/१-८६/७—
अतः गुज्रे, छो० के० श्रीवास्तव,

व्यक्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहला 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह "उचावर करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है"

और जिसकी सं० है नथा जो ए-३, दूसरा खंड और गेरेज
एस-११, लाला गिरधर लाल अपार्टमेंट २८, फिरोजशाह
रोड में स्थित है (श्री० इसमें उपावद्ध अनुसुची में अंत
पूर्ण रूपों वर्णित है) रा० अ० कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-४नई दिल्ली
भारतोंग (स्ट्रोंहरन अधिनियम, 1908 (1908 का 16))
के अधीन दिनांक जनवरी 1986।

के पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विवास
दरन का व्याप्त है कि ग्रामपर्यावरण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
रक्त प्रतिपाद न अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे तन्त्रण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण वे हैं किसी बाय की बात, उक्त
व्यक्तिगत के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध
थं वसी करने या उक्त वसी में वृद्धिका के लिए;
कैठूंदा।

(२) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तनार्थ
उक्त अधिनियम, 1957 के प्रकार नहीं किया गया था या
विचार उक्त बाहिर आयिकाने में सुनिधा के लिए;

बता: आवकर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

- (1) लाला गिरधर मैमोरियल फेलरेशन हाउस,
तालेसन मार्ग, नई दिल्ली-110 001।
(अन्तरक)
- (2) प्लाइटर प्रोजेक्ट लिमितेड, न्यून्क्लिया।
(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पर्यावरण समिति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्यावरण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवैष्टि
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रथम सबों और पदों का, जो उक्त
व्यक्तिगत के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध
थं वसी करने या उक्त वसी में वृद्धिका के लिए
कैठूंदा है, वही वर्जन या उस अध्याय में दिया
गया है ॥

अनुसूची

आवासीय फ्लैट नं० ए-३, दूसरा खंड, वारगरज एस-११,
वैसमेंट फ्लौर लाला गिरधर लाल मैमोरियल अपार्टमेंट,
२८, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

छो० के० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-४ दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रलूप नार्द. टी. एन. एस.-----
 आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4 नई दिल्ली
 नई दिल्ली दिनांक 9 सितम्बर 1986
 निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/4/37-ई०/1-86/8—

अस्त: मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० है नथा जो अवासीय फ्लैट नं०
 ए-2, दूसरा खंड और गोरेज-एस-10, ब्रैसमेंट फ्लोर 28,
 फिरोजशाह रोड में स्थित है (और इससे उपांचद्र अनुसूची
 में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीड अधिकारी के कार्यालय
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, नई
 दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986
 को प्रदत्त संघीयता के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
 अस्तित्व के लिए उन्नीसवाँ वर्ष की वर्ष है और यह विश्वास
 करने का कारण है कि बथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उक्त उचित सम्पत्ति के लिए उचित बाजार मूल्य से
 अलग प्रतिक्रिया से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
 प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अस्तरण किया गया
 अस्तित्व के क्षेत्र नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुए किसी आय की आवत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
 विविध में कमी करने या उससे बचने में सुधिका
 के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय का किसी भूमि या जन्म आस्तियों
 को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिका
 के लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
 में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) के
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) लाला गिरधर लाल मैमोरियल फेडरेशन हाउस,
 नानेत भार्ग, नई दिल्ली-110 001।
 (अन्तरक)
 (2) सुर्या हमर्शियल लिमि० कानपुर (य०० पी०)।
 (अन्तरिती)

यह सूचना बारी कर्वी प्राप्ति सम्पादित के अर्जन के लिए
 कार्यवाही है करता है।

इस नम्बर के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदर्शित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ब) इस सूचना के राष्ट्रपति प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वाहाना कार्रवाई के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वहीं अथं ढांगा जो उस व्यक्ति में दिया
 गया है।

अनुसूची

अवासीय फ्लैट नं० ए-2, दूसरा खंड और एक गोरेज
 एस-10, ब्रैसमेंट फ्लोर लाला गिरधर मैमोरियल अपार्टमेंट
 28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-4 नई दिल्ली

तारीख : 9-9-1986

मेरे हर :

प्रधान बाह्य दीन वस्त्र एवं वस्त्र

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कालानीव, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई० ग० सी०/ग्रन्य०/4/37ई०/1-86/9
अतः मझे, डी० के० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के वधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर समाप्ति, जिसका उचित दाजार भूम्य
1,00,000/- रुपये है

श्री० जिमकी सं० है नथा जी फ्लैट नं० 4, और
6, 10वां खंड, 15, न० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण व्यप से वर्णित है),
राजस्त्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, महायक आयुक्त
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली में भावनीय
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जनवरी 1986।

को पूर्वानुमति देने वाला दाजार मूला से व्यक्त के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास दाने
का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार भूम्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्वह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्णित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से उद्देश्य किसी वाय का बाबत, उक्त
अधिनियम द्वारा अन्य वाय के बाबत, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुकिधा
के लाला; वाय/ग

(ख) दूसी किसी वाय द्वारा किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) द्वारा उक्त अधिनियम, या धनार्थ
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था विवर में मुकिधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) नई दिल्ली होटल लिमि०, होटल एम्बेसेडर
मुम्बानिम्ह पाक, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) भद्राचलम पेपर बोर्ड लिमि०, 2-बी०, सागर^०
प्रार्टमेंट, 6, नेलग मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
व्यवस्थापन करता है :

इस संपादन के अंतर्भूत वर्जन के लिए :

(१) इस पूचना के अंतर्भूत मा प्रबाधन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दत्तम्भन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की जायीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा कियी व्यक्ति द्वारा;

(२) इस सूचना के अंतर्भूत मा उक्तका की तारीख से
45 दिन की अवधि द्वारा उपर्याप्त मा हित्रद्वय
किसी अन्य व्यापक दृवाय अधिकृताधारी के पास
निर्वित गे किए जा सकें।

स्थानांकन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों को पढ़ा का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
दया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 5 और 6, 10वां खंड 15 लस्टुरवा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

डी० के० श्रीवास्तव,
पक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली।

नारीय : 11-9-1986
मोहर :

प्रलेप बाइंड, टी. एन., एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य० 3/37 ईई/1-86/
2713/1—अतः मुझे, जगदीश मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो स्पेस नं. 8ए, आठवां
खण्ड डा० गोपाल दास भवन, में स्थित (अग्र इससे
उपावढ अनुसूची में पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, निरीक्षण सहायक आयकर आयकर
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को दूर्बोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवभास
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवभास प्रतिफल से ऐसे अवभास प्रतिफल का
पश्च अविष्ट से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अस्तरीयताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
तो वासाधिक स्प से कार्यत नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कहु देने के अन्तरक वै
द्यक्षित वै कर्ता अन्तरण के उपरे उपरे से लूपित
के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अंतरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अधि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
द्वा०, घ०, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
के अन्तरि, निम्नलिखित अविष्टारे, लगाउ ॥

6-276 GI/86

(1) श्री गोपाल दास स्टेट एंड हाउसिंग प्रा० लि०
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीना कोहली पत्नी पा० के० कोहली ई० 197,
ग्रेटर कैलांग-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकालिका करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
पूछा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृक्ष विकास द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाद
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है ।

मृत्यु

स्पेश नं. 8ए, आठवां खण्ड डा० गोपाल दास भवन,
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

जगदीश मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1986

मोहर :

ग्रन्थ बारौं दीप एवं रेष्ट

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव
269-ए (1) की वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७-ई०/१-८६/
२७३९/२—प्रतः मझे, जगदीश मित्र निरीक्षण सहायक
आयकर आयकल (रेज-3),

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाव
269-ए के वधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
आवश्यक है कि स्थावर सम्पत्ति, विवास का उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्पेश नं० 3, 10वां खंड,
विजया बिल्डिंग बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीटरी अधिकारी के कार्यालय, निरीक्षण सहायक,
आयकर आयकल रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1966

को पूर्णत उपलिखित के उचित बाबार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मृक्ष यह विवास करने
का कारण है कि यह पूर्णकर्त सम्पत्ति का उचित
बाबार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
दाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं काया गया है :—

(अ) अन्तरण से ही किसी भाव की व्यवहत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या विकसी भूमि या अन्य कास्तयों
में जिन्हें भासीय भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
या या या किया गया जाता है; या, 130.1न
सुविधा के लिए;

प्रतः बब, उक्त अधिनियम की भाव 269-ए के अन्तरक
में, या, उक्त अधिनियम की भाव 269-ए की उपभास (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुजरात स्टेट प्रा० लिमि० १७, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री घमिन्दर सरना सुपुत्र ए एल सरना बी-४/३९,
सफदरजंग एन्कलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) श्री धीरज सरना सुपुत्र मिस्टर ए० एल० सरना
बी-४/३९, सफदरजंग एन्कलेब, नई दिल्ली।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4) मास्टर आशीष सरना/यूजी श्राफ ए एल सरना
(पिता व अभिभावक) बी-४/३९, सफदरजंग
एन्कलेब, नई दिल्ली।
वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोस्ताक्षरी जाता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना बारौं करके पूर्णकर्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते० ४५ दिन की वधीन या तत्संबंधी व्यक्तियों में
सूचना की तामील ते० ३० दिन की वधीन, जो भी
वधीन बाब में स्थायी होती है, वे भीतर द्वैत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते० ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे द्वितीय
किसी भी व्यक्ति द्वारा, वास्तविक वास्तविक वास्तविक
व्यक्तियों में छिपे या रहे गए।

वायित्वकरण :—इसमें प्रयुक्त वायित्व बायू पदों का, जो उक्त
अधिनियम के व्यायाम 20-ए में परिभासित
है, वही वर्थ होंगा जो उस व्यायाम में दिया
गया है।

नमूस्त्री

स्पेश नं० 3, 10वां खंड विजया बिल्डिंग 17 बार
खम्बा रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख :

मोहर :

प्रकृत्यां अधिनियम का अधिकार संसद

जामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) की वर्तीय अधिकार

उत्तर भारत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/37-इद/1-86/
2589/2-ए/—प्रतः मुझे, जगदीश मित्र, आई० सी०
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो होटल मेरोडियन दिल्ली में
स्थित विन्डसर प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, निरीक्षण सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
नई दिल्ली में भारतीय आयकर प्राधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्वित की जाए है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से, ऐसे अधिकार प्रतिफल का
मूल्य प्रतिशत से अधिक है जो उक्त बन्दरगाह (बन्दरगाह), जो उक्त
विवरिती (विवरितियाँ) के बीच दूसरे बन्दरगाह के लिए तब पाया
जाएगा, विन्डसर बन्दरगाह के उक्त बन्दरगाह विविध दो
प्रासादीक रूप में कठिन नहीं किया गया है ॥

(क) बन्दरगाह से हर्दि किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जारीस्थों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तर्कार्यों, जारी । ॥

(1) सी० जे० इन्टरनेशनल होटल्स लिमि० एस०
मोहन सिंह बिलिंग, कनाटपलेस, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) ईस्ट इंडिया आइरन एंड स्टील कम्पनी लिमि०
70, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित से
कार्यवाहीया बुरा करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित से कोई भी वापर नहीं

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरावधि अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि तुकाराम

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य अवधि द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे ।

तारीख:—इसने प्रयुक्त एवं उपर्युक्त पर्याप्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कमर्शियल काम्पलेक्स प्रोपोर्ट्स होटल्स मेरोडियन दिल्ली,
वीडसर प्लेस, नई दिल्ली ।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-८-1986
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायता आपकर वापुकर (पिट्टीलाल)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37-हृ/2-86/
2761/3—ग्रातः मुखे, जगदीश मित्र,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा था है), की वारा
269-वां के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विस्तार करने का
काम है जिससे उच्चतम, वित्तीय अधिकारी वालाओं पर
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 4, नीलगिरी अपार्टमेंट्स, 9 बी० के० रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुभूति में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत रेज-३ में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरित बाजार मूल्य से कम हो इसमान अतिफ़ज़ाल के लिए बंतरेत की यह है और यह वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपरित बाजार मूल्य, उसके अवयवान अतिफ़ज़ाल है, ऐसे अवयवान अतिफ़ज़ाल का एन्ह्र प्रतिष्ठान से वर्धित है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिरती (बंतरिरतियों) के बीच ऐसे बंतरेत के सिय तम पाया एवा अतिफ़ज़ाल विभिन्निविठ इन्हें यह दृष्टि बन्तरक विकास वैधास्त्रिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(c) नवारण द्वे हर्ष किंवा वास की वासन, सम्भव विविधता द्वे वासीं वास द्वेष की वस्तुरण वे वासील द्वे वासी करते थे उपर्युक्त वास द्वे वासिया किंवा वास।

(१८) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नासिलों को, जिन्हे भारतीय बाय-कर भी निवन, 1922 (1922 का 11) या उत्तर नासिलेव, या उप-कर नासिलेव, 1957 (1957 का 27) ये अवैज्ञानिक इवाया झाँग नहीं किया जाय या या किया जाया आविष्ट हो, जिसमें दो सविभाव के लिए;

बातः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वह इकल अधिनियम की धारा 269-व गी उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री कैलाशनाथ एंड एसोसिएट्स 1006, कंचन-
जागा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(मन्त्रक)

(2) आदर्श सिमेंट प्रोडक्ट्स लिमि० 16, साधना
एन्कलेब, नई दिल्ली 17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जस के लिए कार्यवाहीया करुता है।

अमर भगवान के वर्णन के उत्तराभ दे कोइ अपेक्षा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यमानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर फॉर्मैट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी वस्तु व्यक्ति द्वाय वधोहस्ताक्षारी के पास सिविल में विद्यु वा सक्रोंडे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ने दिया
करा है।

३८५

प्रावासीय फ्लैट नं० 4, थोलफल 1600 वर्ग फीट
 तीसरा खंड और एक कार पार्किंग स्पेश 1 बहुमंजिली ग्रुप
 हाउसिंग स्कीम नीलगिरी अपार्टमेंट्स, 9, बाराछम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

जगदीश मित्र,
संस्थापक अधिकारी

तारीख : 20-8-1986

मोहर :

उच्च आई.टी.पा.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नाम लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७-ई०/२-६६/
२७५९/४—श्रतः मुझे, जगदीश मिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्पेश नं० 13, 28
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायद
अनुसुचि में पूर्व स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज-3, नई
दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के अधीन
दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिफल के लिए बंतरित को गहर है और मूँहे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त वंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थान प्रतिफल का
वन्दह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतरीती
(बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तथा यादा यादा प्रति-
क्षल विभिन्निभित उद्दरेश्य से उच्च बंतरण लिखित में वास्तविक
इसे कठित नहीं किया जा सकता है

(८) बन्दरण से दूर किसी बाय की बाबत, उच्च
अधिनियम वे व्यवस्था कर देने के बंतरक के
वायित्व में कठी करने या उच्च बंदरण में संविधा
वे विए; और/या

(९) दौरी किसी बाय या किसी भूमि या बन्द
अधिनियम को, विहृ भारतीय आद्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बहु: बहु, उच्च अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन 1—

- (1) गोपाल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग लिमि० 28
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (अन्तर्क)
(2) आउन विस्कुट कम्पनी, ए-10, लारेंस रोड,
श्रीशोगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।
(अन्तर्कर्ता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उच्च सम्पत्ति के उचित के संबंध में दूरे भी आकर्षण—

(८) इह सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशित की तारीख ८
४५ दिन की बरीच या उत्तमतमी अवधियां पह
सूचना की तामील से ३० दिन की बरीच, जो ही
बरीच बाय ये स्थाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियां वे हो जिसी व्यक्तियुक्ति;

(९) इह सूचना वे उच्चपत्र में प्रकाशित की तारीख से
४५ दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में विवरण
कियी बख्य व्यक्ति द्वारा वासेहस्ताकारी के पाए
निरीक्षण में लिए जा सकते।

लक्षीकरण:—इहमें प्रदृष्ट वच्चे और वच्चे का, जो उच्च
अधिनियम द्वा अध्याय 20-के में विवरित
है, वही उचित होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

स्पेश नं० 13, 5वां खंड डा० गोपाल दास भवन,
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-१ सुपर क्षेत्र 710 वर्ग
फीट।

जगदीश मिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-8-1986

मोहर:

बारेत वा. शब्दपत्र, प्रकृतबर 11, 1986 (आशिंग 19, 1986)

**भारत वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) वायकर सूचना**

भारत वायकर

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (नियोजन)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७-इ०/२-८६/
२७५२/५—अतः, मुझे, जगदीश मित्र निरीक्षण सहायक
वायकर आयुक्त रेंज-3,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्पेश 3, 5वां खंड,
डा० गोपाल दास भवन, 28 बाराखम्बा रोड, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निरीक्षक स्हॉफ्ट
वायकर आयुक्त, रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय वायकर
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986 में
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचवां प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसी किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के बीच कर देने के अंतरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
हृतिकरण के लिए।

लक्षण: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गोपाल दास स्टेट एन्ड हाउसिंग प्रा० लिमि०
28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) शाहजदा राम सुपुत्र महिला मल द्वारा
डा० आर० के० गुप्ता सुखदा नर्सिंग होम-
शापिंग सेंटर, आर-ब्लाक, ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली-110048 ।

(अन्तरिती)

(3) सत्यावती पत्नी शाहजदा राम द्वारा डा० आर
के० गुप्ता सुखदा नर्सिंग होम शापिंग सेंटर
आर-ब्लाक, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों पर लगाया देना चाहिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-व में यथा परिभासित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 3, 5वां खंड, डा० गोपाल दास भवन, 28
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

जगदीश मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख :

मोहर :

प्रकल्प याहू.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस० ३/३/७-ई०/२-८६/

2747/6—प्राप्त: मुझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रथम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि प्रधानमंत्री सम्पत्ति का उपचित आजार दृष्टि
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लैट नं० 2, 660
वर्ग फीट, 16, बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्टर्ड कार्पोरेशन
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपचित आजार भूमि से छम के लघ्यमात्र
प्राप्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवाद
करने का कारण है कि व्याप्रवैक्त संपत्ति का उपचित आजार
भूमि, उसके लघ्यमात्र प्राप्ति के लिए अन्तरित
पन्थ से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब याया नया प्राप्ति-
भूमि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किसित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके
दौरान में ज्ञात उक्त उक्त अंतरण
की दृष्टि; और/या

(ख) हेतु जिसी आय या जिसी भूमि वा वस्तु वास्तवों
को, जिस है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 [1957 का 27]
के प्रधानमार्य अन्तरिती लाया जाए तो, जिसमें से उपचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, जो उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

(1) एस० पी० नागपाल, सुरेण नागपाल, मिसेस प्रेम
नागपाल, रानी नागपाल, 108, डबल स्टोरी
न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) रविन्द्र कुमार जैन सी फोम कुफी परेज कोसावा,
दम्बू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संघीत के बर्जन के लिए
मार्यादाहीयां करता है।

उक्त समीक्षा के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उपचित वर्जन की तारीख ते
45 दिन की अवधि वा तत्त्वावधी अवधिकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन :—इसे प्रकाश दब्द और पर्याप्त वा, जो उक्त
अधिनियम के उच्चाव 20-व के वैधानिक
है, वही बर्जन होगा, जो उक्त उच्चाव वर्ते दिन
पर्याप्त है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 660 वर्ग फीट सुपर एरिया 'दूसरा
खंड निर्माणाधीन बिल्डिंग नं० 16, बाराखम्बा रोड, नई
दिल्ली।

जगदीश मित्र
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख : 20-8-1986

मोहर :

प्रकृत्युवर बाईं.टी.एव.एस.

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) व अधिनियम

भारत अधिकार

भारत अधिकार, भारत अधिकार वाचक वाचक (विवरण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37-ई०/2-8-6/
2723/7—अतः मुझे, जगदीश मित्र,

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्पेशन नं० 10, अरुणा-
चल, 19, वी के रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ओर
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्टी-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 1
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल में लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके अवमान प्रतिफल से ऐसे अवमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिकृत से अधिक है और बतारक (बतारकों) और बंतरीरी
(बन्तरीरीताओं) के बीच ऐसे अवतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवतरण निवापत
है वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जवा है—

(क) अवतरण से हुए किसी बाद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में मद्दत
के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी भूमि या अन्य आस्ताया
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यापोजनार्थ
बनायी बायाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था लियाने में सौभाग्य के लिए,

बहुत अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, वी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आस्ताया, वर्णित है—

(1) केनाथ नाथ एंड एसोसिएट्स 1006, कंच जंगा
18, वाराणसी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) कर्तल इन्दर बीर मिह बाबा मिसेस मनप्रा एंड
सोनिया बाबा 1365, सेक्टर, 33-सी, चण्डी-
गढ़।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वान्त सम्बित के बर्बन के लिए
कार्यवाहीया बहु करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक वर्षों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू-
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी या
पाव सिद्धि में किए जा सकेंगे।

निम्नलिखित :—इसमें प्रथम छाती और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन 20-व व अधिनियम
है, वही अर्थ द्वारा जो अधीन में दिया
गया है।

बन्दूची

स्पेशन नं० 10, तादादी 500 वर्ग फीट 1 कमर्शियल
विलिंग अरुणाचल, 19, वाराणसी रोड, नई दिल्ली।

जगदीश मित्र,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 20-8-1986

मोहर :

प्रस्तुप वाई. टी. एम्. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आपार्टमेंट, संस्थायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3, 37ई०/2-86/
2778/8—अतः मस्ते, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० है नथा जो स्पेश नं० 9, 17,
बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय आयुक्त अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्री इण्ड अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यापार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यापार प्रतिफल से, एसे व्यापार प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि का अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरीती इवाग प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्य
के लिए;

(1) गुज्राल एस्टेट प्रा० लि० 17, बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भूषण धवन देविन्दर धवन एंड निर्माण
धवन, 910, प्रकाश दीप, 7, दालस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरीती)

(3) अन्तरिती

(वह अकित जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मामले में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोलिस्ताभरी के पास
निवारण में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
वहीं हर्दि होता, जो उन अध्याय में दिया गया
था वह है।

अनुसूची

स्ट्रेंग नं० 9, 11वां अंड गविन्य बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली। (मुपर 705 वर्ग फीट)।

जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-276 GI/86

तारीख : 20-8-1986
मोहर :

प्रस्तुप्र आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) सनाजी द्रुष्ट, 18, फिल रोड, लाजपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) गवालियर रायन सिल्क मैन्युफैक्चर वीविंग
लिमिडो पंजीकृत कार्यालय पोस्ट आफिस
विरलाप्राम, नागदा (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरक)

भरत मन्त्रालय

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली।

नई दिल्ली दिनांक 20 अगस्त 1986

निवेदन मं० आई० ए० मी०/ग्रंथ०/३/३७-ई०/२-८६/२७६८/
9—अतः मुझे, जगदीश मित्र निरीक्षीय महायक आयकर
आयकर रेज-3,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकारात्मक प्राधिकारी को यह विद्वास करने का
कारण है कि इस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० है नथा जो तीमग खंड, बल्ड
ट्रेड सेंटर बाराखम्बा रोड लेन में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अन्मूली में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के लार्यानिय, निरीक्षीय महायक आयकर आयकर
रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986।कां पर्याकृत मम्पति ने उचित इकाय मन्य स कम से इयमान
प्रतिक्रिया के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि इसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
जसअं इयमान प्रतिफल भै, । ऐसे इयमान इसफल का एन्ड
प्रतिक्रिया ये अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
इन्हें निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर भूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;(7) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।उपरोक्त रूप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबल
अधिनियम के संधारण 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उम्मीद्याय में दिया
गया है।

अन्मूली

(8) अन्मूली में हृदृ किसी वाय की इयम, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरान के कानिकल
में अची अन्मी या उम्मी दाने दे याचिका जो निया
और/या(9) अभी तकी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
याचिका के लिए;तादादी 1383 वर्ग फिट, 1 तीमग खंड, बल्ड ट्रेड
सेंटर बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली निर्माणाधीन।जगदीश मित्र
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
पर्वत रेज-3 दिल्ली, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 20-8-86
मोहर :

प्रैरुप बाहौदी.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1986
सं. आई० ए० सी०/एम्पू/३/३७ है०/२-८६/२८८०/

10:— अन् जगदीश मित्र, सहायक आयकर आयुक्त रेज-3,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
ग्रांग जिसकी संख्या है तथा जो तीसरा खण्ड, वल्ड
ट्रैड सेंटर पाराखम्बा रम्पुन में स्थित है ग्रांग इसके उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व स्थप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, निरोक्षोय सहायक अयकर आयुक्त रेज-3,
नई दिल्ली में भारतीय परिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के
अधीन, भारतीय फरवरी, 1986

के पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और यह यह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिकल से, ऐसे छयमान प्रतिकल या
वैश्व अतिकाश से अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और बंतरिती
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय वाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त बन्तरण मिलित में वास्तविक
मूल्य से कमित नहीं किया गया है:—

(अ) बंतरण से है० किसी वाय की वाष्ट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के बन्तरण के
वास्तविक में कमी करने वा उक्त बन्तरण में कमित
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी अन्य वायमानियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ
बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
वाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत्त वर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के बन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सताजो द्रूष्ट,
18, फिंग रोड, नायपत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. दि इण्डियन ग्रायन कार्पोरेशन लि०।
पंजीकृत, कार्यालय, जुगाध बरबेस रोड,
बरबेल-362266 (गुजरात)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियां कर करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
कियों अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकर्ता के पार
निलंबित में किए जा मिलें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ उन्होंना, जो उप अध्याय 5-वाय
में दिया है:

अनुसूची

तादादी 1383, वर्ग फीट, 1 तीसरा खम्ब, वर्ष द्वेष
सेंटर, बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली निम्नणाधीन।

जगदीश मित्र,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज-3 दिल्ली

दिनांक: 20-8-86

मोहर:

प्रृष्ठ आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त, 1986

सं. आई. ए. सी. ०/एम्यू/३/३७८६/२-८६/२७६५/११:-

अतः मझे, जगदीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो बल्ड ट्रैड मेंटर, बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें पूर्व
उपाखड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-३, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 नई दिल्ली के अधीन तारीख फरवरी,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित स्थृदेश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बावजूद, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बहुः बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, और, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक :—

१। सटाजो ट्रस्ट,
१८, रिं रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२। मै० हिन्दुस्तान एल्यूमिनियम कॉर्पोरेशन लि०,
पंजीकृत कार्यालय सनेटो भवन,
डा० अब्दी बसन्त रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अमृसूर्ये

तारादी 1383 बर्ग फिट, तिसरी मंजिल, बल्ड ट्रैड
सेंटर, बाराखम्बा लेन, नई दिल्ली।

जगदी मित्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-३, दिल्ली

दिनांक : 20-8-1986

मोहर :

संस्कृत वाचक् दी.एस.इल.

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प 11) के अधीन सचना
भारत बालार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त, 1986

मं. आई० प० सी०/एस्य०/3/37ई०/3-86/2865/12:-

अतः मुझे, जगदीश मित्र,

बालार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवेद इसमें
इसके परामर्श 'अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-प के अधीन सचना प्राधिकारी को यह विस्तार उत्तर का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्ता उचित बालार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या है तथा जो 606, 21, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (आरे इसमें उपावड़ यानुसूची
में पूर्व रूप में दर्ज है), रजिस्ट्रीदर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) रोज़-3, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बालार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मूल्य यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बालार
मूल्य, उत्तर के इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बांतरक (बांतरक) और बांतरिती
(अन्तरितियों) की दीप ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया याता
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विवित हैं
उद्देश्य एवं प्रक्रिया नहाने किया गया है :—

(क) अस्तरण से हटा किसी बाल की बालक, उन्हें
निम्नलिखित के अन्तर वर्ते के स्थावर की
विवित वर्ते की बाल के स्थावर के उचित
के लिए बार/वा

(ख) एवं किसी बाल का विवी खम का अन्य आस्तरण
का, जिसे भारतीय बाल-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, का
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रक्रियार्थ अस्तरणी हास्तरण प्रक्रिया है किसा
बाल का जो किसी बाल का वर्ती वा, जिसने उसे
सुनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. उपा धीरज एण्ड एम० पी० डी० एसोसियेटेस प्रा० लि
ए-1/8, सफदरगंग एनक्लेब,
नई दिल्ली-29।

(अन्तरक)

2. श्री एस० पी० नागपाल प्रेम नागपाल
मिस्टर मूरेश नागपाल, रानी नागपाल,
108, डबल स्टोरी न्यू राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सचना बारी बर्द्दे पूर्वोत्तर इमारित के वर्तन के लिए
कार्यकारियां करता है।

सचना इमारित के वर्तन के लिए ये कार्य ही बालार :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बव्यधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

यानुसूची

500 वर्ग फीट, निर्माणाधीन बिल्डिंग नं. 21, बारा
खम्बा रोड नई दिल्ली छठवा खंड फ्लट नं. 606

जगदीश मित्र,
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रोज़ 3, दिल्ली,

दिनांक : 20-8-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त, 1986

सं० आई० ए० सी०/एम०/३/३७६८/३--८६/२८५१/१३:-

अतः मुझे, जगदीश मित्र,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 11.8-वार्षिक सम्पत्ति उत्तरण करने का उत्तरण है कि स्थावर अपार्टमेंट, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर इसकी मांग है तथा जो फ्लैट नं० 619, 21, बाराखम्बा रोड में स्थित है (ओर इसमें उपाध्यक्ष अनु मुच्ची में पूर्व रूप देव विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का उत्तरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुप्रतिष्ठित से अधिक है ओर अंतरण (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविध में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण है हूर्दे छिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अवैध बाबत देव के अंतरण से विविध रूप से सुनिश्च देव दिए;

(ख) एसी दिल्ली बाय दा दिल्ली भग दा बन्द बासिल्लो औ, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजार्द अंतरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया दा दा किया गया बायहए था, छिसाने में सुनिश्च देव दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असौं :—

१। श्री बम्मी धर एण्ड तिलक धर,
२८, सरकार पटेल मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२। मिसेन सुमन ठंसी धर उवर्सी तिनक एण्ड कस्ता श्री राम
२८, सरदार पटेल रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइ भी जाक्षणें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवैध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर भूमिका की तारीख से 30 दिन की अवैध, जो भी अवैध बाब वा समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी वा पास लिपिचित भए किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रबुक्त वस्तो द्वारा पदों का, जो उक्त अधिनियम द्वाया 20-क में परिवर्तित हुए, कही वर्ष हुआ था उस अधाव में दिया गया है।

राइट इन फ्लैट नं० 619, निम्नांधीन एलाट नं० 21, बी० के० रोड, (बाराखम्बा रोड), नई दिल्ली।

बम्मी

जगदीश मित्र,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज 3, दिल्ली

तारीख : 20-8-1986
मोहर :

प्रस्तुत वार्षिकी, प्रस्तुत, एवं

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-प (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यापकर व्यापकता (महालक्षण)

अर्जन रेज 3 फिल्मी

दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त, 1986

सं० आई० ए० सी०/एक्य/3/37ई०/3-86/2844/14:-

अतः मङ्गे, जगदीश मित्र,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी भारा-
269-के अधीन सक्रम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अंधक है

और जिनकी मंख्या है तथा जो 104, एम-3, कनाट पलेश, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मध्येत्र आयकर आयुक्त निरीक्षण) रोड-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर रजिस्ट्रीकरण अधिकारीम्, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्धु-प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अंतरिरकी (अंतरिराशि) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद, आयकर अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को शायदित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: गारंटी

(४) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आविष्टारों को, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, माध्यम से धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा छिपाने में संविधान के लिए;

वक्तः मह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री आर्द्ध० प्रस० बजार एण्ड
बृहण ग्रन्थप मखीजा,
१११५, मोतिया खान, ओटीजिट
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२० श्री सैदा खातून श्रीमती सुलाला
मास्टर मोहर्णिन अफताब,
श्रीमती सूलाला बेहम एण्ड क्लमर युसफ
पृ-१६, हौजखाम,
नई दिल्ली-१६।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करने पर्वतिन मण्डल के अंतर्गत है, लेकिन कार्यवाहियां करता है।

छक्का सम्बन्धि के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृष्ठेक्रम व्यक्तियों में भी किसी व्यक्तिके दबावा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल विबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

200

फ्लैट नं० 103, ए० बो० भी भवन, एम-3, कनाटक
पलेस, सर्केम, नई दिल्ली।

रागदीश मित्र,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज 3, दिल्ली

दिनांक : 20-8-1986
मोहर :

मुख्य माइक्रो टी. एन. एच.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
वाच्य 269-व (1) के विवर सूचना

वायकर संसद

काशीमध्य, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1986

तिर्णेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू/3/37ई०/3-86/2838-
15—अत मुझे, जगदीश मित्र,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर याप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी संख्या स्पेश नं० 4, है तथा जो 28,
बाराखम्बा रोड में स्थित है और इसमें उपावद अनुसूची में
पुर्व रूप से वरिष्ठ है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेज-3, नई दिल्ली-1
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, नारीख मार्च 1986।

को एक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लियापात्र
प्रतिष्ठित के लिय अन्वारित की गई है किंतु वह लियापात्र
करने का कारण है कि बचावूद्धक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इकाइयों प्रतिफल से, ऐसे लियापात्र प्रतिफल का
न्युन प्रतिष्ठित में अधिक है और अंतरक (अंतराम्भ) और अंतरिक्ष (अंतराम्भियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तब पाया गया
प्रतिष्ठित विविहित उपायों से उचित बाजार मूल्य लियापात्र में
कार्यालय रूप से कीपत नहीं किया जाता है ॥

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कभी बताने का उचित बाबत में दृष्टिधा-

(ग) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वासियों
को, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) का उच्च अधिनियम, वा
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्वारित उचारा प्रकट नहीं किया
जाता या या किया जाता जाता जाता है या, कियाने में
संविधा के लिय;

अतः इस उक्त अधिनियम, की भाग 269-व के अन्वारक
में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की जापाना (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपाल दाम एस्टेट एण्ड ड्रेजिंग प्रा० लि,
23, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2° मिसेस जनक रानी भल्ला
मिसेस पापीता भल्ला मिसेत हरजिंद्र भल्ला
मिसेस आशा भल्ला
डायरेक्टर मैसर्स भल्ला प्रांटप्रोडजिंग प्रा० लिमि०,
119, जोर बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके एक सम्पत्ति के बजाए वे निय
वापराद्वयों करता है।

बजाए इन्विटेशन वे बजाए वे लोहे वे बजाए—

(क) इह सूचना के उपरान्त वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि वा भी
लग्तीय तारीख से लग्तीय होती है, वे भीतर एकौनम
व्यक्तियों वे वे वे व्यक्ति व्यक्ति इकाय;

(ग) इह सूचना के उपरान्त वे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हितन्वध
विद्वान् वे विद्वान् वा तारीख से विद्वान्

स्थावरकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

लग्तीय

स्पेश नं० 4, पांचवां छण्ड डा० गोपाल दास भवन, 28,
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1 सूपर प्रिन्या 692 बगैर
फोटो।

जगदीश मित्र,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 20-8-1986

मोक्षिर: ३

प्रस्तुत चाहौ.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के वधीन सूचना

भारत दरकार

वार्षिक भारतीय आयकर आयकर (विवरण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1986

निर्देश मं.आई.ए.० सी०/एक्यू/२/३७६६६३-८६/११०६/

15-ए—अतः मुझे, जगदीश मित्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के वधीन सथाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिवकी संख्या 1101 है तथा जो आगा दीप
बिल्डिंग, 9, हैली रोड में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में अधिनियम 1961
मार्च, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल का नियम बनायी रखने की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत तक अधिक है और बनायी रखने के बाद भी अन्तर
पांच वर्षों के अन्तराल से उसका अन्तराल
नियमित रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने के बातक के विविध
में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के बिए;
और/या

(ओ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
व्योगार्थ बंदरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
है निए;

मह: यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसार
है, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
में स्पष्ट निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—276 GI/86

1. श्रीमती हरकौर पत्नी मेहर सिंह,
नानक वाडा, पों श्री खासा काविज़,
अमृतगढ़ पंजाब।

(अन्तरक)

2. बेलिकन इनवेस्टमेंट एण्ड निकिंग
एन-25 ए, कनाट मर्क्स,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के बिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एवं
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब ते समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के बाब
नियमित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के वधीन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

1101, आगा दीप बिल्डिंग, 9 हैली रोड,
नई दिल्ली।

जगदीश मित्र,
ग्राम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 20-8-1986

मोहूर :

प्रस्तुप नाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 अगस्त, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/27628न्स-85-86— अतः मुझे,
एन० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का मिसासा, जिसवा सर्व० नं०
315, एच० नं० 1, गर्व० सं० 316, पृच० नं० 1 ए
(अठण), जो, मुलांड (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपावन अनुसूची में और पुर्ण रूप में दर्शित है), और जिसका
कारण आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पौर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ठे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

१। श्री मनोहर लाल के० गुप्ता और अन्य।

(अन्तरक)

२। मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 11२४ से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति इ. रेतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :— इसमें प्रयोक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्व० सं० 315, एस० नं०
1, सर्व० नं० 316, पृच० नं० 1 ए, (अठण), जो मुलांड
(प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37ई/27628/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एन० अहमद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 19-8-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त, 1986

मं. आई-1/37ई/6980/85-86:—अतः मुझे, निसार

अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिहे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिव बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 12, जो, 1ली मंजिल, ब्लाक
नं. ५, महरीना इमारत, आफ नेपियन सी रोड, बम्बई
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सकाम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 17-1-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तिव बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिव सकाम
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से, ऐसे इष्यमान प्रतिकल के
पश्चात् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतर-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल विभिन्निकृत उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित से
गास्त्रिक रूप से किया गया है ।—

(१) अंतरण से हुए कियी गयी वाय की वायड, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(२) ऐसी कियी गयी वाय वा कियी गयी वाय वास्तुओं
को, जिन्हे आरतीय आव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोगनार्थ बन्तारिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में कृतिभा
सीता के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
(१) के अधीन, विभिन्निकृत अधिकृतों, अभीतः :—

१. मैसर्स नेटसिन इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ।

(अम्तरक)

२. कैप्टन अरुण बी० कायकर ।

(अन्तरिती)

३. अन्तरिती आर० श्री बी० कायकर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिक्षेप
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां चल लेता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की संवेदन में कोइँ भी वापर प्र—

(१) इह सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या उत्तराधीन अविकल्पों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त
अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा;

(२) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी वन्दे अविकल्प द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव
निवित में किए जा सकते ।

तर्जौकरण:—इसमें प्रदूषक उच्चों और वर्दों का वा उच्च
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्त होगा, जो उच्च अध्याय वे दिया
गया है ।

बदूचूरी

फ्लैट नं. 12, जो, 1ली मंजिल, ब्लाक नं. ५, महरीना
इमारत, प्लाट नं. सी-५१, आफ नेपियन सी० रोड, बम्बई
में स्थित है ।

अनुसुचो जैसा कि क सं. आई-1/37ई/9145/85-
86 और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निगार अहमद,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, बम्बई

दिनांक: १-९-१९८६

मोहर:

प्रमुख वार्ड दी.एन.एस. ——८७

1. श्री जे० प्रकाश,

(अन्तरक)

कानूनी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० कुमार एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत आदेश

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त, 1986

सं० अई-१/३७ई/९३७४/८५-८६—अत मूल्य, निसार
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आवश्यक है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कमरा नं० 1614, जो, 15वीं मंजिल
प्रसाद चैम्बर्स, आपरा हाउस, बम्बई-४ में स्थित है (और
इससे उत्तरद अनुसुचि में आंतर पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा
269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस०
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एस० अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अद्वैत से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उसके बढ़ वे सूचिता
के लिए; और/वा

(ख) एस० किसी आद का लिखी था वा नव्य बासितों
को, जिन्हे भारतीय आद-कर अधीन दर्या, 19
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपने में सूचिता
के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मैं यह सूचना बारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी जानकारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संघीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वे
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपार्हस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 1514 जो, 15वीं मंजिल, प्रसाद चैम्बर्स,
आपरा हाउस, बम्बई-४ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-१/३७ई/८८४६/८५-
८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (नियंत्रण)
अर्जन रेज-२, बम्बई

दिनांक: 9-9-1986
मोहर

ब्रह्म बाई० ए० प० प०

**जातीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मिस्रमध्य 1986

सं० प्र०-1/37ई०/9382/85-86:—ग्रन्त: मृ०, निमार

अहमद,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 7, सी० ए० नं० 486,
बम्बे रेकलमेंशन इस्टेट, इमारत सी लैन्ड के साथ, जो, कुलाबा
कफ परेड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसुची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 7-1-1986

अपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ष
(अंतरिक्षों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अंतरण सिद्धित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण न है किसी आय की बाबू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्जे के अंतरक के
शायत्त्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
नहीं। अर्थात् आर/शा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय बाजार प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
नहीं।

अतः आम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरणी
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमी अर्जेशिर कोहीयार आर० बी० बी० मिस्त्री
(अन्तरक)

2. श्रीमती फातमा भकारीया,

श्रीमती गौला होरोनबोज्ज,

श्रीमती वचा रस्तम वाडिया,

श्री रस्तम बी० वाडिया, भारत पेट्रोलियम,

श्री अमीरग्रली गाव, श्रीमती महानिराव जी
श्री रियाज राव जी, श्री शब्दीर रावजी,
खुरशैद ए० ए० बिलिमोरीया,
श्री पी० ए० बिलिमारीया,
डा० (श्रीमती) गुलए कोहीयार,
श्री रकबाल छागला और
श्रीमती रोशन लाल छागला।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिक्षों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के बदलने के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के दायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णपूर्ण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना द्वे दायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाल
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्थावरस्तर :——इसके प्रबन्ध संक्षो और पदों का, वा उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभ्रान्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, जिसका सी० ए० नं० 486, कुलाबा
डिविजन ब्लाक 5, बम्बे रेकलमेंशन इस्टेट इमारत सि लैन्ड
के पाथ, जो, कुलाबा, कफ परेड, बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैमाकी अ० सं० प्र०-1/37-ई०/88-54/85-86
और जो नाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमा० अहमद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, बम्बई

तारीख : 12-9-1986

घोषणा :

प्रस्तुत आईटी.एन.एस.-----

(1) उत्तरभजनसिंग जे. खुराना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मोहमद इब्राहीम झवेरी और रविया मोहमद
झवेरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकान (निरीक्षण)

(4) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मितम्बर 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/9385/85-86—अत. मुझे,
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो, आंफ वार्डन,
रोड (अब भूताभाई देशाई रोड, सी०ए०स० नं० 699
मलबार और खंबाला हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है
(और इसके उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त सम्पत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त सर्वों और पर्यावरण को जो उक्त अधिक
निवेश के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
वर्ष होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

बन्धुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जो, आंफ वार्डन रोड (अब
भूताभाई देशाई रोड), एवं जिसका नं० सं० एस०
699, मलबार और खंबाला हिल डिविजन, बम्बई में
स्थित है।

अनुसुची जैसाकि अ०स० अई-1/37-ईई/8857/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकान (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में वे उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारार (1)
के अन्तरण में निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाद् —

उच्च वादः दी. एव. एस. १९८६

(1) मेसर्स निलम इस्टेट्स् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन उत्तर

(2) श्री किरीट ठक्कर, मनिंग बी. ठक्कर और
श्री तानमेन वि. ठक्कर।

(अन्तरिती)

जाह्नवी सरकार

आयकर, उच्चायक आयकर आयकर अधिनियम)

अर्जुन ज-1 वर्ष

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ई/9401/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
उत्तराधीन 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थायक सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार वर्त
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. यूनिट नं. 201, जो, 2री मंजिल,
ए-विंग, सविस इंडस्ट्रियल इस्टेट, हिंद सायकल रोड, अंडंज,
गोपाल नगर, शोपडपट्टी, वरली, बम्बई-18 में स्थित है
(ओर इसमें उपावद्व अनुसुची में और पुणे रूप से वर्णित
है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 का, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-
धिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 3 जनवरी
1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार वर्त से काम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित वाचार वर्त, उसके अवधार स्पष्टिक है, ऐसे अवधार
अधिनियम का पूर्वोक्त से अधिक है कारु अवधार (वर्तरखा)
और अन्तरिती (वर्तरितियाँ) के बीच हैं से अवधार के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी वाय की वाचार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कामी करने का उससे बचने में संविभा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वार्तियों
से विन्हृ भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या
उच्च-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट महीं किया
क्या वा या किया जाना चाहिए वा कियाने से हृदिता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपरांत (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह सूचना चाही करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के उद्देश्य में कोई भी वाक्य नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा स्थायिकी अन्तिमी वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना वे राजपत्र वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायक सम्पत्ति भी हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पात्र सिद्धित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं. 201, जो, 2री मंजिल, ए-विंग, सविस
इंडस्ट्रियल इस्टेट, हिंद सायकल रोड, एण्ड गोपाल नगर,
शोपडपट्टी, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसुची जैमाकी श्र. सं. अई-1/37-ई/8873/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रकल्प बाहर की टी., पृष्ठ : पृष्ठ : ---

ग्रामपाल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन दस्ता

ग्रामपाल

ग्रामपाल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नितम्बवर 1986

निदेशक सं० अई-1/37-ई/9403/85-86—अतः मुझे
निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पालक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 917, जो, 9वीं मंजिल
दालामल टांवर, 211, नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित
है (प्रीर इसमें उपावद्ध अनुसुची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिसका करारनाभा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क्र.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कागिलिय में रजीस्ट्री है, दिनांक 3-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिकरण से अधिक है और अंतरक (बंतरकी) और अंतरिती
(बंतरीतियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण के हाई किलों वाले वर्षे बाजार, सक्षम
अधिनियम के अधीन कर दर्दे वी अंतरक वी
दावित वी की करने का उसने बजारे वी सूचिया
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर आयानियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या जिस जाय या किसी धन, 120/- रु. अंतरण
के लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मन्त्री मूलतंद्र दयनामल एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री दामपक थांक, (मालक-कविम रिअन इस्टेट्स)
(अन्तरिता)

(3) अन्तरिता।

(यह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

मैं यह दस्ता आठी करके पूर्वोक्त संघीय के बर्द्द के लिए
कार्यवाहीयां शुल्क करता हूँ।

दस्ता उम्मीद के बजान के सम्बन्ध में कोई नो आक्रम।

(क) इस दस्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
दस्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस दस्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
दिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं० 917, जो, 9वीं मंजिल, दालामल टांवर,
211, नरीमन पांडट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी ऋ०स० अई-1/37-ई/8875/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया र।

निमार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-9-86

मोहर :

इस्यु नं. ८८/१३७६५/१४०५/८५-८६—अन्तरक—

(1) विजय कुमार मखिजा (हि०अ०क०)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मित्तम्बर 1986

निर्देश सं. अई-1/37६५/१४०५/८५-८६—अन्तरक मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 202, जो, 22ी मंजिल,
अक्षर मुद्रक इंडस्ट्रियल यूनिट्स् सहकारी प्रिमायरेस नि०,
42, जी०डी० अंडेकर मार्ग, बम्बई-31 में स्थित है (और
इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 03-01-86
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिक्षेप से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के दीव ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया पाया प्रतिनिधि,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित वे वास्तविक
प्रक्रम में अधिन रहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त व्यक्ति-
निवास के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जस. अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—276 G1/86

(2) मेसर्स देसाई इंटरप्रायसेस इंकं.

(अन्तरक)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त हम्मिल के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

क्षमता हम्मिल के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ द्वारा
की तारीख से 30 दिन की अवधि, यां भी बदौल
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदौल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताकारी या
पात सिसित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं. 202, जो, 22ी मंजिल, अक्षर मुद्रक
इंडस्ट्रियल यूनिट्स् सहकारी प्रिमायरेस नि०, इंडिया
प्रिंटिंग हाउस, 42, जी०डी० अंडेकर मार्ग, बम्बई-31 में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अई-1/37६५/१४०५/८८/७७/८५-८६
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एस. एवं

(1) मेसर्से रेन्बो इंडस्ट्रिज प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 भितम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9437/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधीनीयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकोपश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कायालिय प्रिमायमेस नं० 1408, जो
14वीं मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, आपेगा हाउस, बम्बई-4 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनाभा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कायालिय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-1-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाठ्य गण प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्मित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की जगत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

लाग: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्षात् ॥—

(2) मेसर्से डियालस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के संबंध में कोई बाह्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"कायालिय प्रिमायमेस नं० 1408, जो, 14वीं मंजिल,
प्रसाद चेंबर्स, आपेगा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी श० सं० अई-1/37-ईई/8906/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
कोड भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

वायकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निकेण सं. अई-1/37-ई/9446/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संशोधनिक यूनिट नं. ए-10, जो, तल
माला, रायल इंडस्ट्रियल इस्टेट, नायगांव ओस रोड, बड़ाला,
बम्बई-31 में स्थित है, और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक
6-1-1986को पूर्वोत्तम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधारणा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके अवधारणा प्रतिफल से ऐसे अवधारणा प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा वाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
हैं वास्तविक रूप हे किंवदं नहीं किया गया है ॥—(क) अन्तरण सहूई किसी वाय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
वायपत्र में कभी करन या उसमें वर्णन में लिखा
है लिए; और/या(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन वा अन्य वर्गितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेष्यनाथ
अन्तरिती इवाण शक्त नहीं किया गया था या किया
गया जाहिए था, जिसने में सूचिता नहीं लिए;वदः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अवधारणा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्गितियों, अर्थात् १—

(1) श्री फेलीक्स आरान्हा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्से रेन्बो स्कॉनिंग प्रोसेसिंग प्रायवेट लिं.।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त अन्तरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
वर्गितियों से किसी व्यक्ति द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के
पास लिखित में किए जा रहेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं,
वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

वायपत्र

प्रोशोगिक यूनिट नं. ए-10, जो, तल माला, रायल
इंडस्ट्रियल इस्टेट, नायगांव ओस रोड, बड़ाला, बम्बई-31
में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं. अई-1/37-ई/8915/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बईदिनांक: 10-9-1986
मोहर :

प्रस्तुत बाई, डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए के अधीन सूचना
भारत सरकार

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मितम्बर, 1986

सं० अई-1/37ई/9464/85-86:—अतः मुझे, निसार
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस नं० 202 और
203 मेकर टावर एफ, 20वी मंजिल, बकबे रेक्लमेशन कफ
परेड, बम्बई-5 में स्थित है। (और इससे उपावड्ह अनुसुचि
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
6-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराम
बीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराम प्रतिफल से ऐसे दूसराम प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दस्तावेज से उपर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, इस अधिनियम की धारा 269-ए की बनावट
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सालगांवकर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिंग।
(अन्तरक)
2. मेकर एण्ड पेकर
(अन्तरिती)
3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।
4. बिल्डर्स
(वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ठ
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जापें हैं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 202 और 203, जो 20 वी
मंजिल, मेकर टावर एफ० बकबे रेक्लमेशन कफ परेड, बम्बई
5 में स्थित है।

अनुसुचि जैसा कि क्रं सं० अई-1/37ई/8926/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिनांक: 9-9-1986

मोहर :

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रोज़-2, बम्बई

प्रक्षेप बाई, टी. एव. एव. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) वै अधीन सूचना

भारत राजपत्र

संघायक आयकर आयकत (विवरण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 निम्नवर्ण, 1986

सं० अई-1/37ई/9478/85-86:— अतः मुझे, निसार
अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जौ भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या दुकान नं० 7 जो, तल माला, अशोका
शार्पिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है और
इससे उपावद्ध अनुसुचि में और पूर्ण रूप में दर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 का के अधीन बम्बई मिथ्ये संधान
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-1-1986
के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. पूरी कन्स्ट्रक्शन (ब्राम्बे) प्राइवेट लिंग।

(अंतरक)

2. श्री रश्मीकांत आर० सोलंकी श्रीरं
हंसा आर० सोलंकी।

(अंतरिती)

जो वह सूचना आरी करनी पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों ग्रह करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वमन्त्वी व्यक्तियों पर उक्त सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, तल माला, अशोका शार्पिंग सेन्टर,
एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसुचि जैसा कि उक्त सं० अई-1/37ई/8941/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
संघायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, बम्बई

दिनांक : 9-9-1986

मोहृषि :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रमुख विभाग, दी.एल.एड., नियन्त्रण विभाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के बरीच सूचना

विभाग उत्तरण

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूराण (नियन्त्रण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्रभर, 1986

नियंत्रण सं० अई-1/37ई/9493/85-86— अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिवे इवर्हे’
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा या है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
मार्ग है कि स्थावर संपत्ति, विश्वास उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 14, जो, तल माला, अशोका
शार्पिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है और
इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 के खंड के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम है इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, एक सम्भाल प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बम्बारण
निम्निति वे दास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) बम्बारण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बरीच कर देवे के बल्लक वे
विवित वे क्षमी करने या उक्त वे बरीच वे तृप्तियों
के रूपमें बोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने परे
होन्या वे विषय;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैं० पूरी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लिं०।
(अन्तरक)

2. निला पी० तोलाट, प्रकाश पी० तोलाट
आर० पारवी पी० तोलाट।
(अन्तरिती)

वे वे सूचना बारी बर्बाद पूर्वोक्त सम्बिल वे बर्बाद वे लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

बर्बाद सम्बिल वे बर्बाद वे कोई वी बालोर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या उत्तरवाची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थानहु संपत्ति में हितकड़ु
किसी अन्य व्यक्ति इकारा वभोहस्ताक्षरी के बाब
लिखित में किए जा सकें।

स्थानकरण—इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्र
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14, जो, तलमाला, अशोका शार्पिंग सेन्टर,
एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र सं० अई-1/37ई/8956/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
6-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त नियन्त्रण
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 9-9-1986

मोहर:

सम्बन्धीय विषय समिति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की
धारा 269-व (1) के अधीन दृष्टना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्रम् बर 1986

सं. अई-1/37ई/9500/85-86— अतः मुझे, निसार
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फलण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. 16 ए, जो, शहनाम इमारत,
नेपियनसी को० आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 90, नेपियनसी
रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित-
सक्षम प्राधिकारी, के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 7
जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यापक
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संघीत का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यापक
प्रतिफल से, इसे अव्यापक प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तर द्वारा किसी बात की वापसी, अव्यापक
विधिविवरण के अधीन कर दी जी वापसी की
वापसी के बाबत वापसी करने से वापसी
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी भन वा अन्य वास्तवियों
को विन्दू भारतीय बाज़-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त विधिविवरण, या
बाज़-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावेशार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना आविह वा, जिसमें में
त्रिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन द्वारा :

1. स्ट्रा प्रोडक्ट्स लिमिटेड।
(अन्तरक)
2. श्री सत्यपाल जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन,
श्रीमती रमती देवी जैन, श्री आनन्द जैन,
श्री सत्यपाल जैन (मास्टर गौरव जैन के पालक)
(अन्तरिती)
3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्मति है)।

को यह दृष्टना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए यह भी आवधि :—

- (क) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
कूप किसी अव्यापक व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के
बाद विवित में किए जा सकें।

लक्षण :—इसमें प्रथम शब्दों और उसके के अधिनियम के व्याय 20-क में पैरभाविष्य
है, वही अर्थ होगा जो व्याय व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 16-ए, जो, शहनाम इमारत, नेपियन सी
को० आप० हाउसिंग सोमायटी, लि०, 90, नेपियन सी
रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अं सं. अई-1/37ई/8961/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, बम्बई

दिनांक : 9-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाई टी. एम. एल. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन संघर्ष

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मितम्बर 1986

सं० अई-1/37ई/9502/85-86— अनै॒ शुक्र॑, निमा र
 अहमद,
 बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
 269-ए के अधीन संघर्ष प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
 कारण है कि बाबकर अधिनियम, जिसका उचित बाबकर भव्य
 1,00,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या दुकान नं० 3, जो, तल माला, अशोका
 शार्पिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ओर
 इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
 धारा 269 के खि, के अधीन बम्बई स्थित संघर्ष प्राधिकारी
 के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1986
 के पूर्वोक्त संघर्ष के उचित बाजार भव्य से कम के अवधारण
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृते वह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वक संघर्ष का उचित बाजार
 भव्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, एवं अवधारण प्रतिफल का
 ऐसा ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
 (अन्तरितियाँ) के बीच एवं अन्तरण के लिए तब जाया जाना प्रति-
 कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब का बाबठ, उक्त
 अधिनियम के अधीन बाब देने के अनुसरक अ-
 अधिकारी में कमी करने या उससे दूरने में सुधारा
 जा लिया जाएगा।

(ख) किसी किसी बाब का किसी बाब का अस्तित्व को, किसी भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की जपथारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बाबौद।

- 1. मैं पूरी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लिंग।
 (अन्तर्गत)
- 2. श्री एन० एल० मेहेना।
 (अनन्तरिती)

जैसे वह सूचना आदी करने पूर्वोक्त संघर्ष के अर्जन के लिए
 काम्बोडिया जाता है :

उक्त संघर्ष में अर्जन के संघर्ष वा काई भी जाकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या उत्तराधी अविकल्पों पर
 सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
 उद्दिष्ट बाब में संभाल हाती है, के भोतर पूर्वोक्त
 संघर्षकों में भी अन्तरित घटारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर अभाव अन्तरित घटारा अधोग्रहण
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोग्रहणकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यवाचकः—इसे प्रदत्त दस्ते और वह जा, जो इसका
 अधिनियम, वे अन्तर 20-ए वे परिवाचन
 है, वही वर्ष छोड़ा जाए उस वर्षाद में दिया
 जाए है॥

प्रनसूची

दुकान नं० 3, जो, तल माला, अशोका शार्पिंग सेन्टर,
 एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/8962/85-
 86 और जो संघर्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-
 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार अहमद
 संघर्ष प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-9-1986
 मोहर।

प्रस्तुप बाणी, दी. एल. एल. ——प्रस्तुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

काशीनाथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/9503/85-86 —अंतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिंड इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मञ्चना दुकान नं० 4, जो, तल माला, अशोका
शापिंग सेन्टर, एल० टॉ० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (और
इसपे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारानामा आयुक्त अधिनियम, 1961 की
धारा 269 के खंड के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 7-1-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. पूरी कत्सुक्षण (बाम्बे) प्रा० लिं०
(अन्तरक)
2. श्री एन० एल० मेहता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त विधिवाली के वर्तन के बिए
कार्यवाहीयों के पास है।

उक्त विधिवाली के वर्तन के बाबन में कोई भी बावजूदः—

- (क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बंधीन या उक्त अधिनियम के प्रति
सूचना की तारीख से 30 दिन की बंधीन, जो भी
कमी वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
विधिवाली के बिए किसी अधिकता द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी बन्ध अधिकता द्वारा अधोहस्ताक्षरी या पास
प्राप्तिकरण में किए जा सकेंगे।

प्राप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, तल माला, अशोका शापिंग सेन्टर
एल० टॉ० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/8963/85
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-
86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

वस्तु वच, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

10—276 GI/86

दिनांक : 9-9-1986

मोहर :

प्रक्षय आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वी

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायाकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/9504/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 5, जो, तल माला, अशोका शापिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ओर इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 प, ए के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1986 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब यादा यादा ग्राहित करना, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों वाले, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पूरी कन्स्ट्रूक्शन (बाम्बे) प्रा० लि०।

(अन्तर्क)

2. श्री एन० एल० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कायांहर्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में स्थान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से एकसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्याकृत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि पै जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो तल माला, अशोका शापिंग सेन्टर, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श० सं० अई-1/37ईई/8964/85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 9-9-1986

मोहर:

प्रकृष्ट माइ', टी. एच. एस. -----

(1) पूरी कन्स्ट्रक्शन (बोम्बे) प्राइवेट लिं.

(अन्तरक)

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) एन० एल० मेहता (हि० अ० कु०)

(अन्तरिक्षी)

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आदान-प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निवेद सं० अई 1/37 ई०/9507/85 86—अतः मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
रु. 1,00,000/- से अधिक है

श्रीर जिम्मी सं० दुकान नं० 6, जो, तल माला, अशोका
शॉपिंग सेंटर, एल०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (श्रीर
इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
श्रीर जिम्मी कार्यालया आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 का वा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 7 जनवरी 1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
असंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दिष्ट में
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भव या बन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
वार्ष अन्तरिती इयान प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

लकड़ वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुपती

दुकान नं० 6, जो, तल माला, अशोका शॉपिंग सेंटर,
एल०टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अ०सं० अई-1/37 ई०/8967/85-86
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निवार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भाय 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अजेंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निवेश मं. अई-1/37 ईई/9515/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ((जसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. दुहान नं. 10, जो, तल माला, अशोका
शांपिंग सेंटर, एन०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (और
इससे उपावड अनुसूची में आंर पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 का अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7 जनवरी 1986
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से एसे दृष्टिभाव प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब यथा यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित
में वास्तविक रूप हे कीथित नहीं किया जाया है—

(1) पूरी कन्स्ट्रक्शन (बांग्ले) प्राइवेट लिं।

(अन्तरक)

(2) एन० एल० मेहता फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना का तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से दियाँ व्यक्ति द्वाया;

(ब) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर्याप्त में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(क) अन्तरण वे हुए किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकल्प गयी किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपते में सुविधा के लिए;

दुहान नं. 10, जो, तल माला, अशोका शांपिंग
सेंटर, एन०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अई-1/37 ईई/8976/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अजेंन रेंज-1, बम्बई

उत्त: जा, उक्त अधिनियम की धाय 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धाय 269-व की अन्तराय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा :

तारीख : 9-9-1986

मांहूर :

प्रस्तुत बाइ.टी.एन.एस.-----

आमंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसंबर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/9516/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, तल माला, अशोका
ग्रांपिंग सेटर, एल०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रीष्म
इससे उपादान अनुसूची में ग्रीष्म पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की
भारा 269 का, जो के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-1-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुआ किसी वाय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्व
में अस्ति करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
गौर, आ(घ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पूरी कन्नद्रकगन (बांग्बे) प्राइवेट लिं।
(अन्तरक)
(2) व्रजलाल दें० सोलंकी आर० पुष्पा के० सोलंकी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोइँ भी जाक्षणें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर
की लागत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वास्तवी

दुकान नं० 8, जो, तल माला, अशोका ग्रांपिंग सेटर,
एल०टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित है।अनुसूची जैवाकी अई-1/37-ई/8977/85-86
और जो गतम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986
की रजिस्टर्ड किया गया है।निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-9-1986

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई
दिनांक 10 सितम्बर 1986

फ़िल्म सं० अई-1/37-ई/9525/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्रिमायेस न० 304, जो, 3री मंजिल
काकड़ चेवर्स, 132, ऊं अंतीं बशंट रोड, वरली, बम्बई-18
में है स्थित (ओर इसमें उपादान अनुसूची में श्रीर) पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिनका कारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र्ड है, दिनांक 7-1-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और
इसके यह विषयास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तराय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीभत
नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हृद किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भग या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाएँ अन्ती ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के उत्तराय
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपक्षेत्र (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव—

1. किलोस्कर, इलक्ट्रोक कम्पनी लिमिटेड।
(अंतरक)
2. लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड।
(अन्तरिती)
3. अन्तरितीयों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधीन-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विव-
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसादरी के
पाल निवार में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रिमायेस न० 304, जो, 3री मंजिल, काकड़ चेवर्स,
132, ऊं अंतीं बशंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित
है।

अनुसूची जैगाकी न० सं० अई-1/37-ई/8986/85-86
ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
की धारा 269 घ (1) के अधीन सख्ता

भारत भारत

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 गिंतम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9528/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 105, जो, अभिषेक इमारत,
जी०डी० आंबेकर मार्ग, भोईवाडा, दादर, बम्बई-400 014
में स्थित है (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पुर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 8
जनवरी 1986

का पर्यावरण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरज से हूँ इसी काव्य की वाला, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के वस्तरक के वायित्व
में कभी करने वा उससे बचने में सविधा के लिए;
और/वा

(क) ऐसी किसी काव्य वा किसी धन वा अन्य बास्तवों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती बाबाय प्रवक्त नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहए वा, छिपाने में सविधा
में लिए;

(1) स्काल इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) गुजरात पेट्रोसिन्थेसिस लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वापर नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यों व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वा भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा वाहार वाहारी के तास
लिखित में किए वा सकें।

प्रबंधीकारण :—इसमें प्रदत्त हृष्यों और पढ़ों का, वे उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लेट नं० 105, जो, अभिषेक इमारत, जी०डी०
आंबेकर मार्ग, भोईवाडा, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी श०सं० अई-1/37-ईई/8989/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ता :—

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986
मोहर :

प्रकल्प बाहौद, टै. एल. एस., - ८८ - ८८

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाप
269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, लक्ष्मण आयकर आयकर (निरीक्षण)

बम्बई, अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/9542/85-86—अतः भूमि,
निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-श के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जितकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, 2री मंजिल, गरेज
नं० 1, 258, कैलास भुवन को-शॉप० हाउसिंग सोसायटी
लि०, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है (ओर इसमें
उपांडढ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) ओर
जितका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सूचना प्राधिकारी के
कार्यालय में रखीस्ती है, दिनांक 8 अक्टूबर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अनुस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित द्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन उत्तर के अन्तरकों की अविक्षण
की करने या उससे सूचने में शुल्कधा के नियं
त्रों/या

(ख) एसी लिखी आव या किसी भव या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
की जिस्त

बतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधान (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री पूर्ण सांथानम।

(अन्तरक)

(2) श्री पी०एल० नारायण और श्रीमती राजी
नारायण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित ने कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
धर्मीय बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाब रसम्पत्ति में हितन्दृढ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ लागता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो, 2री मंजिल, ओर गरेज नं० 1,
258, कैलास भुवन कोवशॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अ०स० अई-1/37-ई/9002/85-86
ओर जो सूचना प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सूचना प्राधिकारी
सहयोग आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

महर :

प्रलेप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेगर्स सुप्रिम प्रिमायरीस प्रायवेट लिं.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डावर-इंडियार इम्प।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, लहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मितम्बर 1986

निदेश सं. अई-1/37-ईई/9544/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
गढ़ात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बांगार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. स्टोअर रूम नं. 2, जो, बेसमेंट में
मेकर चैर्च-6, 220, बैंकबे रेक्लमेशन स्कम, नरीमन
पांडट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 8 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण में हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर खेने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए।

अतः ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उच्च अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

11-276 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यालयीय करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के
पास लिखित प्रैंगण जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय गे दिया
गया है।

अनुसूची

स्टोअर रूम नं. 2, जो, बेसमेंट में, मेकर चैर्च-6
प्लॉट नं. 220, बैंकबे रेक्लमेशन स्कम, नरीमन पांडट,
बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकी श्र० सं. अई-1/37-ईई/9004/85-86
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
लहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर ।

प्रकृत नाई, डॉ रमेश लक्ष्मण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर भायकर बायकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्सवर 1986

निवेश मं० अई-1/37-ई/9624/85-86—अतः मुझे,
नियार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० कार्यालय जो, 1ली और मेज्जनिन
फलोअर पर, इमारत-वर्ल्ड ड्रेड मेटर, कुलाबा, कफ परेण्ड,
बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इसमें डपाबड़ अनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कार्यालया
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन
बम्बई नियन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 16 जनवरी 1986

की प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बायप्रॉप्रेट सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके एथमान प्रतिफल से, एसे एथमान प्रतिफल का
पन्हाह व्रतिशत से अधिक है और अंतरंग (वंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारा, वक्त
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक अ
दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बम्ब बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्त अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी बाता जाहिए था जिसमें से
दूरिता नहीं लिया;

अतः अ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मास्टर मार्केट्स (भाजक—श्रीमती बी० ज०
मास्टर)।

(अन्तरक)

(2) माउथन श्रेगवर्णोम मिमेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्मति है)

को यह सूचना आरी करने द्वार्जित सम्पत्ति के प्रति तिल
नायवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आवाय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमान्तरी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर प्रौद्योगिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध प्रियती व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सके।

लक्ष्मण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय जो, 1ली मंजिल और मेज्जनिन फलोअर पर,
इमारत-वर्ल्ड ड्रेड मेटर, कफ परेण्ड, कुलाबा, बम्बई-5 में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०मं० अई-1/37-ई/9059/86
और जो मक्कम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार अहमद
मक्कम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रकल्प नाइटैटी एन एव्ह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 गिंगम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ई/9641/85-86—अन्तः मुद्रा,
नियामन अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

ओर जितकी सं० कार्यालय नं० 511, जो, 5वी मंजिल
दालामल चैर्चर्स, 29, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में
स्थित है (ओर इसने उपाधि अनुसूची में ओर पूर्ण रूप
में दर्णित है) ओर जितका कारानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 16 जनवरी
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थाता :—

- (1) श्रीमती रसिला मनसुखभाई गहा।
(अन्तरक)
(2) जस्मिन होलडीज (प्रायवेट) लिं०।
(तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास प्रदान किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममृत्यु

कार्यालय नं० 511, जो, 5वी मंजिल, दालामल
चैर्चर्स, 29, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।
अनुसूची जैसाकी नं० सं० अई-1/37-ई/9076/85-86
ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निवार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : ०-८-१९८६

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

(1) स्काल इन्हेस्टमेंट्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) प्रथनोर लिमिटेड।

(अन्तरिती)

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9649/85-86—अन्तः मुझे,
निमार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205 और 208, जो, अभिषेक
इमारत, जी० डी० आंबेकर मार्ग, भोईवाडा, दादर, बम्बई-
14 में स्थित है (अंगूर इसमें उपाखड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) आंगूर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक
16 जनवरी 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, नन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या शायित्त
में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए;
वीर/पा(क) पांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी हाई करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

फ्लैट नं० 205 और 208, जो, अभिषेक इमारत,
जी० डी० आंबेकर मार्ग, भोईवाडा, दादर, बम्बई-14 में
स्थित है।अनुसूची जैसाकी अ०सं० अई-1/37-ईई/9082/85-86
अंगूर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।निमार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लाप्ताया (1)
के अधीन, नन्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 10-9-1986

भोहर :

इसमें बहुत दौरे पड़े हैं—

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

मार्गदर्शक

आयोग, विधायक बाबकतु बाबकतु (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निवेदित सं. अई-1/37-ई/9660/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फैलैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, इमारत
नं. 1, कमाना को-ऑप० हाउसिंग सोमायटी लि०, प८०
के० बोले गोड, आगरा बाजार, बम्बई-28 में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16 जनवरी
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छपमान प्रतिफल से, ऐसे छपमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण मिलिं
वा बास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कुछ दर्ते हों अवशुक के
दायित्व में कमी करने वा उपरे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उच्च-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, इस अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुकर जे० वैद्य और श्रीमती हेमलता प८०
वैद्य।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षदकुमार प८० भिमानी और श्रीमती
दमयंती एच० भिमानी।

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियम
कार्यालयितां पूर्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं
45 दिन की अवधि या उसस्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख तं 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बन में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूष किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताकरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने
दिया गया है।

अनुसूची

फैलैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1,
कमाना को-ऑप० हाउसिंग सोमायटी लि०, प८० के० बोले
गोड, आगरा बाजार, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अ०सं. अई-1/37-ई/9092/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 वम्बई

वम्बई, दिनांक 10 निवामर 1986

निवेश सं० अई-1/37-ई/9663/85-86—अतः मुझे,
निभार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ग्रौर जिनको सं० फ्लैट नं० 301, जो, पर्ल सेंटर एस०बी०
मार्ग, दादर, वम्बई-२४ में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावढ
अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप में दर्शा है) ग्रौर जिनका
ठारामा प्राधिकारी अधिनियम, 1961 की धारा 1269
क, ख क ग्रौर अर्जन वम्बई दिनांक प्रतिक्रिया के कार्यालय
में रजोस्ट्रो है, दिनांक 16 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य गहर विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
गहर इतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम द्वारा धारा 269-घ की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अधिक ३—

(1) श्रीमती कमुदा एल० सामंत, कुमारी मंजिरी एल०
सामंत और श्रीमती सुमित्राबाई एस० सामंत।
(अंतरक)

(2) श्री सुरेश सी० मणियार, मेहूल एस० मणियार
(मायामर), पिता श्रीर पालक—एस०सी०
मणियार, आर० दीपक एम० पाठारे।
(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो वरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हुआ जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रौर/या

फैट नं० 301, जो, पर्ल सेंटर, एस०बी० मार्ग;
दादर, वम्बई-२४ में स्थित है।

ग्रौर जैनको क्र० सं० अई-1/37-ई/9095/85-
86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक १५-१-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, वम्बई,

तारीख: 10-९-1986

मोहर:

मुख्य बाइंदू टी० एवं प्र० प्र०

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन वस्तु

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाधकर बाजार वस्तु (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्तव्यर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/9695/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई द्वाके वस्तु के अधीन 'उपचार अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का आदेश है कि इकाई उपचार विवाह का उचित बाजार दृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-२८, जो, मेकर चेवर्स-५, तल माला, २२१, नरीमन पांडट, बम्बई-२१ में स्थित है (और इसमें उपाधार अनुसूची में और पूर्ण सूप में वर्णित है) और जिसका कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इकाई प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास कर दो कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दृश्य, उसके अवधारण प्रतिफल से ऐसे इकाई प्रतिफल का नाह उचित दृश्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक सूप स कार्यत नहीं किया जाता है।—

(क) बम्बई से हृदृष्टि किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य वे कर्त्ता द्वाके द्वाके वस्तु के उचित वायावरी वै लिए; और/वा

(क) एसी किसी बाय या किसी धन या वस्तु वालिक्षण का विनाह भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाधकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वाके प्रायोजनार्थ अन्तरिती इकाई प्रकट गई किया ददा या किया जाता जाहिए था। इकाई में एकिका वै लिखा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत—

(1) मेसर्सं सोंथारीबाला एम्फीटिस्।

(अन्तरक)

(2) गलक प्रभार कंपनी।

(अन्तरक)

(3) अन्तरितायों।

(वह अधिकृत, जिनको अधिकृत भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयितायों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिति प्रवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवृद्धि विली अवधि व्यक्ति इकाई वायावरी के पास निम्नित वै किया जा सकते।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-२८, जो, मेकर चेवर्स-५, तल माला, पांडट नं० २२१, नरीमन पांडट, बम्बई-२१ में स्थित है।

अनुसूची जैगांवी नं० अई-1/37-ई/9125/85-86 और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वाग दिनांक 17-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमाय अहमद
गधम प्राधिकारी
सहायक आयका/ आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाणिज्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्रवार 1986

निदेश सं० अई-1/37 है/9696/85-86—अतः मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-1, जो तल माला, भेकर चैर्चर्म-5, 221, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21, में स्थित है (श्रीर डिसमें उपाधि अनुसूची में श्रीर पूर्ण लूप में दर्शित है) श्रीर जिसका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है, दिनांक 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर्भूती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बता उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती डंडीरा एस० शेट्टी।

(अन्तरक)

(2) गल्फ एथर कंपनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-1, जो, तल माला, चैर्चर्म-मी, 221, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०म० अई-1/37-है/7126/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डाग दिनांक 17-1-1986 को रजिस्टर किया गया है।

निमार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मिनम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/9697/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-२बी, जो,
मेकर चेवर्स-५, तल माला, 221, नरीमन पाइट, बम्बई-२१
में स्थित है (ओर इससे उपायद अनुसूची में ओर पूर्ण
रूप में अर्णन है) ओर जिसका कागजनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजारदी है, दिनांक 17
जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यग्रन्थ प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विरचित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की छापत, उधत
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) हेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—276 GI/86

(1) अद्युत लादर ए० लतिफ और अद्युल गफार
ए० लतिफ, (द्रष्टव्य और अद्युल लतिफ
फैमिली ट्रस्ट)।

(अन्तरक)

(2) गल्फ एजर कंपनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाईयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भी समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिया गया है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"कार्यालय प्रिमायमेस नं० जी-२बी, जो, मेकर चेवर्स-५,
तल माला, 221, नरीमन पाइट, बम्बई-२१ में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अ०सं० अई-1/37-ईई/7127/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1:
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रकल्प बाइंस टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सामाजिक उत्तराधिकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितम्बर 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/9698/85-86--अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अवलम्बन है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य स्टोअर-लूम, जो, मेकर चेंबर-5, बसमेंट
लेवल, प्लॉट नं० 221, नरीमन पांडेट, बम्बई-21 में स्थित
है (प्रौढ़ इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 जनवरी
1986

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिहजत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
पिंडी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज सिद्धित
में वास्तविक रूप से कार्यवाही किया गया है—

(क) अन्तरक से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
मैं है; और/वा

(ख) दूसी किसी आय या किसी भने या अन्य बास्तियों
को, विन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या भरप्रब्र
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया था ताकि उसने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) अब्दुल कादर ए० लतिफ और अब्दुल गफार ए०
लतिफ, (द्रस्टीज ऑफ अब्दुल लतिफ कैमिली
ट्रस्ट)।

(अन्तरिक)

(2) गल्फ प्राइवेट कंपनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के विषय
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष है—

(क) इस सूचना के उच्चारण में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की सामीक्ष से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उच्चारण में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
प्रिसित में किए था सर्वेन्द्री।

तरहीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो अन्य
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय पे० दिया
गया है।

मूल्य

"स्टोअर-लूम, जो, मेकर चेंबर-5, बसमेंट लेवल, प्लॉट

नं० 221, नरीमन पांडेट, बम्बई-21 में स्थित है।
अनुसूची जैमाकी श्रूत्युक्त ००सं० अई-1/37-ई/9178/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-
1986 को रजिस्टर किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रकल्प बाईं टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) शहा मल्लहेबल कास्टींगज लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) यूनिक इलैक्ट्रोकल लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत वरकार

कार्यालय, लक्ष्यक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निर्देश सं ॲई-1/37-ई/9710/85-86—अतः मझे,
निसार अहमद,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ३, जो, २री मंजिल, इमारत
नं ० ४, पीएसवी अपार्टमेंट्स, बी० जी खेर रोड, वरली
नाका, बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णिया है), और जिन्हा नारानामा
आयुक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-व, या वे अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जीस्ट्री है
दिनांक 17 जनवरी 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद उक्त आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आवृत्तियों
के, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
में लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष वी उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै वर्तम के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तिकरण:—इसमें प्रयूक्त सब्दों और वर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ३, जो, २री मंजिल, इमारत नं ० ४, पी०
एस० बी०, अगार्टमैंट्स, बी०जी० खेर रोड, वरली नाका,
बम्बई में स्थित है।

नसूप्राची जैम-की क० सं ॲई-1/37-ई/9140/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रधान माइंटर, टॉप, एनडीएस, -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मितम्बर 1986

निर्देश मं० अर्द्ध-1/37-ईई/9711/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० १, जौ, तल माला, इमारत
नं० ४, पी० एस बी० अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली
नाला, बम्बई में स्थित है (और इसे उत्तरावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसमें उत्तरामा०
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हैं दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बम्बई से है किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन करु दने के अन्तरक और
समिति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या ऋण आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतूत बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
के, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) शहान मल्लेहेबल कास्टीरज लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) हेमिटे इन्डस्ट्रीज एण्ड ट्रेडिंग कंपनी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ प्रारूप करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रणक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

फ्लैट नं० १, जौ, तल माला, इमारत नं० ४, पी० एस०
बी० अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली नाला, बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जौकी क० सं० अर्द्ध-1/37-ईई/9141/85-86
ओ० जौ सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई,

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रस्तुति वाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मितम्बर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ई/9712/85-86—अतः मृम्मे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, इमारत
नं० 4, पी.एम.बी.ओ. अरार्टमेंट्स बी.जी.० खेर रोड, वरली
नाका, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है
दिनांक 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

(1) शहा मालेहेबल कास्टिंग लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) नंदीता प्रौपर्टीज प्रायवेट लिं.

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 4,
पी.ए.प० बी.ओ. अरार्टमेंट्स, बी.जी.० खेर रोड, वरली नाक,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जावाकी क्रमं० अई-1/37-ई/9142/85-86
ओ.८ जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रस्तुप ब्राईटी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 मित्रम्बर 1986

निर्देश सं० अर्ड-1/37-ई/9727/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेम नं० 191 ओर
201-ए, जो, 19वीं ओर 20 वीं मंजिल, मेनर टाँवर-इ,
कफ परेड, बम्बई-6 में स्थित है (ओर इसे उपाबद्ध
अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) ओर जिसक
कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अंतर्वाचन व.वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 17 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंशुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

लह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्ता :—

(1) ब्रिटानिया इंडिया लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) बूथ सेंचुरी श्रीरीएंट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों

(अह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेम नं० 191 ओर 201-ए, जो, 19
वीं ओर 20वीं मंजिल, मेनर टाँवर-इ, कफ परेड, बम्बई-5
में स्थित है।

निमार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

पत्र लाइन, डी. एव. एड. ---

(1) मैं शोट ब्लाक प्राप्टर्जि एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा०

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

निः।

(अन्तररु)

भारत सरकार

(2) श्री भगवान मी० अमनानी।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक बाबकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निदेश सं० अर्ह-1/37 ईर्द०/9732/85-86—अतः
मुझे, निमार अहमद
बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट नं० 3, जो 23वीं मंजिल,
मोट ब्लाक अपार्टमेंट, दादी शेठ हिल, बम्बई में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसना कारानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई धरम सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 जनवरी,
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधारणा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, ऐसे अवधारणा प्रतिफल का
एवंही प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तर
दाया गया उत्तिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि... गया है :—

(क) अन्तरण से इर्दू किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए: बाई/बा

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी उन वा अन्य अधिनियम
की, जिहे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
—, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त विवरण के अधीन
कार्यवाहीयों परु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौइ भी वाक्येः :—

(क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन के भीतर उक्त स्थाय पंपति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवित में किए जा सकते।

प्रत्येकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लॉट नं० 3, जो 23वीं मंजिल, मोट ब्लाक अपार्टमेंट
दादी शेठ हिल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ह-1-37/ईर्द०/9162/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक
17 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महाय न आय न आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

प्रख्य बाई टी. एम्. एस्. सर्कार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अन्तर्गत दस्ता
उच्च संघाल

कार्यालय, सहायक आयकर बाबत (विरोधित)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मिस्रम्बर 1986

निदेश सं. आई०-१/३७ ईई०/९७६२/८५-८६—अतः

मुझे, निमार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परमाणु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अन्तर्गत संघम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमको सं. फ्लैट नं. 204, जो दूसरी मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत, स्थानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिमका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का खु के अन्तर्गत बम्बई स्थित संघम प्राधिकारी के नाप्रतियमें गिरिस्त्री है तारीख 20 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याका ददा प्रतिरक्षा विभिन्निकाल उत्तरेक से उच्च अन्तरण लिखित वास्तविक रूप दे अधिक रही किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हूर्स किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बत बत, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अन्तर्गत, विम्बिनिकृत व्यक्तियों, अर्जन रेंज-1, बम्बई :

(1) मैं फरानी उपलब्धि ।

(अन्तरक)

(2) मैं निश्चिल न्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

मैं यह दस्ता बाती बत्ते उपर्युक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोइ प्री बालोर् ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लक्ष्मी

फ्लैट नं. 204 जो दूसरी मंजिल, उद्यान दर्शन इमारत, स्थानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कम सं. आई०-१/३७ ईई०/९१८८ ८५-८६ श्रीर को संघम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
संघम प्राधिकार
सहायक आयकर आक्षय (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-९-1986

मोहर :

इस बाइंदू द्वाये प्रकृत्व प्रकृत्व

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

बाउल बहुमत
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निवेश सं. आई०-1/37 ईई०/9763/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लैट नं. 104 जो पहली मंजिल, उद्यान
दर्शन ईमारत, मयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित
है (ओर इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसकी करारानामा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 20 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि अध्यमानप्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
जाना प्रतिक्षत, जिससे उपरोक्त से उक्त सम्पत्ति विवित
हैं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है ॥—

(क) अन्तरक हूँ जिसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
दावित्व द्वे कानून करने या उससे बचने वै सूचित
के लिए; जारी/या

(1) मैं फरानी डबलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैं रियल न्वेस्टहट्टस कम्पनी लि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित से लंबे भौं कोहं भी जाक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कियी जन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों जारी पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
जाता है ।

मनुसूची

प्लैट नं. 104, जो पहली मंजिल, उद्यान दर्शन ईमारत,
मयानी रोड, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई०-1/37 ईई०/9189/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20
जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया था ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

प्रकल्प नामः टी. ए. एच. 1986-87

कालाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

गारुद बारकार
कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मिसान्डर, 1986

निदेश सं० आई-1/37 ईई-9769/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करणे
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिसेसेस नं० 1102, जो प्रसाद
चेम्बर्स, 11वीं मंजिल, अपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है
(अब इससे उपावद्ध अनुसुचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका कारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 20 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मध्ये मह विषयात् करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्नह प्राप्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्त-
रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल विभिन्निकृत लक्षण से उक्त अंतरण लिखित वे
प्राप्तिशक्ति रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(अ) अंतरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वे
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने वे सुविधा
वे लिए; बड़ु/का

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया या या नियम आना चाहिये था, छिपाने वे
दृष्टिका वे लिए।

बहुत बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती उषा विष्णुभाऊ हरीभक्ति ।

(अन्तरक)

(2) सुक्ष्मा इन्टरनेशनल मुधीर डायमण्ड्स,
और सुप्रीम डायमण्ड्स ।

(अन्तरिती)

(3) अम्मारक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभीण में
सम्पत्ति है)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त तपीत के बर्बन के लिए
कार्यवाहियों कुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना ।

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि का तत्प्रबन्धी व्यक्तित्वों पर
सूचना की तारीख वे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले द्वारा होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभरी के पाल
लिखित में किए वा सकारे।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त वज्रों वाले वज्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वे
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने वे सुविधा
वे लिए।

मनुसुचि

कार्यालय प्रिसेसेस नं० 1102, जो प्रसाद चेम्बर्स, 11वीं
मंजिल, अपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसुचि जैसा कि अम सं० आई-1/37 ईई-9195/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10
जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

प्रकाश बाहर, टी. पुल, प्रधान = = =

(1) मौ. हरिया इन्टरनेशनल।

(अन्तरक)

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए के अधीन सूचना

(2) श्री एम० जी० माहना खुमार।

(अन्तर्क्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/9779/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस प्रिमिसेस जो पहली मंजिल पर,
मंजिठिया चैम्बर्स; 276, डी० एन० रोड, फोर्ट, बम्बई-1
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से दर्जित है), आरजिसका कागजानामा आद्यकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क्षेत्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 जनवरी,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रख्यमान प्रतिफल से एक रुपावधि के लिए अत्यधिक
प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तरितियों) के दोष एक रुपावधि के लिए दब बादा बदा प्रौढ़-
कर, निम्नानुचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक विकित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया जाता है ॥—

(ए) उक्तावनी से हुए किसी वाय की वायद उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने वालाके के वायित्व में
कभी कहुने वा उक्त उक्त वायदे में सूचिता के किए;
जाइ/वा

(ए) एकी किसी वाय वा किसी वाय वा अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आद्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अन्य-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा
प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाता जाता है, जिसमें वाय सूचित
की जाएः

वा. वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की वर्तमान
में, ना, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभाषा (1)
वा अधीन, निम्नानुचित अविकरण, वर्णन ५—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त उम्मीद के वर्तमान के लिए
कार्यवाहीकृत करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तने के बलान्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले दोनों होते हैं, वो भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
महूर विस्तीर्ण व्यक्ति इवाए, अधोइस्टाइलरी के वाय
मिक्सित में किए जा रहे हैं।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

आफिस प्रिमिसेस जो पहली मंजिल पर, मंजिठिया
चैम्बर्स, 273, डी० एन० रोड, फोर्ट बम्बई-1 में स्थित है।

: सू. १ जै आ कि नम सं० आई०-1/37-ई०/9204/85
-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20
जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नितार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
जर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1986

मोहर :

प्रक्त भार्ती दीप एवं प्रक्त

(1) श्री युसुफ अब्दुला पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-व (1) के अधीन दृष्टा

(2) श्री आयाम अहमद और गयाम अहमद
(रियाज अहमद के पुत्र)

(अन्तरिती)

भारत उच्चाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

तिंदेश सं० आई-1/37 ई-9787/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें
इतके दृष्टात् 'उक्त अधिनियम', दृष्ट गया है, की पारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो पांचवी मंजिल, इमारत
नं० 6, पटेल अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली,
बम्बई-18 में स्थित है (श्रीरहस्यमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में दर्जित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख
20 जनवरी, 1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वै व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में वास्तविक रूप द्वे कार्यत नहीं किया जवा है :—

(क) अन्तरक से हूँ है किसी बाब की बाबत उक्त विधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्त एक के दायित्व
में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
बाई/वा

(प) ऐसी किसी आय या किसी धन वा जन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशाली वर्तमानी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
वै लिए;

वक्त: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-व के अन्तरण
में 'उक्त अधिनियम की पारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांह भी बाष्पेः—

(क) इह सूचना के उच्चाय में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह दृष्टा के उच्चाय में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हैरत-
बृप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेद्यताकरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे ।

लघूकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वथा परिभाषित
है, वही अर्थ होता है जो व्यायाम में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो पांचवी मंजिल, इमारत नं० 6,
पटेल अपार्टमेंट, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि शब्द सं० आई-1/37 ई-9208/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निरार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-9-1986

मोहर :

मुख्य वाइल्ड बीवे समिति प्रबन्धना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-वा (1) के अधीन दृष्टि

समिति कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मित्स्वर 1986

निदेश सं० आई०-१/३७ ई०/९८८/८५-८६--अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, जो चौथी मंजिल, राधे वल्लभ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, फ्लैंग कार्नर, ऑफिरा हाउस के सामने बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ने कार्यालय में है रजिस्टर है तारीख 20 जनवरी, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का छारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) उक्तरण से है 'किसी बाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देवे वा उक्तरुक वा अविलम्ब में करने वा उद्देश्य करने में सूचित हो विषय; बार/वा

(इ) ऐसी किसी बाय या किसी भन गा वस्त्र वासिताओं को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा ब्राजीनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपने में वृद्धि के लिए;

वस्त्र: वस्त्र, उक्त अधिनियम की भारत 269-वा की उपचारा (1) के दर्शी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्था :—

(1) श्रीमती कृष्णा बेन ए० दोषी।

(अन्तरक)

(2) श्री कौशिक दत्तपत राय चौधरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को वह दृष्टि भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्तम के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तम के उपर्युक्त ने 'कोइ' भी बालेष :-

(क) इस दृष्टि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्तम या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तम, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पूरारा;

(ज) इस दृष्टि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्धि किसी भाव्य व्यक्ति द्वारा अधोसूत्ताक्षरी वा पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबन्धकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहों का, जो उक्त अधिनियम के व्याय 20-के लैं परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 43 जो चौथी मंजिल, राधे वल्लभ को०, आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० फ्लैंग कार्नर, ऑफिरा हाउस के बामने, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची—जैसा कि क्रम सं० आई०-१/३७ ई०/९२०९/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाय दिनांक 20 जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-1986

मोहर :

दस्तावेज़ दी.एल.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के बचीन दृष्टवा

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1986

निदेश सं. आई-1/37-ई/9789/85-86—अतः
मझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के बचीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिंतकी सं. प्लैटनं. 23, चौथी मंजिल, नव दरिया महल
को. आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. नेपीयनसी रोड,
बम्बई-6 में स्थित है (श्रीरजिंतका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 जनवरी,
1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित महीने किया गया है :—

(अ) उद्देश्य है दृष्टि किसी आय की वालद, उच्च
वायिधियम के बचीन कर देने के अन्तरक के तापित
दो कली कर्त्ता का उद्देश्य वालद व दृष्टिका ने नियम;
श्रीर/था

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी दृश्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ५—

(1) श्री महेन्द्र एम० मेहता और
श्रीमती काताबेन एम० मेहता।

(अन्तरिती)

(2) श्री मंगल पी० लोधा और
श्रीमती मंजू एम० लोधा।

(अन्तरिती)

को वह दृष्टवा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वी वर्दन के द्विप
कार्यालयों करता है।

उपर बतायी वे वर्दन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपे :—

(क) इष दृष्टवा के दृश्यमान की तारीख से 45
दिन की अवधि वा उत्तरवाची व्यक्तियों पर सूचना
की ताबीज से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि
वाले वे वर्दन होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां हैं;

(ख) इष दृष्टवा के दृश्यमान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहूप किसी अन्य व्यक्तियां हैं, वर्दोहस्तानदी भी
वाल नियम में किये जा सकते।

ताबीकरण :—इसमें प्रदृष्ट वर्दो और पदों का, वो उक्त
वायिधियम के वर्दाव 20-क में परिवारित
है, वही वर्द होता जो उक्त वर्दाव में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं. 23, जो चौथी मंजिल, नव दरियां महल
को. आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी निमिटेड, नेपीयनसी
रोड, बम्बई-400006 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-1/37-ई/9210/
85-86 अंर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाना दिनांक 20
जनवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-9-1986

मोहर :

उच्च वाद एवं उच्च संविधान

(1) राजकमल कलामन्दिर प्रा० लि०

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की भाषा
269-व (1) व अधिक वाचन

(2) श्री महालक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरिती)

साइर बुद्धिमत्ता

वायकर, वायकर वायकर वायकर (गिरिहां)

प्रधन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 जुलाई, 186

निदेश सं० 37ई/9794/85-86:—यतः मुझे,
अंजनी कुमार,
वायकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसे इसने
इसके वर्षात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), वी वारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संबंध का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 5, फारमिंग पार्ट आफ सी०
सी० एस० सं० 191 (अंश), लोअर परेल डिलिजन डा०
एस० एस राव रोड, लोअरपरेल बम्बई-12, में स्थित है (और
इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कारानामा आयकर अधिनियम, 1961 है धा०
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-1-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से ज्यादा के अवाराव
प्रतिफल के लिए अंतरित की जाए है और यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार
मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, एस० एस गान प्रनियम का
बम्बई प्रतिवक्त द्वारा अधिक है और वहाँ 6 (छोटी) और अंतरित
(अन्तरितीयों) के बीच हैं अन्तरण के लिए इस वाचन वाचा
वाचा प्रतिवक्त विवाहित उद्देश्य है उच्च वंतरण विविध द्वा०
वायकरिक इस से कठिन नही० किम एवं है? —

(क) अन्तरण से हूँ है कि कोई आय की वावत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या खन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उच्च अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयों करला है।

उच्च वाद एवं उच्च संविधान में उच्च वाचन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्नी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख वे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

सचिवालय :—इसमें प्रश्नकृत लक्ष्यों और वाचने का, जो उच्च
अधिनियम के ८ याय ५०-क में परिभाषित
है, वही वर्त हा वा जह अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5, फार्मिंग पार्ट आफ सं० एन० नं० 191
(अंश) लोअर परेल डिलिजन डा० एस० एस० राव रोड,
लोअर परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसीकी क्र० सं० -1/37-ई/9213/85-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-
85-86 21-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक :—10-9-1986

मोहर :

प्रकृष्ण बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं सुक्षमा इन्टरनेशनल।

(अंतर्राष्ट्रीय)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पात्र 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैं प्रतीक एक्सपोर्ट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर वापरक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जुलाई 1986

निर्देश सं. आई. 1/37 ई. 979618/85-86-अतः, मुझे;
निमार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पात्र
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल अपार्टमेंट मूल 410, जौ, चौथी मंजिल,
प्रसाद चैंसर प्रिमिसेस को०-आप० सोसायटी लि०, 2देशी
मिल्स कम्पाउण्ड, आपेर हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर
ह से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), /प्रीर
जिसका कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 द्वारा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-1-1986,

की पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल के अवधार
प्रतिफल के लिए अस्तीर्त की गई है और वृहे वह विवास
करने का कारण है कि अवधार्वात उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारन प्रतिफल है, एवे अवधारन प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और अंतरिती
(अस्तीर्तियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय नाम नामा प्रति-
काल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण के दूर किसी बाय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के बन्तरक वा
दायित्व में कमी करने वा उक्त वर्तने वा सूचित
के लिए; लौह/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भव या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ
बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा
किया जाना चाहिए वा जिसमें वा सूचित के लिए;

गत: बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों, वर्तात् —

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तराधीन अधिनियम द्वारा
दृष्टा की तारीख है 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में सबात्त होती है, के भीतर उपोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहृताक्षरी के पास
लिखित में छेद या छोड़ा।

लक्ष्यकारण:—इहमें प्रदूष वस्तु और पद्धति का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन 20-क में वैराजित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं. 410, जो चौथी मंजिल, प्रसाद चैंसर
प्रिमिसेस को० आपरेटिव सोसाइटी लि०, स्वदेशी मिल्स
कम्पाउण्ड, आपेर हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नम सं. आई-1/37 ई. 9215/
85-86 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
21-1-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 9-9-86

मोहर ८

उच्च वाईटी एवं सम्बद्ध

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-ए (1) के अधीन वृक्षों**

भारत सरकार
काशग्रस्य, भावायक बायकर वापरक (वितरक)

अर्जन रेंज-1, वम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जिनेवर 1986

निदेश सं० आई०/१३७-ई०/१९८०/८५-८६—अतः
मुझे, निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद कुड़े व्य-
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, 4, 5, 6 और 7 जो भावेश्वर वरली
भावेश्वर, वरली को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी नि०,
प्लाट नं० 1488, वरली स्कीम, डा० ए० बी० रोड, वरली
वम्बई-18 में स्थित है (और हस्ते उपायद अनुमूली में
और पूरी रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन वम्बई
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
21-1-1985,

वृक्षों के अधित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
कुड़े का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारन प्रतिफल से ऐसे अवधारन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरवेश से उच्च अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उच्च अधि-
नियम के अधीन कर दिये जान्तरक के विवित वृ-
क्षों कुड़े या उससे सम्बन्ध में सूचिता के लिये;
वाईटी/वा

(ख) एसो किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या उच-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वृ-
क्षों के अन्तरिती उचार इक्ट नहीं किया जा-
ता या किया जाना चाहिए तो, जिसमें वृक्षों के विविता
में लिखा;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
14-276 GI/86

(1) श्रीमती फातीमा जलील अहमदी।

(अन्तरक)

(2) मै० आशकाश हाउलिंग्स प्रा० नि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितीयों और कम्फंगिंग पार्टीज़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

वृक्षों का वृक्षों करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उच्च अधिनियम के वर्तन के अध्यन में 'कोइ' भी कालौप है—

(क) इस वृक्षों की रावण भूमि प्रकाशन जी० तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्परावृत्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले में अवारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस वृक्षों के अध्यन वृक्षों प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शिव-
दार्ढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पाल निवित में छिए तो होकरे।

स्वाक्षरता :—इसमें प्रयुक्त वायों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दुकान नं० 3, 4, 5, 6 और 7, जो, भावेश्वर, वरली भावे-
श्वर को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी नि०, प्लाट नं० 1488 वरली
स्कीम, डा० ए० बी० रोड, वरली, वम्बई-18 में स्थित है।

अनुमूली जैसाकी श० सं० आई०-१३७-ई०/ 9219
और जी सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेंज-1, वम्बई

दिनांक : 10-9-86

मोहर :

प्रस्तुत अद्वैत, दी.एम.एड. -----

(1) नीलम इंस्टेट्यूट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सख्ता

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक, 10-9-1986

निवेश मं० आई-1/37-ई/9839/85-86—श्रावण मुझे
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘इसमें इसमें
प्रक्तु अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट नं० 408, जो, 4 थी मर्जिल, डी-विज, टेरेस के साथ नीलम मेंटर, हिन्द मायकल रोड,
वरली, बम्बई-18,

में स्थित है। (और इसमें उपावढ़ अनुमूल्य में पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजीस्टर्ड है। तारीख 30-1-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम
अधिनियम के अन्तरित की गई है और मृद्गे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल में, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
प्रदूषण से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों)
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एम्बेट बन्तरण के मिए तय पाया
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित
के बास्तविक रूप से कोई नहीं किया जाया है :—

(१) बन्तरण से हरौ किसी भाव की बात, उक्त
बन्तरितद की अधीन कर होने के बन्तरक के
बाबिल जैसे करने या उसमें बन्तरने के हाविला
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी भाव का फैलने पर यह दर्श्य अदिस्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तो किया
जाया चाहिए था, जिसने मैं नक्षिपा के लिए.

वह यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुभरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उचिताता (1)
के अधीन निम्नलिखित अदिस्यों, अधिसि :—

को यह सख्ता आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी कानून :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी अदिस्यों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अदिस्यों में से किसी अदिस्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अदिस्य द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पाय लिखित होने किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, एवं अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

यूनिट नं० 408, जो, छोथी मर्जिल बी-विज, टेरेस
साथ, नीलम मेंटर, हिन्द मायकल रोड, वरली, बम्बई-18
स्थित है।

अनुमूल्य जैसा कि नं० मं० आई-1/37-ई/9256/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
30-1-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
दिनांक 10-9-1986
मोहर :

दिनांक: 10-9-1986

मोहर:

उच्च आदौ. टी. पट. एव. ----

(1) श्री मधुशर आरो रडेख्या।

(अमृतक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन दस्ता

(2) श्रीमती देसूबेन जेवत शाहा

(अमृतरती)

उच्च आदौ.

कार्यालय, सहायक आयकर वायप्रत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 वर्ष-ई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निर्देश सं अई-1/37-ई/9886/85-86-- अतः मुझे

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आयकर भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फलैट न० सी०/11-12, जो, दि सागर-
दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसायटी सी इमारत, दूसरे मंजिल,
काकड़ इस्टेट, वरली सी-फेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित
है। (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में
वर्णित है) श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 31-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल में निपुणतात की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एक से दस्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अतरक (बन्तरक) और बन्तरिली
(बन्तरिलियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय दाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ने दिए; और/या

(ब) एसी किसी बाब या किसी धन या कन्या आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिली इवारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
क्षमता के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

को यह दस्ता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयार्थ छुस करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस दस्ता के उचित में प्रकाशव की तारीख व
45 दिन की वैधिया तक संबंधी व्यक्तियों द्वा
रा दस्ता की रायीम व 30 दिन की वैधिय, जो भी
वैधिय बाब में दस्ताव द्वारा होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ब) इस दस्ता के उचित व उक्त तारीख व
45 दिन की वैधिय बाब में हिड-
बूष्ट किसी व्यक्ति द्वारा द्वारा, जो उस वैधाय में दिया गया
है।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचित वैधि-
नियम में वैधाय 20-क में परिनामित हैं,
वही वर्ष होगा, जो उस वैधाय में दिया गया
है।

अनुसूची

अनुसुची जैमाकि क० सं० अई-1/37-ई/ 9289
85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
31-1-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-9-1986

महोर :

राज्य वार्ता दृष्टि सम्बन्धीय नियम

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के विवर दृष्टि

वायकर वार्ता

महायक, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर, 1986

सं० अई-1/37ई/9832/85-86:— अतः मुझे, निसार
अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को याविवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मद्दता देव क्रिपा इमारत मम्पूर्ण 1ली मजिल,
जो, 140-145, नायगांव स्कीम, गोविन्द जी केरी रोड,
बम्बई-14 में स्थित है (प्र० इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), प्र० और जिसका करारनामा आय
कर अधिनियम, 1961 की भारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित स्थान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 30-1-1986

को बूर्जीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपस्थान प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पूर्ण प्राप्तशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हव
गढ़ा गया प्रतिफल, निम्नलिखित लघुवेद्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में किया जया है—

(ए) अन्तरण से हट किसी भाव की वायकर, उक्त अधि-
नियम के अधीन करु देव के अन्तरक के वायित्व
में छोड़ी करने वा उससे उपरे में छोड़िया के लिए;
वा/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाया आहिए था, जिसने वे
कानूनिका के लिए;

१५३: हट, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपावदा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत—

१. मैसर्स बॉबी इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

२. मैसर्स अपना सहकारी बैंक लिमिटेड।

(अन्तरिती)

मैं वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के वर्चन में 'हट' भी वालेष्ट—

(क) इह सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि पा तत्त्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृथ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास तिवित में किए जा सकें।

तारीख दरगा—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

देव श्रीया इमारत में मम्पूर्ण 1ली मजिल, जो, 140-
145, वियगांव, गोविन्द जी केरी रोड, बम्बई-14 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ई/9241/85-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक वायकर वायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 10-9-1986

मोहर :

प्रकृष्ण बाई, टी. ए. एस. -----

1. नीलम इस्टेट्स।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. ज्योतिन्द्र फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरित)

भारत सहित

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, वर्मवार्ड

वर्मवार्ड, दिनांक 10 सितम्बर 1986

निर्देश सं. अई-1/37ई/9838/85-86— अतः मुझे,
निसार अहमद,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मंख्या यूनिट नं. 407, जो, 4थी मंजिल,
बी विंग, औरेंटेर नीलम सेटर, हिन्द साइकल रोड, घरली,
वर्मवार्ड-18 में स्थित है और इसने उपाधि अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन अधीन
वर्मवार्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 20-1-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर्ता गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
प्रासादिक रूप से कर्तित नहीं किया गया है—

(ए.) अंतरक यह है कि आप को जाति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए अंतरक या

(ब.) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रदूक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति वी बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास
तिरायत में किये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 407, जो, 4थी मंजिल, बी विंग, और टीरेस
नीलम सेटर, हिन्द साइकल रोड, घरली, वर्मवार्ड-18 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि आ सं. अई-1/37ई/9255/85-86
है जो सक्षम प्राधिकारी, वर्मवार्ड द्वारा दिनांक 30-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड-1, वर्मवार्ड

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ५-

दिनांक: 10-9-1986

मोहर:

प्रस्तुत श्री. टी. एन. एस. -----

**वास्तु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के विवेद दस्तावेज़**

भारत सरकार

कार्यपाल, महायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मित्तम्बर 1986

निवेदा सं. अई-1/37ई/9891/85-86—अतः मुझे,
निसार अहमद,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पांच वाले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को भारा-
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि रधावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है।**

और जिसकी संख्या फ्लैट नं. बी/1, जो, दीपलक्ष्मी को-आप
हाजिरिंग सोसायटी निवासी स्कर मार्ग, प्रभादेवी सी बिल्डिंग,
बम्बई-25 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, या के अधीन बम्बई
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
31-1-1986

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहु के रूपमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उसे वह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के
पूर्वीकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और
(बन्तरीराईयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
फल निम्नोल्लिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिवित में बास्तविक
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से नई किसी आय की जावते, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दावित में कभी करने या उसमें बचने में विविध
के लिए; और/या

(द) ऐसे किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
बन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बन्तरण
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नोल्लिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्रीमती मीरा सुरेण कणिक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिभा अजीत वैद्य।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

की वह सम्बन्ध आरो करके पूर्वीकृत सम्पत्ति की वर्तमान की विव
कार्यवाहीयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवधि में कोई भी व्यक्ति:—

(क) इस सम्बन्ध के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सम्बन्ध की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सम्बन्ध के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताधारी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्वाक्षरोकारण:——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्य 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी/1, जो, दीपलक्ष्मी को-आप हाजिरिंग सोसायटी
निवासी स्कर मार्ग, प्रभादेवी सी बिल्डिंग, बम्बई-25 में
स्थित है।

जनुसूची जैसा कि श्र० सं. अई-1/37ई/9294/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 10-9-1986

मोहर:

दर्शक आई. टी. पट. एव. —————

1. श्री मनगुर सरत सहनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

वाइट प्रेसिल

कार्यालय संदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1986

मं. अई-1/37ई/9870/85-86—श्रतः मुझे, निम्नान्
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर. जिमकी मंडपा फ्लैट नं० 41, जो जयश्री इमारत,
एस० जी० आई सीनियर आफीर्गम को-आप हाउसिंग सोसायटी
लिं०, घरनी मिफेस, 75 ए० जी० खान रोड, बम्बई-25
में स्थित है) (श्रीर. इसमें उपाख्य अनुकूली में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिमका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की भारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
3-1-1986

को प्रतिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इसका न
प्रतिफल के निए बनारित की गई है और मैं यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकारी के अधीन सक्षम प्रतिफल से, ऐसे अधिकारी के
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज्ञ हैं कि उन्हें पाता जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरगाँ
विवित हैं कास्तिक रूप से कठित महों किया गया है—

(ए) अन्तरज्ञ से हाइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिकृत
विवास के अधीन कर देने के बनारक को दावित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों
को उक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या इस दिया आना आहिए था, उपराने में
सुविधा के लिए;

अतः, अग्र. इश्य अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मुरेन्द्र एस० शहा और
श्रीमती कुमूम एस० शहा।

(अन्तरक)

को मह सूचना आरी करले पूर्वान्त संपत्ति के बर्जन के द्वित
कार्यालयों सूख करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येष :—

- (क) इस सूचना के द्वितपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में छापाय होती है, वे भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तान्तरी के पास निविल में किए जा सकेंगे।

स्थानोंकरण :—इस्त्रे प्रदूक्त सम्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्जन को उस अध्याय में दिया जाए है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 41 आर० गरेज जो, जयश्री इमारत, एस० बी० आई, मिनियर आफीर्गम को-आप हाउसिंग सोसायटी
लिं०, घरली मिफेस, 75, ए० जी० खान रोड, बम्बई-25
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श सं० अई-1/37ई/9276/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 10-9-1986

मोहर:

प्रकाश प्राप्ति, दी. एस. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत विधान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मित्रवर 1986

मं. ए. अई-०-१/३७-जी/५३६६/८५-८६।— अग्र: मुझे,
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मंजूरी सम्पत्ति, जो, 351 सी, भुलाभाई देसाई,
रोड, त्रिपुरा मी. १५० नं. २/एफ/७५५, मलबार और
खम्बाला हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-१-८६
को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल भें लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
प्रत्येक ले अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया जाना
प्रतिफल निश्चिलिपि उद्देश्य से जरूर अंतरण लिखित बै
बास्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हट्टे किसी बाब जी बदल, उक्त
अधिनियम से बदीन कर दें वे अन्तरक के
शायित्य में कठी करने या उससे बदले हैं दूरिया
के लिए; और/या

(ब) एसी फिसी बाय या फिसी भन या अन्य आरितियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दुरारा प्रकट नहीं किया जाय
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में हारिया
के जिला;

एवं ये उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण
है, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपरामा (1)
वे जी, निश्चिलिपि अविलम्बी, अन्तरण ३—

(१) जमशेद किरोज बोगा फामरोज नहानीर पिस्ती और
फ्रेनी के०पांडे (मोरावजी कांगा चरीटी दृष्टि विश्वस्त

(अन्तरक)

(२) अर्पि देविंग एण्ड मर्विंग प्राइवेट लिं।।
(अन्तरिती)

(३) भाडूना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में गम्भीर है)

(४) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में
हिनवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
आर्याद्वयों बदला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
दबावित बाल भौमपाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारियों में जी किसी अक्षित दबारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
प्रतिष्ठित या लिया जा सकते हैं।

प्रत्यक्षीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं वही वर्ष होणा वा उक्त बधाय से दिया
जाये हैं।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेखा मं. २३६२/बैम /८५ और जी,
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 24-१-१९८६ को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

तारीख : 12-९-१९८६

मोहर :

प्रकाश बाई^१, डी.पी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन

भारत सरकार

महायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 11 मित्रवार 1986

निदेश सं० डी०आर०-1164/85-86/37-ई—अन: मुक्ते
जौ० कै० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
प्रकाशत 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-ए के अधीन सकार प्राधिकारी ने यह विवाह करने वाले
कारण है कि स्थावर उत्पत्ति, विषका उचित वाषार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और त्रिपक्षी सं० — है, तथा जो दोना पीला, पण्जी में
स्थित है और हगमे उपावन्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप
में विंगा है), निम्नांकित अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 16-1-1986 को, बैंगलूरु।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाषार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित की गयी है और मूल्य यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाषार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और उन्नत-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नांकित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
प्रामाणिक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

- (1) मरिया अन्टोनिया संतान अल्बरेस डि मेन्डोता
- (2) रावडो उत्तिनियो ओर लियानो मिन्वेल अल्बरेस
डि मेन्डोता।
- 3. लिंडा असन्टा अप्रेचुआ डि मेन्डोता, तलेगोवा
उन्नेम इलान गोशा।

(अन्तरक)

- (2) मर्ग दोना पोला रियल्टी, सर्वसाई हाऊस
हेड, नवदिन डाइम्ब के नवदीक पण्जी—गोप्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रतिक्रिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में शकाक्षन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बोहस्ताभरी के पास
प्रवाहित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनस्त्री

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाषास, उक्त
अधिनियम के अन्तर्वास अवधि के अन्तर्वास के दौरान
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आर्थिक्यों
जो विल्हेम भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
द्वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
निम्नांकित अनारिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहित
है लिए।

(दस्तावेज़ सं० दिनांक), माल्वे डि पौला
पण्जी

जौ० कै० राव,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 11-9-1986

मोहर :

मा. दृ०, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.

बाटकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
को भारा 269 प (1) के संधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूरु

बंगलूरु दिनांक 11 निवार 1986

निदेश मं० 1188—प्रतः मुझे,
जे० के० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-उ के संधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विषयास करने का
कारण है कि स्थानवास सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और तिपक्षी नं० 207/ए८२, प. 1 है, तथा जो पल्ला
पुर मिर्सी गोड, मिर्सी-५८/४०२ में स्थित है (और इस
से उपावद्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), एजिट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन
दिनांक 24-३-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मृम्भे यह विषयास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (बंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तग पाया गया इतिहास, निम्नलिखित उक्तदेश में
उक्त अंतरण तिलिङ में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया
गया है ।—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के संधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने द्या उससे बचने में समिधा
के लिए; बाई/रज

(ब) ऐसी किसी बाय रा किसी धन या इन्हीं आमतयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किन्तु जाना चाहिए था उचित नहीं
स्विभाव के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-प की उपभारा (1)
के संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वैक्टरमण निम्नलिखित हैंडे, मीताराम तिम्मय
हैंडे, देवरु तिम्मया हैंडे, नाशयन तिम्मय
हैंडे, डा० बंमल गणपति हैंडे, हेमंता गणपति
हैंडे ।

(अन्तर्गत)

(2) ए० आर० हैंडे कडवे, चंद्रमैन, दि तोरगास
को आप सेल मोर्नाईटी लिस्टेड, मिरसी (य०
के०) 581402

(अन्तिमी)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बंजन के निष
कार्यवाहियां श्रू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्त्रभरी के पास
तिलिङ में फिर आ सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में विद्या
पाया है ।

बन्सू

(दसवावें दिनांक जनवरी, 1986), सिरसि
मिटी नं० २०७/ए८२, ए१ होटेल समाई, यल्लापुर
मिरसी रोड, मिरसी-५८१४०२ ।

जे० के० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहाय आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक: 11-९-1986

मोहर:

संघ संघ सेवा प्रायोग
समिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1987
नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1986
नोटिस

सं. एफ. 14/3/86-प. 1 बा—संघ सेवा प्रायोग द्वारा
नीचे वेरा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु 5 अप्रैल, 1987
को अग्ररताता, अधमवाचाव, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई,
कलकत्ता, बड़पांगड़, कोचीन, कटक, विल्ली, दिल्ली (गोहाटी), हैदराबाद,
इमामाबाद, ईटानगर, अयपुर, जम्मू, औरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास,
नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला,
श्रीनगर, तिळुकिति, त्रिवेणीम, उदयपुर और विशाखापट्टनम में एक समिलित
परीक्षा ली जायेगी।

प्रायोग यदि आहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा तारीखों में
परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये
उसकी पाठ्यक्रम के केंद्र देने के गमी प्रयास किये जायेंगे तो भी प्रायोग
परिस्थितिवर्ग किसी उम्मीदवार को अपनी विवाद पर अलग केंद्र दे
सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में विवेद दे दिया जाता
है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थानों) को जानकारी दें दी
जायेगी [नीचे वेरा 19(ii) देखिये]।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना आहिये कि केंद्र में परिवर्तन में सम्बद्ध
अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जायेगा। किन्तु जब कोई
उम्मीदवार अपने उस केंद्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा
देते हुए अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उन्नीस अंक, संघ सेवा
प्रायोग को इस बात पर पूरा औचित्र बनाते हुए एक प्रति रजिस्टरड डाक
से अवश्य में जाना आहिये कि वह केंद्र में परिवर्तन करें चाहता है। ऐसे
अनुरोध पर गुणवत्ता के आधार पर विवाद किया जायेगा, किन्तु
5 मार्च 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार
नहीं किया जायेगा।

2 त्रिवेणीम/पदों पर भर्ती की जानी है वे तथा भर्ती जाने वाली
रिक्तियों की अनुमति संभवा नीचे दी गई है:—

- (i) रेनजे में महायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी**
- (ii) प्रायुष तथा प्रायुष उपस्थिति कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ
वेन्तमान पद जगता (37*) रिक्तियाँ*।
- (iii) केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेन्तमान पद--500*।
- (iv) दिल्ली नगर निगम में सामान्य बुद्धी चिकित्सा अधिकारी--75*

—इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

**रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सुनिश्चित नहीं की गई है।

*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों
के लिये आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के
अनुमान होगा।

3 कोई उम्मीदवार उपर्युक्त वेरा 2 में उल्लिखित किसी एक या
एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन
कर सकता है। उम्मीदवारों को उचित समय पर सेवाओं/पदों के लिये
प्रपत्ता वरीयता नहीं बताना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा
में प्रवेश पाना चाहता है। तो भी उसे एक ही प्रविष्टि-पत्र में जाने की
आवश्यकता है। नीचे वेरा 5 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही
बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके
लिये वह आवेदन कर रहा है।

4. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रीयता:

उम्मीदवार को या तो:—

(i) भारत का नागरिक होना आहिये, या

(ii) नेपाल की प्रजा, या

(iii) भटान की प्रजा, या

(iv) देस निःदली प्रशासनी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की
इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो,
या

कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने
की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा,
तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व तंगानिका और
जंजीबार) के पूर्वी द्वीपों के देशों से या जाम्बिया, मलाबी,
जेरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) और (v) बगी के अन्तर्गत आने वाले
उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता
(एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना आहिये।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र
आवश्यक हो परीक्षा में बैठें दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव
भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।।

(ख) प्रायु सीमा—पहली जनवरी, 1987 को 30 वर्ष से कम
अपरी प्रायु सीमा में निम्न प्रकार कूट प्राप्त है:—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति
का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश)
का आस्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी,
1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच को प्रवासी के दौरान प्रवृत्त कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अवश्य अनुसूचित जनजाति
का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्त
कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(iv) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अवश्य अनुसूचित जनजाति
का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका कारार
के प्रवीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से
वहांतः प्रवासीत होकर भारत में आया हुआ या आने वाला
मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन
वर्ष तक,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अवश्य अनुसूचित जनजाति
का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका कारार
के प्रवीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से
वहांतः प्रवासीत होकर भारत में आया हुआ या आने वाला
मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन
वर्ष तक,

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया,
उगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य 'भूतपूर्व तंगानिका और
जंजीबार) से प्रवृत्त किया हो या जाम्बिया, मलाबी,
जेरे और इथोपिया से प्रवासीत हो, तो अधिक से अधिक तीन
वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का ही और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगाड़ा तथा संयुक्त गणराज्य लंजानिया (भूतपूर्व संगानिका तथा जंजीवार) से प्रवृत्ति कर आया हो या जाम्बिया, मलाबी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,
- (viii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद वर्ष में बस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति प्रथमा अनुसूचित जनजाति का ही और ताथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद वर्ष बस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विवेशी देश के साथ संबंध के प्रथमा प्रशासितप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मित हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं।
- (xi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं प्राप्त है तो उसके सिवे अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का ही जो वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति, (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण पत्र है तथा जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं प्राप्त है तो उसके सिवे अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का ही जो वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति, (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण पत्र है तथा जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं प्राप्त है तो उसके सिवे अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प कालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1987 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार का अधिकारी के आधार पर बख्तियां या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपरंगता या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्य काल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1987 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (xv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प कालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी 1987 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कवाचार का अधिकारी के आधार पर बख्तियां या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपरंगता या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्य काल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1987 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित

जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक,

(xvi) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्प कालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में प्रथिकानम् 5 वर्ष जिन्होंने मैत्रिक सेवा के 5 वर्ष का सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1987 तक पूरा कर ली है और उनके बाद मैत्रिक सेवा में एक वर्ष होने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे मिलिल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और मिलिल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नॉटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(xvii) अनुसूचित जाति प्रथमा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपात कालीन कमीशन अधिकारियों/अल्प कालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में प्रथिकानम् 10 वर्ष जिन्होंने मैत्रिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1987 तक पूरी कर ली है और उनके बाद मैत्रिक सेवा में एक वर्ष जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे मिलिल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और मिलिल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नॉटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(xviii) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन परिचयी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 नवम्बर, 1971 से 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्तन कर प्राप्त था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(xix) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का ही और तत्कालीन परिचयी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 अक्टूबर, 1971 से 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्तन कर प्राप्त था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xx) यदि कोई उम्मीदवार 1 जून, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान गांधारण्यः प्रगम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(xxi) यदि कोई उम्मीदवार अनुप्रिक्त जाति प्रथमा अनुसूचित जनजाति रहा हो और एक्टी 1980 से 15 अगस्त 1985 तक की अवधि के दौरान गांधारण्यः प्रगम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणा.—भूत पूर्व मैत्रिक जिन्होंने प्राप्ति पुणे रोजगार हेतु भूतपूर्व मैत्रिकों को दिए गए जाने वाले जाभों को लेने के बाद गिलिल क्षेत्र में राजकार्य नौकरी प्राप्त हो ले ली हो, वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 4 (ब्र.) (xv) तथा 4 (ब्र.) (xv) के अधान शायु सीमा में छढ़ लेने के लिए पाव नहीं होंगे।

उपर्युक्त अवस्था को छोड़कर नियमावलि शायु सीमा में किसी सीमिति में छढ़ नहीं दी जायेगी।

आपात जन्म की वह तारीख स्टीकार करता है जो भैद्रिक्लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रतुरक्षित भैद्रिक्लेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्दरण विश्वविद्यालय के समुचित प्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उत्की समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज हो, ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करते हैं।

प्रायु के सम्बन्ध में कोई अस्ति दृस्तावेज़ जैसे जन्म हुए लोग, प्राप्तिन, नगर नियम से और सेवा अभिलेख में प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अस्ति ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेगे।

अनुवंशों के हर भाग में आये हैं। “मैट्रिक्सेशन उच्चतर साधनिक परीक्षा प्रमाण-पत्र” वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी १—उम्मीदवारां को ध्यान रखना चाहिये कि आयोग जन्म की उसी तारीख से स्वीकार करेगा, औंकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या गमकथ परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसके पर्यावरण में किसी प्रतिरोध पर न तो विचार किया जायेगा। और न उसे स्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह भी ध्यान रखे कि उनके हांग किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने प्रौर आयोग हांग उसे प्रपत्त अधिकार में वर्ज कर लेने के थाई उसमें शाव में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की प्रत्याहित नहीं दी जायेगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताये :

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम्. बी० बी० एस० परीक्षा के सिद्धि तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी १—बहु उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसमें
फाइलन एम० बी० एम० परीक्षा दे ली है या जिसको ग्राहीत
देती है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पाल्स द्वारा तो उन्हें उचित परीक्षा
में प्रवेश दे दिया जायेगा परन्तु उनका प्रवेश मननितम रहेगा तबा काफ़िलन
एम० बी० बी० एम० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को
उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द शर्त
दिया जायेगा। उक्त प्रमाण विस्तृत भ्रावेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के
लिखित भाग के परिचयम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों
द्वारा प्राप्तियों का प्रस्तुत करने पड़ेगे, साथ प्रस्तुत किया जायेगा।

टिप्पणी २— उक्त परीक्षा में प्रयोग के लिये वह उम्मीदवार भी ग्रीष्मिक रूप से पाल हैं जिसे असी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करनी है किन्तु व्यय हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करने के बाद ही नियन्त्रित किया जायेगा।

५. शास्त्र ३

परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवारों को प्रायग का न० 28.00 (अट्टाइस रुपये) के शुल्क वा शुगतान करना होगा, जो फि सचिव, संघ लोक मेवा आयोग को नई विल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा हारा जारी किये गये रेखांकित बैंक ब्राउन या सचिव, संघ लोक मेवा आयोग की नई विल्ली के प्रधान आक्षर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो, इस प्रनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह “051 लोक मेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लिए शीर्ष में जमा हो जाये और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भजनी चाहिये अनुशूलित जारीयों/ अनुशूलित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है। जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उम्हे एकदम अस्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी I--उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय बैक ड्राफ्ट की पिछली ओर और उपर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिये। पोस्टल आईंगरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आईंगर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम पता लिखें।

टिप्पणी II—यदि कोई गेसा उम्मीदवार 1987 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है तिसने "सभिनिया विकित्सा सेवा परीक्षा 1986" द्वीपी ही सो उसे परिणाम या नियमित

प्रस्ताव का इनशार किए बिना आयोग के कार्यालय को आमता आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक प्रबंध सभा भेज देना चाहिए। यदि उसे 1986 की परीक्षा के परिणाम से गांधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित पार किया जाता है तो 1987 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर रद्द कर दी जायेगी वहाँ कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क याप्ति का उमका अनुरूप आयोग के कार्यालय में 1986 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख 30 दिन के प्रद्वय तक प्राप्त हो जाता है।

६. ग्रावेदन कैसे करें :

प्रारम्भिक पर्याप्ति में प्रत्येक नाहीं वाले उम्मीदवार को दिनांक 11 अक्टूबर, 1980 के समाचार पत्रों में या "रोजगार समाचार" दिनांक 11 अक्टूबर, 1986 में प्रकाशित तथा आयोग के नोटिस परिणिष्ठ II में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ भौकं सेवा आयोग, धोलापुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। उम्मीदवार समाचारपत्रों या "रोजगार समाचार" में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं, और उसके कालम स्वर्ण अपने हाथों से बाल पेन से भर सकते हैं। वे मफेद कागज (फुल स्क्रीन साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के राथ डबल सेप पर टक्कित आवेदन-प्रपत्र को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट जीनियरों से उपलब्ध ऐप्स में, आवेदन-प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे इस विज्ञापन के समाचार पत्रों या "रोजगार समाचार" दिनांक 11 अक्टूबर 1986 में यथा-प्रकाशित आयोग के नोटिस में प्रकाशित नमूने के अनुसर हों। उम्मीदवार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपत्रों पर भरे गये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायें।

आवेदन पत्र के निश्चाके पर गाँधी मार्ग सारे अवश्य में “सामरिला चिकित्सा मेवा परीक्षा, 1984 के लिये आवेदन” लिखा होता चाहिये।

(क) उम्मीदवार को अपने आनेदानन्दन के साथ निम्नलिखित प्रपत्र प्रशंस्य भेजने चाहिए :

(i) तिर्यारित शुक्र के निम्न ऐरोप्लान थेक ड्राइट भारतीय पोस्टल
प्राईंस वा भारतीय निगा से द्योइ (ii) हून फोन गावत वेपर पर
विसिवान भरा हुम्हा उत्तिवि पत्रक "शेकार समाचार" दिनांक
11 प्रस्तुवर, 1986 में प्रा दिनांक 11 प्रस्तुवर, 1986 के समाचार पत्रों में
यथा प्रकाशित आयोग के नामिन रु परेशिन्दा II के अनुवार, (iii)
उत्तोद्वार के हात हो के पर संचाल आकार (लगभग 5 सें. मी० X 7 सें.
मी०) के कोटों की दो एक जैसी प्रतियाँ—एक आवेदन पत्र पर तथा हूसी
उत्तिवि पत्रक में तिर्यारित स्थान पर लगी हो, एक पोस्ट कार्ड अपने
पत्र के साथ, (v) 11.5 में. मी० X 27.5 में. मी० आकार
के बिना टिक्का लो हो दो निम्ने प्रति पाँच के साथ।

(ब) उम्मीदवार इन रेंज कि प्रावेदन प्रत्र भरने सभ्य भारतीय प्रक्रियों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप की प्रयोग करता है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी प्रक्रियों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर सें कि जो प्रावेदन-प्रत्र वह प्रयोग में लाना है उसमें जन्म की तारीख भारतीय प्रक्रियों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि प्रावेदन-प्रत्र में ही गई प्रतिलिपि स्ट्रेट और युगाद्य हों। यदि वे प्रतिलिपि पढ़ो नहीं जा न लीजो ही या आपन ही तो उनके निर्बचन में होने वाली भाँति या संदिध्या के फिरे उम्मीदवार ही जिम्मेदार होगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों का, चांडे वे पट्टने मरकारों नौहरी में हा
या मरकारी श्रीदीपिक उत्तरकमा में हों, या हस्तो प्रकार के अथ्य संगठनो
में हो या गैर तरकारी सदस्यप्री में विद्युत हों, जाते यावेदन-प्रतिक आयोग
का सोधे भेजने चाहिए। प्रारं निर्मि उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र
अपने नियोजन के द्वारा भेजा हो और वह सच लोक सेवा आयोग में

वेर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, और ही बत नियोगी को प्राप्तिकी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो ध्यक्त घटने से सरकार; नौकरी में, स्वाही या अरथाई हैमिल से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिये विशेष स्पष्ट में नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें अकस्मिक या ऐनिक वर पर नियुक्त अनियामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्यमों में नेवारत हैं, उनको यह परिवर्तन (प्रणहर्टेकिंग) प्रस्तुत करता होगा कि उन्होंने नियिन स्पष्ट से अपने कार्यालय/विभाग के प्रध्यायक को भूक्ति कर दिया है कि उन्होंने हस परीक्षा के लिये आवेदन दिया है।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिये कि यदि आयोग को उनके नियोगी से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने से परीक्षा में बैठने मन्दिरी अनुमति रोकते हुए कोई पव नियता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा। उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

टिप्पणी: जिन आवेदन-पत्रों के साथ नियिन शुल्क संलग्न नहीं होता या जो अधरे या गलत भरे हुए हों, उनको पकड़म प्रस्तुत कर दिया जायेगा और किसी भी प्रवस्था में प्रस्तीकृति के सम्बन्ध में प्रभावेदन या पद्धत्यवहार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्रों के साथ आयु और जैसी योग्यता, तथा "अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्राप्ति के दार्दों के समर्थन में कोई प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करना है। इसलिये वे इस बात को सुनियित कर ले कि परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णः प्राप्तनिम होगा। यदि किसी बाद की तारीख का मत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो उन्होंने उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे उक्त नियिन परीक्षा का परिणाम जिसके जलाई, 1987 में घोषित किये जाने की संभावना है, घोषित होने के बाद आयोग की जल्दी प्रस्तुत करने के लिये नियिनिविन प्रतियों की अस-प्रमाणित प्रतियां तैयार रखें।

1. आयु का प्रमाण पत्र।

2. वैधिक योग्यता का प्रमाण पत्र।

3 जहाँ लागू हो, वहाँ परिषिष्ठ में नियिन प्रपत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

4 जहाँ लागू हो वहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

परीक्षा के लियिन भाग के परिणाम की घोषणा के तरकाल बाद आयोग सफल उम्मीदवारों से अनियिन सूचना प्राप्त करने के लिये एक प्रपत्र भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित प्रतियां इस प्रपत्र के साथ आयोग की भेजनी होंगी। मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

यदि उनके हारा किये गये दावे सही नहीं पाये जाते हैं तो उनके किसाफ आयोग हारा नीचे पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग हारा दोषी घोषित हो चुका है:—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या

(ii) किसी अधिकत के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे अधिकत को प्रस्तुत करना या
(iv) जाली प्रलेखों या फेर बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना या
(v) अग्रदृश या अमर्त्य वक्तव्य देना या महस्त्वपूर्ण सूचना छिपा कर रखना या

(vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में कोई अनियिन या अनुचित साधन अपनाना या

(vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या

(viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंग आते लिखना जो अस्तीन भाषा या प्रभाव आशय की हो या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटवहार करना या

(x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा, नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक धृति पहुंचाई हो या

(xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो।

(xii) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिये किसी को उक्तसाथ हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही:—

(क) वह नियम परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिये आयोग द्वारा, वह अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह

(ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या ध्यन के लिए,

(ii) केंद्र सरकार द्वारा, उनके धर्मीन किसी नियुक्ति के लिए;

स्थायी स्पष्ट से या कुछ अधिक के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और

(ग) अगर घंट्यहने में सरकारी नौकरी में हो सो उचित नियमावली, के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही का पात्र होगा।

किसी गर्त यह है कि इस नियम के धर्मीन कोई सास्ति धर्म तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(i) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो नियिन अस्वावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का प्रयत्न उसको न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में यह कोई अस्वावेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचारन कर दिया गया हो।

8. आवेदन-प्रपत्र लेने की अनियम तारीख

भरा हुआ, आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ सोक सेवा आयोग, घोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 20 नवम्बर, 1986 (24 नवम्बर, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल सीति ज़िले, चम्बा ज़िले के पांगी उप मंडल, अहमदाबाद और निकोशार द्वीप समूह या लालद्वीप और विदेशों में देने वाले उम्मीदवारों के द्वारा जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक देश से डाक द्वारा, प्राप्त होते हैं, उनके मापने में 8 दिसम्बर, 1986 तक या उसे पहले डाक द्वारा आवश्यकिता दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउंसिल पर आकर जमा करा दिया जाए।

अप्रम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश लालद्वीप और सीति ज़िले के पांगी उपमंडल, बंडेमान और निकोशार द्वीप समूह या लालद्वीप और विदेशों में रहते वाले उम्मीदवारों

से आयोग यदि चाहे तो इस बात का निखिल प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 नवम्बर, 1986 में पढ़ने की नारीख में असम, मेघालय, असाम-चल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लड़ाख प्रभाग, शिमालचल प्रवेश के लाहौल और स्तीति जिले, चम्बा जिले के पांची उपमंडल, डैडमान और निकोबार द्वीप समूह या लकड़ीप और विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे श्रेष्ठों के हैं जिन्होंने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हक्कावार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हक्कावार इनांके या श्वेत का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लड़ाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा ही सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संबंधी सेवा आयोग के काउंटर पर स्वयं जमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा, भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिये गये आवेदन-पत्र के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

9. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) **सिखित परीक्षा** :—उम्मीदवार दो-दो घंटे की अवधि के निम्नलिखित की प्रश्न-पत्रों में, परीक्षा देगा, जिनमें नीचे दिये गए विषयों पर वस्तुपूरक प्रश्न होंगे। ये अधिकतम 200 अंकों के होंगे। प्रश्न-पत्र (प्रश्न पुस्तिकार) के बाल अंग्रेजी में होंगी। दोनों प्रश्न-पत्रों में ऐसे प्रश्न होंगे, जिनमें विभिन्न विषयों के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा :—

प्रश्न-पत्र I (कोड सं. 1)	अंकों का प्रतिशत
(1)	(2)
(i) सामान्य आयुर्विज्ञान जिसमें हृदयरोग विज्ञान, तंत्रिक विज्ञान, त्वचारोग विज्ञान, और मनोरोग विज्ञान सम्मिलित हैं।	60%
(ii) शाल्य विज्ञान जिसमें कर्ण-नासिका, काण, नेत्र विज्ञान, अधिग्राह विज्ञान और विकलांग विज्ञान सम्मिलित हैं।	40%
प्रश्न-पत्र II (कोड सं. 2)	
(i) मिशुरोग विज्ञान	20%
(ii) स्क्रीनरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान	40%
(iii) निरोगक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान	40%
(ख) लिखित परीक्षा में अहेतुप्राप्त उम्मीदवारों का अधिकात्म परीक्षण	200 अंक

टिप्पणी I—नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपूरक परीक्षा से सम्बद्ध और कोई उल्लंघन करने वाली, “उम्मीदवार सूचनार्थी विवरणका” उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्र के माध्यमें भेजी जाएगी।

टिप्पणी II—उम्मीदवारों को वस्तुपूरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिकारों) का उत्तर देने के लिये केन्द्रकुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें केन्द्रकुलेटर परीक्षा भवन में महीना माना जाएगा।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा, अपनी विषयों में निर्धारित व्यूनतम अर्द्धक प्राप्त कर सकते हैं, उन्हें आयोग द्वारा अधिकात्म परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पारने उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर अधिकात्म परीक्षण के लिए श्रेष्ठ साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में कूट देकर अधिकात्म परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

अधिकात्म परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुप्रयोग के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट भेदों में उनको सामान्य जानकारी और कठनता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी अधिकात्म परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की श्रीदूधक जिकासा समीक्षात्मक सूचनाओं की घटित, सन्तुष्टित विवेचन शीलता मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की असता आरक्षित सत्य निष्ठा स्वतः प्रेरणा और मेत्रत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

11. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा के अनुप्रयोग के अंकों के क्रमशः 6 2/3/3 प्रतिशत और 3 1/3/3 प्रतिशत का महत्व देते हुए कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनको एक सूची तैयार की जाएगी और जिनमें उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है उनके ही लिये अनुसूचित जातियों के अधिकात्म परीक्षण के लिए अनुशंसित किया जाता है जिनमें अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निष्कर्ष लिया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों में, सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उन्हीं के लिये स्तर में कूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुशंसित जनजातियों के उम्मीदवारों की आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है जबतक कि परीक्षा में उनके योग्यता के क्रम से निरेक्षण रूप से इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

12. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को बैयक्षिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में दूर्चित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विकेत से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पत्र-व्याख्याता नहीं करेगा।

13. इस नोटिस में उल्लिखित अन्य उपबन्धों के अध्ययनीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पत्रों के निये बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई आधिकार सम्भव क्रमांक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाव उपकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ण बृत के आधार पर उपर्युक्त सेवा में नियुक्ति के लिये संवेद्या उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटोटिंग हस्टरशिप सफलतापूर्वक पूरी कर सके के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।

15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के आधिकारी के रूप में कार्य करने में काशक मिह दूसरे सके। सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवारों की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी। अधिकात्म परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16. कोई भी व्यक्ति :—

(क) जो किसी गेंद व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कागर कर लेता है जिनका कोई पति या पत्नी जीवित है, या

(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई कागर कर लेता है।

इस गेंदा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बाग से सल्लुट लो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह में सम्बद्ध इसरे व्यक्ति पर लाए वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार भीजूट है तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रतीक्षन से छूट दे सकता है।

17. उम्मीदवारों को गभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी छालत में, उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की महात्मा लेने की घनुस्ति नहीं ही जायेगी।

18. आयोग अपनी विवाह पर परीक्षा के लिये घर्तुक (क्षारीकाइंग) अंक विधारित कर सकता है।

19. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा :—

(i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र, जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित है, की पावती वी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदन-पत्र भी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। मदि परीक्षा में सम्बन्धित आवेदन-प्रतीकों की प्राप्ति वी आदिरी तारीख में एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र को पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करता चाहिए।

(ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन-पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहिले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संबंध लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करता चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के बाबे से वंचित हो जायेगा?

(iii) किसी भी उम्मीदवार को उसके परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

केवल इस सम्बन्ध का कि किसी उम्मीदवार को उसके परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह प्रथम नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अनिम स्पष्ट से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेदन पत्र में की गई प्रविधियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तिकथ परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अन्तिम प्राप्त कर लेने के बाब ही उसकी पावता की शर्तों का मूल प्रत्येकों से मत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा आपराधिक रूप से उम्मीदवारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अनंतिम रहेगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे म आयोग का नियंत्रण अनिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण-पत्र में नहीं जाही नाम तकीकी कारणों में संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(iv) उम्मीदवार का द्वाव बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र प्राप्ति, आवेदन पत्रों होने पर, उसको बदले हृण पते पर मिल जाया करे, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पुराना प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्णः—आयोग के साथ सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा औरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए :

1. परीक्षा का नाम
2. आवेदन पंजीकरण में अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
3. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा सौंदर्य प्रकारों में)।
4. आवेदन-पत्र में लिखा गया डाक का नाम।

विशेष ध्यान (i) : जिन पतों में यह औरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विशेष ध्यान (ii) : यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाब प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

20. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाब उम्मीदवारी की बापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

21. संबंध लोक मेवा आयोग ने “संबंध लोक मेवा आयोग की अस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका” शीर्षक से एक समूल पुस्तक छापी है। यह विवरणिका सं० ल००० में आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों की सहायता देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तक प्रकाशन नियंत्रक, रिक्विल लाइसेस, रिल्सी-110054 के पास विक्री के लिए सुलभ है और इहें उनमें सौंदर्य भेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। यह केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिवोल्वी निरेमा के सामने एस्पोरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लाक, बाबा शाहक तिह भारी, नई रिल्सी-110001 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्सी-110011 में स्थित प्रकाशन शाखा का शिक्षी काउण्टर और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी ली जा सकती है। उक्त विवरणिका आरम्भ सरकार प्रकाशनों के रिंमन्स मुफ्तिन छहरों में स्थित एंड्रेटों से भी उपलब्ध है।

22. इस परीक्षा के माध्यम ग जिन भेजाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिषिष्ट में दिये गये हैं।

एम० के० हृष्णन्
उप सचिव

परिषिष्ट-I

इस परीक्षा के माध्यम ग जिन भेजाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं—

1. रेलवे में सहायक प्रभागीय विकिरना-शिक्षिकारी

(क) पत्र अस्थायी है और पूर 'क' में है। पद का केन्द्रान र० 700-40-900-०० रो०-40-1100-50-1250-०० रो०-50-1600 (परिषिष्टित बेतनमान) है। इसके ग्रामा, समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों

के अनुसार प्रतिवर्षित, ब्रेकिट्स निवेद भरने भी होंगे। फिलहाल ये दरें आलू हैं :-

1--5 स्टेज	रु 150—प्र. मा.
6--10 स्टेज	रु 200—प्र. मा.
11--15 स्टेज	रु 250—प्र. मा.
16 वीं स्टेज से आगे	रु 300—प्र. मा.

निजी ब्रेकिट्स को प्रतिवर्षित या निवेद करने द्वाएँ समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा आरी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होता। जो उम्मीदवार मरकारी नौकरी में हो उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुगार प्रारम्भिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूततम वेतन दिया जायेगा।

(ब) उम्मीदवार को दो साल की परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस प्रवधि को आगे बढ़ा सकती है। परिवीक्षा की प्रवधि को सन्तोषजनक हुये से समाप्त करने पर वह प्रस्थायी हैसियत से उनको आगे चाला जायेगा।

(ग) परीक्षीका की प्रवधि में और उनके बाद प्रस्थायी नियुक्ति के दौरान, दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा, नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखती है।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा, निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और उसी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(इ) उम्मीदवार रेलवे में नियमों से नियन्त्रित होता है और राज्य रेलवे भविष्य निधि (प्रौ-प्रशासनीय) के समय-समय पर लागू नियमों के प्रधीन उस निधि का सदर्शन बनेगा।

(ज) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवधित और अपने स्तर के प्रधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का प्रधिकारी होता।

(क) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवधित नियमों के अनुसार अवधिकारी होता है।

(ल) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अवधर हिती परीक्षां में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(म) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अवधित होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्वापना संहिता के नियम 2423 का [के ० से० नि० 404 (ब)] में निर्धारित शर्त लागू होती है, बैच्स नियम में निहिन उपवन्दी के लाभ के पात्र होंगे।

परत् उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होता।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होता।

(ग) संगणनीय सेवा — जो व्यक्ति इन नियमों के प्रधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्वापना संहिता के नियम 2423 का [के ० से० नि० 404 (ब)] में निर्धारित शर्त लागू होती है, बैच्स नियम में निहिन उपवन्दी के लाभ के पात्र होंगे।

(द) जो बातें ऊपर विविचित रूप से कही गई हैं उन में और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्वापना संहिता और समय-समय पर परिसंचारित/प्रवधित नियमों के प्रधीन कार्य करेगा।

(इ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पारंपरिक स्टेजों के रेलवे स्वारूप केंद्रों और प्रधानराम में विवर किया जायेगा। महात्र भ्रातारीय विकिरसा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्वानन्दरित भी किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ग्रंथों में वेतनमानों और भत्तों महिनापक्षोन्नति के अवधर

(१) ऐसे सहायक भ्रातारीय विकिरसा अधिकारी जिन्होंने उक्त प्रेषण में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, भ्रातारीय विकिरसा अधिकारी (बरिल्ड वेतनमान)

के पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु 1100-1800 है। जिसके साथ 1 से 9 तक की अवधियाओं तक रु 300/- प्रति मास सीमित ब्रेकिट्स निवेद भत्ता तथा 10 अवधियां से आगे रु 350/- प्रति मास ब्रेकिट्स निवेद भत्ता आता है।

(२) ऐसे भ्रातारीय विकिरसा अधिकारी/बरिल्ड विकिरसा अधिकारी जिन्होंने उक्त प्रेषण में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है विकिरसा अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु 1500-2000 है तथा साथ में रु 500/- प्र० मा० ब्रेकिट्स निवेद भत्ता आता है।

(३) जैसा कि समय-समय पर विकिरसा किया जाता है रु 1500-2000 के प्रेषण में सेवा वर्षों की संज्ञा के आधार पर विकिरसा अधिकारी/अतिरिक्त मुच्य विकिरसा अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु 2250-2500 है तथा साथ में रु 500/- प्र० मा० ब्रेकिट्स निवेद भत्ता आता है।

(४) ऐसे प्रतिरिक्त मुच्य विकिरसा अधिकारी जिन्होंने उक्त प्रेषण में नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली, मुच्य विकिरसा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। इस पद का वेतनमान रु 2500-2750 है तथा साथ में रु 500/- प्र० मा० ब्रेकिट्स निवेद भत्ता आता है।

(इ) कर्तव्य और वायिक्षण :-

सहायक भ्रातारीय विकिरसा अधिकारी :

(१) वह प्रतिविदि और प्रावश्यक होने पर भीतरी बातों और बाहरी विकिरसा विभाग का काम देखेगा।

(२) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।

(३) वह अपने प्रधिकार के बाद में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य, और स्वच्छता का काम देखेगा।

(४) वह सामान विकेताओं की जांच करेगा।

(५) वह अन्यताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिये उसरवायी होता।

(६) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणों पर भी अपनी पक्ष तैयार करेगा।

(७) वह सभी उपस्कर्तों का रख-रखाने और बैठकों में अपने प्रभार में रखेगा।

टिप्पणी (१) : जब सहा० प्र० चि० अ० दिये प्रभाग के मुच्यालय में प्रभारीय विकिरसा अधिकारी के प्रभाग के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभारीय विकिरसा के सभी कर्मचारियों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको इुत्र कार्य और वायिक्षण भी सौंपे जा सकते हैं।

टिप्पणी (२) : सहा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सौंपे गये प्रभ्य कर्तव्य भी जिम्मेदार होंगे।

II रखा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुद्ध तथा आयुष उपस्कर कार-बाता स्वास्थ्य सेवा में सहायक विकिरसा अधिकारी के पद—

(क) वह युप 'क' में प्रस्थायी किन्तु याकृष्ण विशेष स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु 700-40-900-व० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार ब्रेकिट्स निवेद भत्ता (प्र० नि० म०)। इस समय वर नियमितिकृत है :—

1-5 स्टेज	रु 150/- प्रतिमास
6-10 स्टेज	रु 200/- प्रतिमास
11 स्टेज से आगे	रु 250/- प्रतिमास

(द) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जायेगा। यह अवधि समाप्त प्राधिकारी की विषय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर अस्थायी किये जाने तक अस्थायी हैसियत से बचाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारबाना, अस्पताल या औषधालय में नियूक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी बैंकिंग करना भना है।

(इ) परिवीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का प्रधिकार होगा।

(ब) उच्चतर प्रेडों के बेतनमान और भर्तों सहित पदोन्नति के प्रथसर :—

(i) वरिष्ठ बेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

बनिष्ठ बेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले प्रधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के बरिष्ठ बेतनमान के लिये पात्र होंगे। बेतनमान रु 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर फ्रैक्टिस नियैक भत्ता :—

1-3 स्टेज	रु 250/- प्रतिमास
4-5 स्टेज	रु 300/- प्रतिमास
6-7 स्टेज	रु 350/- प्रतिमास
8-9 स्टेज	रु 400/- प्रतिमास
10-11 स्टेज	रु 400/- प्रतिमास

(ii) सुपरटाइम प्रेड II—प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी/उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ बेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमित सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले प्रधिकारी प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी/उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम प्रेड II में पदोन्नति के लिए विचार किये जा सकते हैं। बेतनमान रु 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु 600/- प्र० मा० की दर से प्र० नि० भ०।

(iii) सुपर टाइम प्रेड-I—निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी और उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की लेवा पूरी कर लेने पर रु 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु 600/- प्र० मा० की दर से फ्रैक्टिस नियैक भत्ते के बेतनमान वाले निदेशक स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम प्रेड-I में नियुक्ति के पाप्त होंगे।

(४) कार्यस्त्रैप—(१) सहायक चिकित्सा प्रधिकारी

- (i) वे प्रतिवित और प्रावश्यक होने पर अस्पताल के वाहों के विभागों के अन्तर्गत रोगियों और औषधाजयों/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आवाने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्थिरों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रधार में रखेंगे।
- (iv) वे अपने प्रधिकार भेत्र में परिवार करवाण लोक स्वास्थ्य और औषधेगिक कर्मचारियों के स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

(v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरवायी होंगे।

(vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) ओ० ओ० ओ० प्रेड—I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० सं० नि०/स्वा० से० उ० के निदेशन पर चिकित्सा सम्बन्धी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी महायता करेगा।

(ख) अनुभाग प्रधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग की दैनंदिनी कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायता करेगा।

(ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए हूमरे कार्य भी उसको करने होंगे।

(घ) चिकित्सा अड्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

(इ) व० चि० छ०—व० चि० छ० 75 से कम पलंग वाले किसी कारबाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

(च) प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी के रूप में चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारबाना, महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और प्रावश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश द्वारा निर्धारित या स्वा० से० नि० द्वारा मौंग गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) सुपर टाइम प्रेड-II—स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक और प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उप-निदेशक/स्वा० से० निदेशक के द्वारा नियिष्ठ उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।

(ख) स्वा० से० नि० की गैर ह्याजिरी, छुट्टी या दौरे की प्रवधि में वह कारबाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।

(ग) प्र० चि० छ०—प्र० चि० छ० 75 वा इससे अधिक पलंग वाले किसी कारबाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा प्रधिकारी रहेंगे।

(घ) प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी के रूप में वे चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारबाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और प्रावश्यक अनुशंसा देते रहेंगे।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(ज) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) सुपर टाइम प्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी मामलों में कारबाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त मामलों में कारबाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रक प्रधिकारी—कारबाना महानिदेशक द्वारा प्रवत्त सभी प्रशान्तिक प्रधिकारों का यह दपयोग करेगा।

- (क) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसामों का न.।।
करने के लिए यह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्रधिकारी के हूप में वह आवश्यकतानुसार कारबाहों में कमेंटरियों का वितरण करेंगे।
- (घ) संच सेवा आयोग में सामान्यतः कारबाहा महानिवेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- (इ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारबाहों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्सा प्रसिद्धानों की कार्यविधि के सम्बन्ध से कारबाहा महानिवेशक का प्रतिवेदन भेजेंगे।
- (ज) वे स्वास्थ्य सेवा उप-निवेशक तथा स्वास्थ्य सेवा सहायक निवेशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और सभी प्रश्नान चिकित्सा प्रधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारियों तथा सहायक चिकित्सा प्रधिकारियों की रिपोर्टों की पुनरीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कलिष्ठ वेतनमान के पद

(क) पद अस्थायी है किन्तु अनिवार्य काल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कलिष्ठ सुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परिवीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्रम प्रधिकारी के निर्णय पर अटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि की सन्तोषजनक समाप्ति के बाद उनको यथासमय कलिष्ठ वेतनमान (रु. 700-1300) में स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य उंत्रा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी श्रीपदालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बद्री, भेरठ आदि में चालू के० स० रु० स०० स०० कोयला खान/माल्का खान श्रम कल्याण संगठन, अस्पत राहफल्स, अशगाचल प्रवेश, लकड़ीप, भंडाम एवं निकोबार छीप समूह डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा राहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) वेतन की ग्राह्य दरें निम्नलिखित हैं :—

कलिष्ठ प्रथम श्रेणी वेतनमान (चिकित्सा प्रधिकारी)

वेतनमान : रु. 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

प्र० नि० भ०

1 से 5 अवस्था तक	रु. 150 प्रतिमास
6 से 10 अवस्था तक	रु. 200 प्रतिमास
11 अवस्था तथा आगे	रु. 250 प्रतिमास

सामान्य इयूटी संबंध के ऐसे चिकित्सा प्रधिकारी वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति हेतु पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त घेड़ में कम से कम 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी)

वेतनमान : रु. 1100-50-1600

प्र० नि० भ०

1 से 3 अवस्था तक	रु. 250 प्रतिमास
4 से 5 अवस्था तक	रु. 300 प्रतिमास
6 से 7 अवस्था तक	रु. 350 प्रतिमास
8 से 9 अवस्था तक	रु. 400 प्रतिमास
10 से 11 अवस्था तक	रु. 450 प्रतिमास

७५५८५ इयूटी संबंध के ऐसे वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी के रूप में पदोन्नति के पात्र हों जाएंगे जिन्होंने उक्त घेड़ में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी

वेतनमान : रु. 1500-60-1800-100-2000 तथा साथ में रु. 600 प्रतिमास प्र० नि० भ०।

ऐसा मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (चयन घेड़) में नियुक्ति का पात्र होगा जो इस वेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर रहा है और जिसकी उक्त घेड़ में नियमित नियुक्ति के बाद कम से कम दो वर्ष तक वेतन बृद्धि रुक्ष गई हो।

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (चयन घेड़)

वेतनमान : रु. 2000-125/2-2250 तथा साथ में रु. 600 प्रतिमास प्र० नि० भ०।

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (चयन घेड़) के घेड़ में पदस्थ ऐसे प्रधिकारी सुपर टाइम घेड़ (स्तर-II) में पदोन्नति हेतु पात्र होंगे जिन्होंने उक्त घेड़ में 7 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (स्तर-II)

वेतनमान : रु. 2250-125/2-2500 तथा साथ में रु. 600 प्रतिमास प्र० नि० भ०।

सामान्य इयूटी उप-संबंध में सुपर टाइम घेड़ (स्तर-II) के घेड़ में पदोन्नति के पात्र होंगे जिन्होंने उक्त घेड़ में 2 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (स्तर-I)

वेतनमान : रु. 2500-125/2-2750 तथा साथ में रु. 600 प्रतिमास प्र० नि० भ०।

IV. चिकित्सा प्रधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(i) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथार्थीत्व स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु. 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिवर्षित प्रैक्टिस निवेदन भत्ता (एम० पी० ए०) इस समय दरे इस प्रकार है :—

1—5 स्टेज रु. 150/- प्र० मा०

6—10 स्टेज रु. 200/- प्र० मा०

11 स्टेज तथा इससे आगे रु. 250/- प्र० मा०

(ii) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परिवीक्षार्थी रहेगा। यह अवधि सक्रम प्रधिकारी की विवाह पर छटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षार्थी अवधि के सन्तोषजनक समाप्ति के बाद उक्त तक अस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्षित पर स्थायी किया जाता है।

(iii) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के प्रधिकारात्मकों के अस्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पेंसरी/मातृ और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में को जा सकता है।

(iv) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(v) परिवीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन प्रधान के द्वारा किसी भी स्तर से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का वेतन देने का अधिकार है।

उच्चतर घेड़ों में पदोन्नति की सम्भावनाएं, जिनमें वेतनमास तथा भत्ते सम्मिलित हैं, भर्ती नियमों के उपलब्धियों के प्रनुसार होंगी।

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSION
(DEPT. OF PERSONNEL AND TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi-3, the 15th September 1986

No. P/5/71-AD.V.—The services of Shri P. Sikdar, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of West Bengal with effect from 31st August, 1986 afternoon on superannuation.

No. A/19036/34/78-AD.V.—The services of Shri Ranbir Singh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of Punjab with effect from 31st August, 1986 afternoon on Superannuation.

The 19th September 1986

No. 4/2/86-AD.V.—The President is pleased to grant officiating Proforma promotion to Shri S. R. Jaiswal in the rank of Supdt. of Police/CBI in the pay scale of Rs. 1200-50-1700 with effect from the forenoon of 20th January, 1986 on which date his junior has been promoted.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 15th September 1986

No. A.13018/1/86-Admn.II.—The following Officiating Extra Assistant Directors of the Directorate of Coordination (Police Wireless) are confirmed in the posts of Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from 20th August, 1986.

1. Shri N. D. Sharma
2. Shri Amarjit Singh
3. Shri P. R. Gangopadhyay
4. Shri N. C. Das

B. K. DUBE
Director
Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-11003, the 15th September 1986

CORRIGENDUM

No. P.VII-1/82-Estt-J-Vol.IV.—In Notification No. P.VII-1/82-Estt-I-Vol.IV, dated the 29th October, 1983, the name of officer appearing at Serial No. 49 shall be read as under :—

For
“POJI RAM”

Read
“POJI RAM PRATIHAR”

The 18th September 1986

No. D.I.18/85-Estt-J.—The services of Shri D. R. Pathak, Asstt. Commandant, 64 Bn., CRPF are placed at the disposal of All India Radio on deputation basis with effect from 16th June, 1986 (AN).

No. A.VI-2/86-Estt-I.—The President is pleased to appoint the following persons as Dy.S.P. (Coy. Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders and posted to the units as noted against each :—

2. They have reported to ISA CRPF, Mount Abu for training and have taken over charge of their post on the dates noted against each :—

S.N.	Name	Date of taking Over Charge	Unit
1	2	3	4
1.	Shri Randeep Dutta	14-8-86 (AN)	5 Bn
2.	Shri Manoj Kumar Dubey	14-8-86 (AN)	19 Bn
3.	Shri Arun Kumar	14-8-86 (AN)	28 Bn
4.	Shri Prakash Kumar Dixit	15-8-86 (AN)	30 Bn
5.	Shri Ravi Deep Singh Sahi	14-8-86 (AN)	34 Bn
6.	Shri Balraj Singh Bawa	14-8-86 AN	69 Bn
7.	Shri Abhay Veer Chauhan	15-8-86 (AN)	77 Bn
8.	Shri Rakesh Kumar Yadav	14-8-86 (AN)	78 Bn
9.	Shri Kamal Kant Sharma	14-8-86 (AN)	79 Bn
10.	Shri Ajay Sood	16-8-86 (AN)	80 Bn
11.	Shri Vikram Sahgal	16-8-86 (AN)	GC AVD
12.	Shri Sangram Keshari Mohanty	14-8-86 (FN)	GC NMH
13.	Shri Darbar Singh Bains	14-8-86 (FN)	4 Bn
14.	Shri G.V.H. Giri Prasad	14-8-86 (FN)	8 Bn
15.	Shri Ravinder Kumar Badeshra	16-8-86 (AN)	11 Bm
16.	Shri Shakun Khanna	16-8-86 (AN)	36 Bn
17.	Shri Raj Navinder Singh Bahad	14-8-86 (FN)	72 Bn
18.	Shri Rajender Singh Chouhan	14-8-86 (AN)	76 Bn
19.	Shri Narendra Kumar Bhardwaj	14-8-86 (FN)	81 Bn
20.	Shri Baljinder Singh Dhaliwal	16-8-86 (AN)	82 Bn
21.	Shri Satyabir Singh Sidhoo	14-8-86 (AN)	83 Bn
22.	Shri Trilok Singh Kadamb	14-8-86 (AN)	GC BBSR
23.	Shri Ajay Bharatan	15-8-86 (AN)	13 Bn
24.	Shri Vivek Vaid	14-8-86 (AN)	33 Bn
25.	Shri Kodur Venkatesh	15-8-86 (AN)	47 Bn
26.	Shri Manidhar Jha	14-8-86 (FN)	54 Bn
27.	Shri Yadvinder Singh	15-8-86 (AN)	61 Bn
28.	Shri Praveen Kumar Sharma	14-8-86 (AN)	67 Bn

1	2	3	4
29.	Shri Mool Chand Panwar	14-8-86 (AN)	73 Bn
30.	Shri T. Sekar	16-8-86 (AN)	74 Bn
31.	Shri Rajender Kumar Kashyap	14-8-86 (AN)	84 Bn
32.	Shri Ram Gopal Rai Bhat	14-8-86 (AN)	85 Bn
33.	Shri Radha Mohan Meena	14-8-86 (AN)	25 Bn
34.	Shri Nagarajan Penumur	14-8-86 (FN)	26 Bn
35.	Shri Sham Chand	14-8-86 (FN)	27 Bn
36.	Shri Sarbjit Singh	14-8-86 (AN)	31 Bn
37.	Shri Partap Singh	14-8-86 (AN)	44 Bn
38.	Shri Arunender Pratap	14-8-86 (AN)	60 Bn
39.	Shri Marianus Minj	14-8-86 (AN)	87 Bn
40.	Shri Vijender Kumar Kundal	14-8-86 (FN)	GC GTY]
41.	Shri Amer Singh Negi	22-8-86 (AN)	16 Bn
42.	Shri Dibin Singh Negi	14-8-86 (FN)	22 Bn
43.	Shri Ajay Kumar Narzary	14-8-85 (FN)	GC BTB]

M. ASHOK RAJ
Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th September 1986

No. E-32015(3)/10/84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri D. S. Badwal, Asstt. Comdt., on promotion as Deputy Commandant, CISF Unit, HFCL Haldia with effect from the forenoon of 4th September, 1986 on regular basis.

The 10th September 1986

No. E-16013(1)/2/86-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri B. B. Mishra, IPS (OR : 67) assumed charge of the post of DIG CISF Unit, RSP Rourkela with effect from the forenoon of 26th August, 1986.

The 12th September 1986

No. E-16013(2)/40/84-Pers.I.—Consequent upon his appointment on transfer on deputation to Government of Tripura, Shri K. K. Das, IPS (WB : 69) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit, ASP Durgapur with effect from the afternoon of 16th August, 1986.

The 19th September 1986

CORRIGENDUM

No. E-31013(1)/4/85-Pers.I.—The following is added to third sentence of CISF HQrs. Notification Nos. E-31013(1)/4/85-Pers.I, dated 6-6-86 :—

"or from the date of their taking over charge whichever is later."

D. M. MISRA
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,
INDIA

New Delhi-11, the 19th September 1986

No. 13/3/86-Ad.1.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Srivastava, a Grade III Officer of the Indian Statistical Service, working in the office of the Registrar General, India, New Delhi, relinquished the charge of the post of Assistant Central Tabulation Officer in the same office, with effect from the afternoon of the 31st July, 1986.

V. S. VERMA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION
DEPTT. OF LABOUR
LABOUR BUREAU

S' himla-171004, the 3rd October 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number of Industrial Workers Base : 1960—100 increased by four points to reach 672 (Six Hundred Seventy two) for the month of August, 1986. Converted to Base 1949=100 the index for the month of August, 1986 works out to 817 (Eight hundred Seventeen).

VIJAY KUMAR
Dy. Director
Labour Bureau

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 17th September 1986

No. Admn.I/8-132/86-87/974.—Shri D. Prasada Rao and Sri S. Raman-II, Audit Officers, Office of A.G. (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the A.N. of 31-8-1986.

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E)-I
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th September 1986

No. Adm.I/11-144/Notfn./1949.—The Principal Accountant General, U.P. Allahabad has appointed the following Section Officer to officiate as Accounts Officer in this office until further order, in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name :—
Sl. No., Name and Date of Promotion

1. Shri Ram Prasad Ram (S.C.), 06-08-1986 (FN).

MINAKSHI CHAK
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I
WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 4th August 1986

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/1215-19.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Gouranga Chand Dutta, Section Officer (Audit) as Assistant Audit Officer (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August 1986.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F. O.M. dated 26th September 1981 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

No. Admn.I/Promotion-93/GO/1220-1223.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Hiraial Saha (II), Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August 1986 in the offices of the Accountant General (Audit) I/Accountant General (Audit) II, West Bengal until further orders.

The promotion is subject to final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court.

The newly appointed Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F. O.M. dated 26-9-81 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

H. S. MURTY
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal

Calcutta-700001, the 11th September 1986

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/467-469.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Dulai Chandra Nasar, S.O. (Audit) to officiate as Asstt Audit Officer (Group-B Gazetted Post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040) in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 29th May, 1986 in the offices of the Accountant General (Audit)-I and Accountant General (Audit)-II, West Bengal, Calcutta until further orders.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Asstt. Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F., O.M. dated 26-9-81 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/316.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Nihar Ranjan Saha, Section Officer (Audit) currently on deputation to the Office of the Joint Chief Controller of Exports & Imports to officiate as Assistant Audit Officer (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1986 or the date of taking over charge, whichever is later until further orders.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(6) of G.I.M.F. OM No. dated 26-9-81 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

The 12th September 1986

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/1603.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 4th September, 1986.

1. Shri Bikash Chandra Mukhopadhyay
2. Shri Gourishanar Bhattacharya [on deputation to A.G. (A&E), Sikkim].
3. Smt. Kalyani (Mitra) Ghosh
4. Shri Ram Kanai Das

Those promotions are subject to the final outcome of the Writ petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F. O.M. dated 26th September 1981, for neither to fix their pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

S. K. MISHRA
Sr. Dy. Accountant General (Admn)
West Bengal

Calcutta-700001, the 9th September 1986

No. Admn.I/1038-XXI/1068.—The Accountant General (A&E), West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis Shri Piyush Kumar Bandyodhyay, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity w.e.f. 14-8-86 (AN) or the date on which he actually takes over charge thereafter as Accounts Officer in this office whichever is later and until further orders.

It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818 (W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officer will have to exercise option within one month. On their promotion their pay shall be first fixed under F.R. 22C and in case they exercise option in terms of para 2 (b) of OM dated 28-9-81 within the prescribed period of one month, their pay should first be fixed under F.R. 22(a) (i) with effect from the date of their promotion and then F.R. 22C only w.e.f. the date of next increment in the feeder post.

D. MISHRA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th September 1986

No. 2548/A-Admn/130/86.—On attaining the age of superannuation, Shri S. S. RamaSwamy, Substantive Audit Officer, Defence Services retired from service with effect from 31-8-86 (AN).

B. S. GILL,
Joint Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 10th September 1986

No. AN-I/1172/1/Vol. IV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers (on deputation/ on course as noted against their names) of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (scale Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, under 'Next

Below Rule, with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name of the officer	Date	Where serving
1	2	3	4
1.	Kum. Usha Sen	4-7-86 (FN)	Student Officer, 26th Course at National Defence College, New Delhi
2.	Shri K. Radhakrishnan	30-7-86 (AN)	Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi.

No. AN-I/1172/1/Vol.IV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (scale Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, with effect from the dates shown against their names, and until further orders:

1. Shri VED PARKASH 09-07-86 (FN).
2. Shri BINOD BIHARI RAY 29-07-86 (FN).
3. Shri SHYAMAL KUMAR CHOWDHURY 22-07-86 (FN).
4. Shri P. R. SIVASUBRAMANIAN 04-07-86 (FN).
5. Shri V. K. BHANDARKAR 30-07-86 (AN).

No. AN-I/1174/1/Vol. III—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation assignment as noted against their names) to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service under "Next Below Rule, with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

Sl. No.	Name of the officer	Date	Where serving
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Amit Cowshish	30-5-86	Under Secretary, Ministry of Defence, New Delhi.
2.	Dilipa Kumar Biswas	10-7-86	Under Secretary (JF/Fys), Ministry of Defence, Calcutta.
3.	Bhagat Ram Baila	17-7-86	Assistant Financial Adviser (AF/Eqpt) Ministry of Defence (Finance Division) New Delhi.
4.	R.B. Balasundaram	31-7-86	Under Secretary, Deptment of Education, Ministry of Human Resource Development, New Delhi.

No. AN-I/1174/1/Vol. III—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, with

effect from the dates shown against their names, and until further orders:—

Sl. No.	Name of the Officer	Date
1	2	3
S/Shri		
1.	G.K. Menon	7-1-86 (FN)
2.	Shrimati Priti Mohanty	24-3-86 (FN)
3.	Suhas Banerjee	25-2-86 (FN)
4.	Ashok Kumar Chopra	7-1-86 (FN)
5.	Pradeep K. Das	30-5-86 (FN)
6.	B.G. Krishnamurthy	17-7-86 (FN)
7.	M. Hariharasubramanian	31-7-86 (FN)
8.	Arunava Dutt	10-7-86 (FN)

The 15th September 1986

No. AN-I/1170/1/Vol.VI.—Consequent upon their selection for appointment to the Indian Administrative Service and the Indian Police Service, the undermentioned probationary officers of the Indian Defence Accounts Service have been relieved of their duties on the dates indicated against their names and struck off the strength of the Defence Accounts Department:—

1. Shri BIPIN BIHARI MALLIK 22-08-86 (AN).
2. Shri SWARAJ BIR SINGH 22-08-86 (AN).
3. Shri NIRMAL CHANDRA ASTHANA 13-08-86 (AN).
4. Shri P. D. VAGHELA 19-08-86 (FN).

R. B. KAPOOR,
Addl. Controller General of Defence Accounts
(Admn.).

MINISTRY OF LABOUR DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 17th September 1986

No. 7(2)84-Adm.I/6559.—The following Assistant Administrative Officers are promoted to officiate in the posts of Administrative Officer on ad hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety from the dates shown against their names.

1. Shri A. K. Roy 12-3-86 (AN).
2. Shri B. A. Rajel 1-5-86 (FN).

No. 7(2)84-Adm.I/6567.—Shri B. B. Pandey, Stenographer Gr.I is promoted to officiate to the post of Administrative Officer on ad hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 16-5-86 (AN).

No. 7(2)84-Adm.I/6574.—Shri R. N. Sen, Asstt. Administrative Officer (Ad-hoc) is promoted to officiate to the post of Administrative Officer on ad hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1-5-1986 (FN).

(Sd./-) IILEGIBLE
Director General of Mines Safety

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 1st September 1986

No. A-32014/1/86/Estt.—Shri S. D. Kewalramani, a permanent Section Officer (Accounts & Statistics) in the Directorate of Sugar is appointed to officiate, on purely temporary

and ad hoc basis, in the post of Inspecting Officer (Sugar) in the same Directorate, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EM-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the 4th September, 1986 (forenoon) for a period not exceeding six months.

2. Shri Beni Prasad, Assistant (Accounts & Statistics) (Selection Grade) in the Directorate of Sugar is appointed to officiate on purely temporary and ad hoc basis, in the post of Section Officer (Accounts & Statistics) in the same Directorate in the pay scale of Rs. 500-20-700-EB-25-900 with effect from the 4th September, 1986 (forenoon) for a period not exceeding six months.

V. LAKSHMI RATAN,
Jt. Secy. (Sugar).

(DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS
AND FATS

New Delhi-110003, the 11th September 1986

No. A-12023/1/84-Estt.—Shri N. Krishna Reddy is appointed as Inspector (Vanaspatti) in the Directorate of Vanaspatti Vegetable Oils & Fats, Ministry of Food and Civil Supplies in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary regular basis with effect from 18th August, 1986 (FN), until further orders.

K. M. SAHNI,
Chief Director.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 15th September 1986

No. A-19018(352)/78-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri P. Achuta Rao, Assistant Industrial Designer, Small Industries Service Institute, Madras from Govt. service effect from the afternoon of 4th July, 1986.

The 17th September 1986

No. A-19018(745)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Dilip Chakraborty, as Assistant Director (Gr.I) (Leather/Footwear) at Branch Small Industries Service Institute, Port Blair under Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 1-7-86 until further orders.

The 18th September 1986

No. A-19018(760)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Brahma, Asstt. Director Gr.II) (Industrial Management Training), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr.I) (Industrial Management Training) at Branch Small Industries Service Institute, Rayagada, under Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 16-6-86 until further orders.

C. C. ROY,
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON AND STEEL CONTROL
Calcutta-20, the 3rd September 1986

No. EI-12(78)/86(.).—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Bhattacharjee, Assistant Commissioner of

Payments has relinquished charge of the post w.e.f. 1-9-1986 (FN).

S. K. SINHA,
Dy. Iron & Steel Controller.

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th September 1986

No. 6258B/A-19012(2-AJ)/85-19B.—Shri Anil Jayal, is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28-7-86, until further orders.

The 17th September 1986

No. 6338B/A-19011(1-PKS)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Praveen Kr. Sinha to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14-7-86, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th September 1986

No. A-19011(187)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the President is pleased to appoint Shri V. K. Arora, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the afternoon of 31-7-1986, until further orders.

No. A-19011(189)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the President is pleased to appoint Shri V. M. Prabhushettar, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 6-8-1986, until further orders.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 17th September 1986

No. A-19011(3)/79-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri M. Mukherjee, officiating Regional Controller of Mines to the post of Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28-7-86 until further orders.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th September 1986

No. E(I) 08049.—Shri I. M. Naik, Assistant Meteorologist Regional Meteorological Centre, Bombay, India Meteorological Department, has been retired from the Government service with effect from the forenoon of 1-8-1986 under Rule FR : 56(J).

S. K. SAHA
Director (Establishment)
for Director General of Meteorology

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING
ORGANISATION

Calcutta-19, the 16th September 1986

No. 35-2/86-Estt(S.O.)—Shri Tridib Kumar Basu relinquished the charge of Ad hoc Junior Technical Officer and assumed the charge of Scientific Officer, General Central Service, Group 'B', Gazetted on promotion in the Scale of Pay of Rs. 650-1200 in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation, Department of Science & Technology, Calcutta with effect from the forenoon of 10th September, 1986 until further orders.

No. 35-2/86-Estt(S.O.)—Shri Lila Dhar Gautam, who was officiating in the post of Scientific Officer, General Central Service, Group 'B', Gazetted, on ad hoc basis is regularised in the same post in the scale of pay of Rs. 650—1200 in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation, Department of Science & Technology, Calcutta with effect from 9th September 1986, until further orders.

G. K. DUTT
Director

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi-110 001, the 29th August 1986

No. 6/57/86-S-II.—Consequent on his transfer from CBS, All India Radio, New Delhi on promotion, Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri B. S. Pawar as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Rajkot at Delhi i.e. a place away from the Headquarters upto 31st August 1986 with effect from 19th August 1986 (FN).

B. S. SANDHU
Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th August 1986

No. 1(2)/86-S-II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Dharam Vir Bhakoo, Head Clerk, Doordarshan Kendra, New Delhi to the post of Administrative Officer, All India Radio, Nagpur on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 22nd August 1986 (Forenoon) until further orders.

Shri Bhakoo has assumed the charge of the post of Administrative Officer, All India Radio, a place away from the Headquarters on the same date.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 12th September 1986

No. 17/4/86-S. IV(B).—Consequent upon his promotion, Shri Ajit Ranjan Das, Senior Engineering Assistant has taken over the charge of the post of Assistant Engineer in the office of Station Director, All India Radio, Cuttack on 8th August 1986 (FN).

S. R. KAKAR
Senior Analyst
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 17th September 1986

No. A-31014/1/86-Estt.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri M. S. Ingle in the Films Division to the post of Educational Adviser in the substantive capacity with effect from the 5th April 1985.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 1st July 1986

ORDER

No. 4-1/81-Vig.(Vol.II).—WHEREAS chargesheet was issued to Shri Harvinder Singh ex-HVD under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide Memo 4-1/E/81-Vig. dated 4-2-81. Shri P. N. Mishra was appointed as E.O. on 28-2-81, who submitted the Enquiry Report bearing No. 23-E/81 dated 16-6-82 on the following charges :—

CHARGE I.—

That the said Shri H. V. Singh while functioning as HVD in DMS was posted on Milk Distribution duty at R. No. 78 (M) on 21-12-80. On a surprise raid conducted by Shri Y. R. Singh, Section Manager alongwith S/Shri G. C. Singh & V. K. Chawla, Asstt. Milk Distt. Officers of the said route, it was observed that the souls of the milk cans in the milk van were tampered with. He is thus charged of tampering of seals of milk cans in connivance with other members of the milk van with ulterior motive.

CHARGE II

That the said Shri H. V. Singh while functioning in the aforesaid office was deployed on milk distribution duty at R. No. 78(M) on 21-12-80 alongwith S/Shri Jagpal Singh, Ved Parkash, Mates and Sat Parkash, D. P. Mate. Card No. 991. The raiding party collected six sample from six milk cans available in the milk van. Out of which two samples were found adulterated in QCL. He is thus charged of adulterating the milk in connivance with S/Shri Jagpal Singh and Ved Parkash Mates.

The charges levelled against him were proved. The then Disciplinary Authority had imposed a penalty of removal from service vide Order No. 4-1/81-Vig. dated 28-6-82 after giving show cause notice.

AND WHEREAS Shri Ved Parkash had filed a review petition against the penalty of removal from service already imposed on him by the Joint Commissioner (DD), Deptt of Agriculture & Cooperation in the capacity of Disc. Authority vide order of even number dated 28-6-82. The President had come to the conclusion that no reasonable opportunity was given to the Charged official to defend himself. The Petitioner was not given reasonable opportunity to cross-examine the Prosecution witness whose statement were recorded by the Inquiry Authority on 13-5-82, when the accused official was not present. The penalty order issued by the then Disc. Authority was not a speaking order in as much as no reasons on the basis of which the Dis. Authority had come to the conclusion and imposed penalty of removal from service on the petitioner has been indicated therein. In exercise of the powers vested in him under Rule 29(1)(C) of CCS (CCA) Rules, 65 the case was remitted to the Competent Disciplinary Authority for holding a de-novo proceedings against the petitioner, Shri Ved Parkash, ex-Mate by complying with the normal rules and procedures laid down under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide Order No. 17014/3/83-AVU dated 21st Dec. 1983.

AND WHEREAS a de novo proceedings orders were issued against all the Charged officials involved in this case namely S/Shri Harvinder Singh, HVD, Jagpal Singh, and Ved Parkash, Mates vide Order No. 4-1/81-Vig. dated 25th May 1984 issued by Shri Arun Sedwal, FA&CAO, the then

Disciplinary Authority in this case. Shri B. L. Oberoi was appointed as Enquiry Officer to conduct enquiry in this common proceedings case, who submitted his report bearing No. 53/EO/83(B) dated 8th July 1985, in which the charge levelled against all involved officials were proved.

AND WHEREAS the undersigned has carefully examined the finding of the Enquiry Officer and other relevant record of the case and agrees with the findings of E.O. It is observed that Shri Ved Parkash who had filed Review Petition had only participated in the enquiry proceedings. It has been observed that the Shri Y. R. Singh's report is entirely correct and two senior members of the Raiding Party had also confirmed that the plunger had been used while drawing sample. The procedure for collection of samples and its sealing and further depositing them in the QCL for laboratory tests had been followed, which has been confirmed by the member of the raiding party that the six samples from six cans had been collected in the bottle taken from the van itself and those samples had been drawn in the presence of the van staff. The sample bottles were tied with paper and thread at the neck and some marking had been done on the sealed paper and the signature of the HWD had been taken thereon. The undersigned also finds that the allegation that the raiding party intended to be prised for their successful mission is also too vague. It would be out of place to mention that no written petition was raised by any of the charged officials either to the manner of collection of sample or to the manner of bringing the same in the QC laboratory. The samples were coded and re-coded in the QCL in order to remove any misgivings. The tests were conducted by the Sr. Analyst and the results were then confirmed by the Dairy Bacteriologist, Shri Bishamber Singh. The adulteration of two of the six samples—Sr. No. 4 and 5 were found to the extent of 38.7% and 32.3% respectively. The adulteration of milk is a very serious offence. Shri Y. R. Singh being the leader of the Raiding Party had himself checked the seals of the cans kept in the van and had found the same to be tampered with. The gravity of the offence committed by the above van staff is very serious which warrant that retention of such a Charged official named Harvinder Singh, ex-HWD in Govt. service is not in public interest nor in the interest of the DMS. The undersigned therefore finds him guilty of this serious charge.

AND THEREFORE in exercise of the powers under Rule 11 of CCS (CCA) Rules, 1965, the undersigned for good and sufficient reasons hereby imposes a penalty of removal from service on Shri Harvinder Singh, Ex. H.W.D. The undersigned further orders that the period of his removal from service i.e. 28-6-1982 till date will be treated as dies non i.e. the same will not be treated as duty for any purpose and will not constitute a break in service.

Receipt of this Order may be acknowledged.

BALDEV CHAND
Dy. General Manager (Admn.)
Disciplinary Authority

Shri Harvinder Singh ex-H.V.D.,
S/o Shri Mehar Singh,
Village Simbli,
P.O. Mehtiana,
Distt. Hoshiarpur (Punjab)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 10th September 1986

No. NFC/PAR/0704/1672.—Deputy Chief Executive (Admn. & Accounts) appoints Shri N. S. Ajaikumar, Steno Grade-III, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis from 30-8-1986 to 29-9-1986 or until further orders whichever is earlier.

The 12th September 1986

No. NFC/PAR/0703/1700.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/1526 dated August 9, 1986, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on adhoc basis is extended up to 2-10-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH
Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 16th September 1986

No. AMD-16/1/86-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division hereby appoints Shri I. V. Govindarajan, a permanent Sr. Stenographer and officiating Assistant Personnel Officer, Nuclear Fuel Complex as Administrative Officer Grade II in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of August 29, 1986 until further orders.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th September 1986

No. Ref.: 05012/R/3955.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Sh. Purushottam Krishnaji Kulkarni, Scientific Officer/Engineer (Gr. SB) of BARC in the same capacity in Heavy Water Plant (Baroda) wef June 16, 1986 (FN) until further order.

No. Ref. HWPs/R4/OP/3956.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis wef May 26 1986 (FN) to June 26, 1986 (AN) vice Shri T. S. Sivaramakrishnan, Assistant Accounts Officer, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560017, the 10th September 1986

No. 020/1/(15.1)/86-Est. I—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of the following employees from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre Bangalore of the Department of Space with effect from the dates mentioned against their names:

Sl. No.	Name	Post	Date of resignation
1	2	3	4
1.	Kum. Uma Madapur	Sci/Engr. 'SB'	11-8-86
2.	S.R. Ravi Prakash	Sci/Engr 'SB'	5-8-86
3.	A.R. Revindran	Sci/Engr 'SB'	26-8-86

H.S. RAMADAS,
Administrative Officer-II,

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 15th September 1986

No. 16/450/86-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Krishna Kant Soni as Research Officer at the Forest Research Centre, Coimbatore under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun in a temporary capacity wef Forenoon of 11-8-86 until further order.

J. N. SAXENA
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOM

Calcutta-1 the 29th August, 1986

Sub — Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent, Group 'B'.

I. Promotion

No. 220/86—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectors of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur is hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs 650-30-70-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date they assume charge of the higher post Superintendent of Central Excise, Group 'B' at the place of their posting and until further orders

Sl. No.	Name	Existing posting
1	2	3
S/Shri		
1.	Subir Kumar Bandopadhyay	CAU Barasat Customs Division, Cal-II Coll'te.
2.	Subodh Chandra Biswas	Dum Dum Central Excise Division, Range-V Cal-II Coll'te.

The above mentioned promoted officer is further warned that their appointment in Group 'B' posts is purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits when they become available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs of Order No. 9/11/55/SRPS/ dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

Their promotion will be subject to final outcome of the writ petition C.R. No. 8496 (W) of 1984 filed by Shri Gour Kr. Dey, Inspector (S.G.) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the Writ Petition filed by Shri S.R. Dutta Sharma, Inspector and other on reservation matters.

II. Transfer and Postings

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders—

Sl. No.	Name of the officer	Existing posting	Posting in promotion/transfer
1	2	3	4

S/Shri

1.	Subir Kr. Bandopadhyay	CAU Barasat Cus. Divn., Cal-II Coll'te.	Bolpur C. Ex.
----	------------------------	---	---------------

1	2	3	4
2.	Subodh Ch. Biswas	Dum Dum C. Ex. Divn. Range-V, Cal-II, Coll'te.	Bolpur C. Ex. Coll'te.
3.	Adhir Kumar Biswas	Durgapur Steel Divn., Bolpur CE. Coll'te.	Cal-I Coll'te.
4.	P.M. Roy, Superintendent.	Under order of transfer from Asansol CE Divn. to Col-II Coll'te vide this Estt. Order No. 132/86 dt. 29-5-86	Retained in Asansol Divn. in partial modification of this Office Estt. Order No. referred to Col. 3.
5.	P.L. Saha, Supdt.	T&A Unit Cal-I	Chandernagore CE Divn. Cal-II Coll'te.
6.	N.G. Kar, Supdt.	Chandernagore CE. Divn.	Cal-I Coll'te.
7.	Santosh Kr. Dutta	Cal-E'Divn.	Durgapur Steel Coll'te.
8.	Khagendra Nath Mondal	Bolpur Coll'te	Cal-I Coll'te.

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent, C.Ex. Gr. 'B' by promotee/transfer may be forwarded to the Deputy Collector (P&E), C.Ex.Cal-I/II/Bolpur.

The promotee officers should exercise his options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs O.M. No F/7/1/80/Estt./Pt. I dated 26-9-81'

The officers should be relieved immediately by local arrangement.

C. BHUJANGASWAMY,
Principal Collector
Customs & Central Excise

CENTRAL WATER COMMISSION

Delhi-110 066, the 15th September 1986

No. A-19012ffl1134ffl85-Estt.V.—Chairman Central Water Commission hereby appoints Shri Jagbir Singh Kain, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 5-8-1985.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.

New Delhi-110 066, the 17th September 1986

No. A-19012/1171/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Rama Shankar Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 26-6-1986.

No. A-19012/1200/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. K. Khubchandani, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 4-7-1986. On his promotion Shri A. K. Khubchandani is posted to Central Electricity Authority, New Delhi.

D. KRISHNA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY & CO. AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Dalmia Biscuits Pvt. Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 1643/560/2967.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dalmia Biscuits Pvt. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sandhu Conveyor Co. Private Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 1852/560/2970.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three Months from the date hereof the name of the M/s. Sandhu Conveyor Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sukdeo Singh Construction Co. Pvt. Ltd*

Patna, the 17th September 1986

No. 1796/560/2973.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three Months from the date hereof the name of the M/s. Sukdeo Singh Construction Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Lucky Paper Products Pvt Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 1537/560/2976.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three Months from the date hereof the name of the M/s. Lucky Paper Products Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Kanishk Builders Pvt Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 1917/560/2985.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Ms. Kanishk Builders Pvt. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Shri Shakti Cold Storage and Industries Pvt Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 467/560/2982.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Shri Shakti Cold Storage and Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and
M/s. See Enterprises (Engineers) Pvt. Ltd.*

Patna, the 17th September 1986

No. 1551/560/2979.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the M/s. See Enterprises (Engineers) Pvt. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Patna, Bihar

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Papier Process us Private Limited*

Madras-600 006, the 19th September 1986

No. 8540/560/86.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Papier Process us Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. C. DAV
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Rashmi Saving and Finance Private Limited*

Kanpur, the 12th September 1986

No. LC/4433/560/10925.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rashmi Saving and Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Kanpur, U.P.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.
Ahmedabad, the 4th September 1986

Ref. No P. R. No. 4709 Acq. 23 II/86-87.—Whereas I,
B. R. KAUSHIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 479, C.T.S. No. 12616-S, Kunj Co-op. Housing
Society Ltd., Plot No. 5, Sayaji Ganj, Baroda
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S. R. Baroda on July 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (1) Smt. Bhanumati Ben Champaklal Patel,
(P.D. Holder)
Harshadrai Gulabhbhai Desai,
5, Kunj Society,
Sayaji Ganj,
Baroda.
(Transferor)
- (2) Shri Rajendra Bhagvatprasad Joshi and others,
Bajava, Taluka : Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Form No. 37G is filed in the office of the S.R. Baroda
in respect of the A.C. Rs. 5,40,000/-.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandubhai Ranchhbhai Patel,
Gorva, Taluk : Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Yogeshvar Co-op. Housing Society Ltd.,
Gorva, Taluk : Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 4th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4708/H/Acq. 23-86-87.—Whereas, I
B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
R.S. No. 1146, T.P.F.P. No. 617, Paiki 2685 Sq. Mtrs.+2685
Sq. Mtrs.=5370 Sq. Mtrs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., S.R. Baroda on 10-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two sale deed were registered in the office of the S.R. Baroda bearing Regd. No. 6604-I and 6607-I on 10-7-86 of Rs. 2,89,010/- each.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th September 1986

Ref. No. M. 1093/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Sector 7 situated at 'C' Block Sector 7 Faridabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,
No. 217 date 20-1-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Shiv Charan Lal Sharma s/o
Chandan Lal Sharma
R/o. Shikandarpur, at Shikandrapur.
(Transferee)
- (2) M/s. New Com. Investment Pvt Ltd, Through
Shri Kishan Lal Malhotra s/o Chandra Prakash,
Block 'C' Sector-7, Faridabad.
(Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from that transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land Sikandarpur, Pargana Dankaur, Ghazia-
bad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Raj Dulasi widow Late
Shri Anand Swarup
R/o Ram Niwas Radha Krishan, Khurja.
(Transferor)

(2) Shri Punjabi Sahakari Awas, Samiti Ltd. Khurja
Through Shri Radha Krishan Bajaj
S/o Shri Govind Ramji (President) Khurja.
(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th September 1986

Ref. No. M 1095/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land No. 1837/15/17-0 Khurja
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khurja under registration No. 492/86 date 23-1-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1837/15-17-0 Vishwa, Khurja.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th September 1986

Ref. No. 1092/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Nil situated at Salarpur Khadar G. Bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.
(Ghaziabad) Dadari under registration No. 295 date Jan 86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Khacheru S/o Sera
R/o Salarpur Khadar
Present—Sikandrabad.
(Transferor)
- (2) Shri Maharsi Ved Vigyan Vidyapith,
Maharsi Nagar, Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Village—Salarpur Khadar Bhagel, Begumpur,
Free hold—Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

18—276 GI/86

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chet Ram S/o Sera
R/o Salarpur Khadar,
Maharsi Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 8th September 1986

(2) M/s. Maharsi Vcd Vigyan Vidyapith,
Maharsi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. M-1091/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nil situated at Salarpur Khadar G. Bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., (Ghaziabad) Dadari under registration No. 873 date 22-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—THE TERMS AND EXPRESSIONS USED HEREIN AS ARE DEFINED IN CHAPTER XXA OF THE SAID ACT, SHALL HAVE THE SAME MEANING AS GIVEN IN THAT CHAPTER.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rakva 195 Salarpur Khadar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1986

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
 106/282, KANCHAN BHAWAN
 GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
 KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th September 1986

Ref. No. M-1094/86-87.—Whereas, I,
 H. R. DAS,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 No. 1837 situated at Khurja
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,
 Khurja under registration No. 491 date 23-1-86
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shiv Swarup,
 "Ram Niwas Radha Krishan"
 Khurza.
 (Transferor)
- (2) M/s. Punjabi Sahkari Avas Samiti Ltd. Khurza
 Through Shri Radha Krishan Bajaj, Khurza.
 (Transferee)
- (3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 money or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 1837 at Khurja.

H. R. DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-9-1986
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
Kanpur-208012, the 8th September 1986**

Ref. No. M-1090/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 18 situated at Ram Krishan Colony Ghaziabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at Ghaziabad under registration No. 17667 date Jan 86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shaded Raj s/o late Diwan,
Mukund Lal Chopra,
R/o 18, Ram Krishan Colony Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Manjit Kumar
S/o Shri Daulat Singh,
R/o 56 Afganan, Delhi Gate Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) Shri Manjit Kumar
S/o Shri Daulat Singh,
R/o 56 Afganan,
Delhi Gate,
Ghaziabad.
(Person in occupation of the property).
- (4) Shri Manjit Kumar
S/o Shri Daulat Singh,
R/o 56 Afganan,
Delhi Gate,
Ghaziabad.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

House No. 18, Ram Krishan Colony.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1962 (11 of
1962) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Baljor Singh S/O Sri Bhikku Singh,
Vill. Peelana Sauphi Pur-Meerut.
(Transferor)
- (1) Indra Prastha Sakhari Avas Samiti Ltd. Meerut,
Reg. No. 914 Through Sri K. Pitambaran S/O
Sri G. Krishan.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 8th September 1986

Ref. No. M-3/86-87.—Whereas I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. # situated at Pcelana Sauhipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 8525 date 21-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Total Land Area 21553 Sq. Yards Khasara Nos. 127, 131, 141, 184/1, 185, 188, and 190 situated at vill. Peelana Sauphipur, Meerut.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 8th September 1986

Ref. No. 41/EE/85-86.—Whereas I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. C-18 situated at Panki Industrial Estate, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kanpur on 11-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) ACME Investments Ltd,
714 Raheja Chamber,
Nariman Point, Bombay.
(Transferor)
- (2) Lohia Machines Ltd,
C-B, Panki Industrial Estate, Kanpur.
(Transferee)
- (3) —Do—
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Whole business undertaking including land, building and
Plant-2 machinery installed therein located at C-13 Panki
Industrial Estate, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Kanpur
Kanpur.

Date : 8-9-1986
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. S. Synthetics Limited,
C-3 Panki Industrial Estate,
Kanpur-208022.

(Transferor)

(2) M/s. Lohia Machines Limited,
C-3 Panki Industrial Estate,
Kanpur-208022.

(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Whole property including land, Building & Machinery situated at C-18, Panki Industrial Area, Kanpur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. Ernest and others,
Pattiveetrapatty, Anna Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. V. Ramasamy and Others,
S/o Sevugan Chettiar,
Shanmuganathapuram,
Devakottai,
Ramanad District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madurai, the 1st September 1986

Ref. No. 3/Jan/86.—Whereas, I,
A. K. TALAPATRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Office accommodation No. 4, Hiramoti Building, Mayan-
nagar Co-operative Hsg. Soc. Ltd. 619 Sadashiv Peth, Pune-
30,
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,
SR. Chatrapatty (Doc. No. 22 to 37) in Jan. 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Estates with Crops. S. No. 214, 466/6, 215, 216/4B, 855/
1, 883/1, 884, 131/1, 132, 133/1, 134/1, 148/1, 147/1, 879,
210, 212, 213, 203, 193, 216/4A, 466/4, 123 to 125, 137/2,
136/1, 23, 24/2, 190P, 191P, 205P, 206P, 207, 879 to 881,
150, 200 to 204, 194, 192, 190, 191P, 205, 206P, 215P, 882/
1, 2, & 216/3B.

(b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(1) Sri R. Ramakrishna Mudaliar, and others
Sons of M. Rajubather Mudaliar, Chettiar
No. 8-7-3, Gandhi Road, Chittoor.

(Transferor)

(2) Smt. S. Mullaikodi Ammal,
w/o A. S. Shanmugha Mudaliar,
North Arcot District,
Arani,
No. 69, Karthikeyan Road, Arani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 4th September 1986

Ref. No. 3/Jan. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. III Division, Nellukaratheru, situated at Chingleput,
Kancheepuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kancheepuram/Doc No. 125/86 in January 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : III division, Nellukara St., Kanchee-
puram, Chingleput.

Kancheepuram/Doc. No. 125/86.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
19—276 GI/86

Date : 4-9-86
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Sri S. K. Kumarasamy,
s/o Kandasamy Gounder,
D. No. 101, Dr. Alagappa Chettiar Road,
Tutabadi, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 4th September 1986

Ref. No. 4/Jan. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Agrl. lands—Veerakeeralam village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thondamuthur/Doc. No. 42/86 in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 21 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of 45 days from the date of publication of this notice the publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands—Thondamuthur Road, S.P. No. 157/A1, 158/1, 159.

Thondamuthur/Doc. No. 42/86.

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-86
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1986

Ref. No. 5/Jan.86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Vacant land—31, Club Road, Race Course,
 situated at Coimbatore.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 229/86 in January 1986,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri M. O. A. Rahama Sait,
 s/o Late S. A. Rahaman Sait, and others,
 1, Richmond Road, Civil Station,
 Bangalore.
 Mrs. Rukhiya Bai, w/o Late Abdul Kareem Sait,
 138, Residency Road, Civil Station, Bangalore.
 (Transferor)
- (2) M/s The Nilgiri Dairy Farm P. Ltd.,
 No. 171, Brigade Road, Civil Station,
 Bangalore, represented hereby its Managing Director : M. Chennaippan.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land : A portion of T.S. No. 1377/1, Old No. 610/1, part, Scheme No. 8, in Survey ward No. 1, Block No. 31, Club Road, Race Course, Coimbatore.
 Coimbatore/Doc. No. 229/86.

A. R. REDDY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1986
 Seal :

FORM ITNS —————

(1) Sri B. Kangasabapathy, and others,
12 and 13, Edayar St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Hameed, s/o Sri A. Abdul Wahab Sahib,
18-90, Ayyanna Gounder St., Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1986

Ref. No. 6/Jan. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 293, N. H. Road, Near Nazz Theatre,
 situated at Coimbatore,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
 Coimbatore/Doc. No. 389/86 in January 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building Door No. 293, N.H. Road, Near Nazz Theatre, Coimbatore.
 Coimbatore/Doc. No. 389/86.

A. R. REDDY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 4th September 1986

Ref. No. 7/Jan. 86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
No. Door No. 2, 9th St., Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4,
situated at Madras-4,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,
Mylapore /Doc. No. 105/86 in January 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Sri S. Lakshminan and others,
No. 2, 9th St., Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.
(Transferor)
- (2) Sri D. S. Rajamanickam,
M/s. Thillaammal Rajamanickam,
No. 25, 9th St., Dr. Radhakrishnan Road,
Madras-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and building Door No. 2, 9th St., Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.
Mylapore /Doc. No. 105/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lala Girdhari Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Paharpur Cooling Towers,
Pvt. Ltd., 8/1/B Diamond Harbour Road,
Calcutta-700 027.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/1-86/1.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-1 on 4th floor and Garage No. S-7 in the base-
ment floor of Lala Girdhar Lal situated at Memorial Apartments
at 28 Ferozeshah Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
I.T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in January 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat No. A-1 on 4th floor and Garage No. S-7
in the basement floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments
at 28, Ferozeshah Road, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) New Delhi Hotels Limited,
Notel Ambassador, Sujan Singh Park New Delhi.
(Transferor)
- (2) Apogee Investments (P.)
Limited E-2/16, Dara Ganj New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.IV/37-EE/1-86/2.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat Nos. 1, 2, 3, 7, 8 and 9 on 10th Floor at 15 K.G.
situated at Marg, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
I.T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in January 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 1, 2, 3, 7, 8 and 9 on 10th floor, at 15. Kasturba
Gandhi Marg, New Delhi, Leasehold.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/1-86/3.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri Land mg 20 Bigha in Village Jonapur, Kh. No. 5/21, situated at (Tehsil Mehrauli), 6/1, 6/9, 6/10, 6/11, and 6/12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Nargis Malhotra,
Kumari Superna Malhotra (Minor) and Kumari Aparna Malhotra (Minor),
J-367 New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Zohra Sipat Rai
6, Drummond Road, Allahabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 20 Bighas bearing Khasra Nos. 5/21, 6/1, 6/9, 6/10, 6/11, and 6/12 with Farm House in Village Jonapur (Tehsil Mehrauli).

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ansal Properties and Industries (P) Ltd.
115, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi,
(Transferor)

(2) D. L. Properties, Olive Ghat Street,
room No. 3, 4 Floor 3rd Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/1-86/4.—Whereas I, D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pushpanjali Farm No. C-30 Village-Bijwasan, New Delhi situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in January 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Pushpanjali Farm No. C-30, Village-Bijwasan, New Delhi, measuring 2.5 Acres.

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—276 GI/86

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37FF/1-86/5.—Whereas,
D. K. SRIVASTAVA
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential flat No. A-1 on 2nd floor & Garage No. S-9 on the basement floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lal Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Ridhi Sidhi Commercials Limited,
Kanpur (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Residential flat No. A-1 on 2nd floor & Garage No. S-9 on the basement floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Girdhar Lal Memorial Federation House,
Tansen Marg,
New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. J. K. Synthetics Ltd.,
24, Barakhamba Road,
New Delhi,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Ref. No. IAC Acq IV/37PE/1-86/6 —Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bending No. Flat No. A-3 on First Floor and Garage No. S-12, Lala Girdhar Lal situated at Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential Flat No. A 3, on First Floor and Garage No. S-12, in the basement Floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi mg. 1844 sq. feet.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Pioneer Projects Limited,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/1-86/7.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-3 on 2nd Floor and Garage No. S-11 in the basement floor situated at Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act, 1961 IAC Range-IV, New Delhi in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential flat No. A-3 on 2nd Floor & Garage No. S-11 in the basement floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28, Ferozeshah Road, New Delhi. Area of the flat is about 1844 square feet.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Girdhar Lal Memorial,
Federation House, Tansen Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Surya Commercial Limited,
Kanpur (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi, the 9th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE, 1-86-8.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. A-2 on 2nd floor & Garage No. S-10 in the base-
ment floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments at 28,
Ferozeshah Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I,
New Delhi in January 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential flat No. A-2 on 2nd floor & Garage No. S-10 in
the basement floor of Lala Girdhar Lal Memorial Apartments
at 28, Ferozeshah Road, New Delhi. Area of the flat is about
1844 square feet.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 9-9-1986

FORM ITNS

(1) New Delhi Hotels Limited.

Hotel Ambassador, Sujan Singh Park,
New Delhi-110003.

(Transferor)

(2) Bhindrachalam Paper Boards Ltd.,
2-B, Sagar Apartments, 6 Tilak Marg,
New Delhi-110001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-IV/37EE/1-86/9.—Whereas, I,
D. K. SRIVASTAVA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 4, 5, and 6 situated at 10th floor, at 15 Kasturba
Gandhi Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-1,
New Delhi in January 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat Nos. 4, 5 and 6 on 10th floor at 15, Kasturba Gandhi
Marg, New Delhi-110001. Leasehold. Total area of the flats
1906 sq. ft. approx. Under construction.

D. K. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Gopal Dass Estates &
Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhambha Road,
New Delhi 11000.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Kohli w/o Mr. L.K. Kohli,
F-197, Greater Kailash I, New Delhi-110048.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-86/2713/1.—Whereas I,
JAGDISH MITTAR, I.A.C. (Acq.) RANGE-III, NEW
DELHI

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Space No-8-A, 8th floor in Dr. Gopal Dass Bhawan
situated at 28, Barakhambha Road, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) in the Office of the Registering Officer
at I. A. C. (Acq.) Range-III, New Delhi on January 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Space No. 8-A on the 8th floor in 'DR. Gopal Das Bhawan'
at 28, Barakhambha Road, New Delhi-110001.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-8-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1986

Ref. No. IAC/AcqIII/37FF/1-86/2739/2.—Whereas I,

JAGDISH MITTAR, I. A. C. (ACQ.) RANGE-III, New Delhi
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No Space No. 3 on 10th Floor in Vijaya Building situated at Barakhamba Road, New Delhi-110001, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I. A. C. (Acq.) Range-III, New Delhi on January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M's Gujral Estates Pvt. Ltd
17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
(Transferor)

(2) Mr. Dharminder Sarna S/o
Mr. A. J. Sarna, B-4/39, Safdar Jang Enclave
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 3 on 10th Floor in 'VIJAYA' Building, 17, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1986

Ref. No. IAC/ACQ-III/37EE/1-86/2589/2-A.—Whereas I, JAGDISH MITTAR, I.A.C. (Acq.) Range-IV, New Delhi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Hotel Meridien Delhi Prop. at Windsor Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. C. J. International Hotels Ltd.,
S. Mohan Singh Building,
Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. East India Iron & Steel Co.,
70, Naijargarh Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Commercial Complex of the proposed Hotel Meridien Delhi property at Windsor Place, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 7-8-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—
21—276 GT/86

FORM ITNS

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Adarsh Cement Products Ltd.,
16, Sadhana Enclave,
New Delhi-17.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. III-1369/Acq/86-87.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Nilgiri Apartments, 9, B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A residential flat No. 4, area 1600 sq. ft. on 3rd floor and a car parking space in proposed multistoreyed group housing scheme Nilgiri Apartments at 9, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2759/4.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 13, at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing (P) Ltd.,
28, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Krown Biscuits Co.,
A-10, Lawrence Road, Industrial Area,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 13, on 5th floor in 'Dr. Gopal Das Bhavan', 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, Super area 710 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 20-8-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2752/5.—Whereas I,
JAGDISH MITTAR,
I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Space No. 3, 5th Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28,
Barakhamba Road, New Delhi-110001
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi
in February 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing (P) Ltd.,
28, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Shahzada Rani
S/o Shri Mahla Mal
C/o Dr. B. K. Gupta,
Sukhda Nursing Home,
Nursing Centre, R-Block,
Greater Kailash No. 1,
New Delhi-110048.

(Transferee)

(3) Smt. Satya Wati
W/o Shri Shahzada Ram
C/o Dr. R. K. Gupta,
Sukhda Nursing Home,
Shopping Centre, R-Block,
Greater Kailash No. 1,
New Delhi-110048.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person instead in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3, on 5th Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan',
at 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2747/6.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2N, 660 sq. ft. at 16, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. (Acq.) Range-III, New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. P. Nagpal,
Shri Suresh Nagpal,
Mrs. Prem Nagpal,
Mrs. Rani Nagpal,
108, Double Storeyed,
New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ravinder Kumar Jain,
Sea Foam, Cuffe, Paade, Colaba,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2N, 660 sq. ft. super area on 2nd floor in Building No. 16, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 20-8-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,
New Delhi.
(Transferor.)
- (2) Col. Inder Bir Singh Bawa,
Mrs. Manpreet and Ms. Sonia Bawa,
r/o 1363, Sector 33-C,
Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2723/7.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 10, Arunachal, 19 B. K. Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 10, Flat measuring 500 sq. ft. on the Commercial building 'ARUNACHAL' 19, Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd.,
17, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Mr. Bhushan Dhawan
Mr. Davinder Dhawan and
Mrs. Nirmalawati Dhawan,
910, Prakash Deep,
7, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2778/8.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 9, at 17, Barakhamba Road situated at N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Space No. 9, on 11th floor in 'VIJAYA' building 17, Barakhamba Road, New Delhi. (Super 705 sq. ft.).

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Satazo Trust,
18, Ring Road, Lajpat Nagar,
New Delhi-110 024.
(Transferor)
- (2) M/s Gwalior Rayon Silk Mfg.,
(Wvg.) Co. Ltd., Regd. Office P.O. Birlagram,
Nagda (M.P.).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-86/2768/9.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'std Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3rd floor, World Trade Centre situated at Barakhamba Lane, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Measuring 1383 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi (under construction).

THE SCHEDULE

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Satazo Trust,
18, Ring Road, Lajpat Nagar,
New Delhi-110 024.

(Transferor)

(2) M/s. The Indian Rayon Corporation Ltd.,
Regd. Office, Junagadh-Varval Road,
Veraval-362266 (Gujarat).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/2-86/2880/10.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

3rd Floor, World Trade Centre situated at Barakhamba Lane, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.-III, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Measuring 1383, Sq. Ft. on 3rd floor, World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi (under construction).

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—276 GI/86

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/2-86/2765/11.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing World Trade Centre, Barakhamba Lane, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Satyago Trust,
18, Ring Road, Lajpat Nagar,
New Delhi-110 024.

(Transferor)

(2) M/s Hindustan Aluminium Corp. Ltd.,
Legal Office, Century Bhawan,
Dr. Annie Basant Road, Bombay-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Measuring 1383 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-86/2865/12.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 606, at 21, situated at Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Usha Dhir and
M/s. MPD Associates (P) Ltd.,
A-18, Safdarjung Enclave,
New Delhi-29.

(2) Mr. S. P. Nagpal,
Mrs. Prem Nagpal,
Mr. Suresh Nagpal,
Mrs. Rani Nagpal,
108, Double Storey, New Raninder Nagar,
New Delhi-60.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

500 sq. ft. in under construction Bldg. No. 21, Barakhamba Road, New Delhi on 6th floor, flat No. 606.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNB

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. II/37EE/3-86/2851/13.—Whereas, I,
JAGDISH MITTAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the said Act) have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 619, at 21, B. K. Road, situated at New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
 in the Office of the Registering Officer
 at New Delhi in March 1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
 moneys or other assets which have not been
 or which ought to be disclosed by the transferee
 for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
 said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of
 the aforesaid property by the issue of this notice sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
 ing persons namely:

(1) L. Bansi Dhar and
 Mr. Tilak Dhar,
 27, Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Bansi Dhar,
 Mrs. Urvashi Tilak,
 Mrs. Karuna Shriram,
 27, Sardar Patel Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Right in flat No. 619, under construction on Plot No. 21,
 Barakhamba Road, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 20-8-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAIF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29282 . 85-86.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing, F. No. 104-A, M-3, Conn. Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) I. S. Bajaj & Krishan Sarop,
Makhija, 11115, Motia Khan, Opp. Idghah,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Saida Khaatoon, Smt. Ashiya,
Siuja, Master Mohila Aftab, Miss Zainab Aftab,
Miss Zainab Aftab, Master Tehmoor Aftab,
Smt. Sultana Beham & Smt. Samar Yusaf
R/o A-16, Hauz Khas, New Delhi-16.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 104, A.V.G. Bhawan, M-3, Connaught Circus, New Delhi.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gopal Das Estate & Housing (P) Ltd.,
28, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

(2) Mrs. Janak Rani Bhalla,
Mrs. Pamita Bhalla,
Mrs. Harjinder Bhalla,
Mrs. Asha Bhalla Directors of
M/s. Bhalla Enterprises (P Ltd.,
119, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-86/2838/15.—Whereas, I JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 4, at 28, Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Space No. 4 on 5th floor in 'Dr. Gopal Dasbhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi-1. Super Area 692 sq ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi/New Delhi.
Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Har Kaur W/o Sh. Mehar Singh
Nanak Wara, P.O. Khalsa College, Amritsar
(Punjab).
(Transferor)
- (2) M/s. Welkin Investment & Leasing Co. Ltd.,
1-25-A, Connaught Circus, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/3-86/1106/15-A.—
JAGDISH MITTAR,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1101 Asha Deep Building, situated at 9, Hailey Road,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961)
March 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition to the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1101, Asha Deep Building, 9, Hailey Road.,
New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-8-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Manoharlal K. Gupta & Ans

(Transferor)

(2) M/s. Sugat Const. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR.I.I.37EE/27628/85-86.—Whereas, I, N. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece or parcel of land S. No. 315 Hissa No. 1, S. No. 316 Hissa No. 1A(P) at Mulund (W) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer aforesaid
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declared by the transferor for the purposes of (i) Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Piece or parcel of land bearing S. No. 315 H. No. 1, S. No. 316 Hissa No. 1A(P) at Mulund (W), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE-27628/85-86 dated 1-1-1986.

N. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby give notice for the acquisition of the aforesaid property by the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Netain India Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Capt. Arun B. Kaicker.

(3) Transferee & Shri B. Kaicker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6980/85-86.—Whereas, I, N. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 on 1st floor, Block No. A, Meherina Building, Off Napeansca Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 1st floor in Block No. A, Meherina building Plot No. C-51, Off Napean Sea Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9145/85-86 on 17-1-1986.

N. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
23—276 GT/86

Dated, 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. Prakash.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Kumar & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/9374/85-86.—Whereas, I, N. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 1514, 15th floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Room No. 1514, 15th floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8846/85-86 on 1-1-1986.

N. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9382/85-86.—Whereas, I, N. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 6, C.S. No. 486 of Colaba Division-Block V of Backway Reclamation Estate with bldg., known as 'Sea Land' at Colaba, Cuffe Parade, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Amy Ardesir Kohiyar, Kaikaus Byram Mistry. (Transferor)
- (2) Mrs. Fatma Zakaria, Mrs. Sheila Wofonzoff Mrs. Bacha Ilustom Wadia, Mr. Rustom B. Wadia, Bharat Petroleum, Mr. Amiral Ravjee, Mrs. Mahin Rawjee, Mr. Riaz Rawjee, Mr. Shaibit Rawjee, Khushdil M. Billimoria, Mr. Perses (Transferee)
- (3) Minoo Billimoria, Dr (Mrs) Gool A. Kohiyan Mr Iqbal Chagla & Mrs. Roshan I Chagla (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, bearing C.S. No. 486 of Colaba Division Block V of the Backway Reclamation Estate with building known as 'Sea Land' at Colaba, Cuffe Parade, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, udnoer. No. AR-I/37EE/8854/85-86 on 7-1-1986.

N. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajansingh J. Khurana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9385/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00/- and bearing
 Piece or parcel of land or ground situate off Warden Road (now known as Bhulabhai Desai Road) C.S. No. 699 of Malabar and Cumballa Hill Division,

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harbhajansingh J. Khurana.

(Transferor)

(2) Mohomed Ibrahim Zazeri,
 Smt. Rabia Mohomed Zaveri.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground situate off Warden Road (now known as Bhulabhai Desai Road) C.S. No. 699 of Malabar and Cumballa Hill Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8857/85-86 on 6-1-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Neelam Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kirit Thakkar,
Shri Manish B. Thakkar,
Shri Tarsen V. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/940J, 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 201 on 2nd floor, A Wing, Service Industrial Estate, Hind Cycle Road, Adjacent Gopal Nagar, Zopad-patti, Worli, Bombay-400018, patti situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 201 on 2nd floor, A Wing, Service Industrial Estate, Hind Cycle Road, Adjacent Gopal Nagar, Zopad-Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8873/85-86 on 6-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9403/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 917, 9th floor, Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-400021, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Mulchand Daryanamal & Co.
(Transferor)
- (2) Mr. Deepak Shroff,
Prop. Kavim Real Estates.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Unit No. 917, 9th floor, Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8875/85-86 on 6-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Kumar Makhija (HUF).

(Transferor)

(2) M/s. Desai Enterprises Inc.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EF/9045/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 202, 2nd floor, Akshar Mudrak Industrial Units
Sahakari Premises Ltd., India Printing House, 42, G. D.
Ambedkar Marg, Bombay-400031.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 3-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 202, 2nd floor, Akshar Mudrak Industrial Units
Sahakari Premises Ltd., India Printing House, 42, G. D.
Ambedkar Marg, Bombay-400031.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/8877 85-86 on
6-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Raibow Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dialust.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/9437/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises No. 1408, 14th floor., Prasad Chambers Oper House, Bombay-4,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 1408, 14th floor, Prasad Chambers, Oper House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8906/85-86 on 6-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9446/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. A-10, ground floor, Royal Industrial Estate, Naigaum X Road, Wadala, Bombay-31, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—276 GI/86

(1) Mr. Felix Aranha.

(Transferor)

(2) M/s. Rainbow Scanning Processing Pvt. Ltd.
(Transferee)(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. A-10, ground floor, Royal Industrial Estate, Naigaum X Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8915/85-86 on 6-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-9-1986
Seal

FORM IINS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
**ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9464/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises Nos. 202 and 203, Maker Tower F, 20th floor, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Salgaocar Engineering Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) M/s, Maker & Maker. (Transferee)
- (4) Transferees. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferees. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 202 and 203, Maker Tower F, 20th floor, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8926/85-86 on 6-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-9-1986
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN9

- (1) M/s. Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri Rashmikant R. Solanki,
Smt. Hansa R. Solanki.
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)
- (4) Transferees.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9478/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 7 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8941/85-86 on Road, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8941/85-86 on 6-1-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Neela P Tolat, Prakash P Tolat
Parvi P Tolat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-1/37EE/9493/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing No. Shop No. 14 on ground floor Ashoka Shopping Centre,

L.T. Road, Bombay-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 14 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8956/85-86 on 6-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated: 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Straw Products Limited.

(Transferor)

(2) Mr. Satyapal Jain, Mrs. Laxmi Jain,
Mrs. Rama Devi Jain, Mr. Anand Jain,
Mr. Satyapal Jain as natural guardian
of Master Gaurav Jain.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9500/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16-A, Shahnaz building, Napean Sea, CHSL, 90, Napean Sea Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 16-A, Shahnaz building, Napean Sea CHSL, 90, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8961/85-86 on 7-1-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

Dated: 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. N. L. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-I/37EE/9502/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 3 on ground fl. Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8962/85-86 on 7-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 9.9.1986
Seal:

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) N. L. Mehta.
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9503/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and
bearing No. Shop No. 4 on ground
floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road,
Bombay-400 001, situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 7-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULEShop No. 4, on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T.
Road, Bombay-400 001.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8963/85-86 on
7-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated: 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) N. L. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9504/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5, on ground floor, Ashoka Shopping Centre,

Bombay-400 001, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8964/85-86 on 7-1-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Purf Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor/s)(2) N. L. Mehta (HUF).
(Transferee/s)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9507/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6 on ground fl. Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

'The agreement has been registered' by the Agreement Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8967/85-86 on 7-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—276GI/86

Dated : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Purl Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. L. Mehta Family Trust.

(Transferee/s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9515/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 10, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 10 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Agreement Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8976/85-86 on 7-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor/s)

(2) Vrajlal K Solanki,
Pushpa K Solanki
(Transferee/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9516/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 8 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L.T. Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Agreement Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8977/85-86 on 7-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay; the 9th September 1986.

No. AR-I/37EE/9525/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 304, 3rd fl. Kakad Chambers, 132, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kirloskar Electric Company Ltd.

(Transferor/s)

(2) Kirloskar Brothers Ltd.

(Transferee/s)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 304, 3rd floor, Kakad Chambers, 132, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Agreement Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8986/85-86 on 7-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 9-9-1986

Seal

FORM ITNS

(1) Seal Investments Limited.

(Transferor/s)

(2) Gujarat Petrosynthese Limited.

(Transferee/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9528/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105 in Abhishek Building, G. D. Ambedkar Marg, Bhoiwada, Dadar, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 105 in Abhishek building, G. D. Ambedkar Marg, Bhoiwada, Dadar, Bombay-400 014.

The agreement has been registered by the Agreement Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8989/85-86 on 8-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr S Santhanam

(Transferor/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. L. Narayanan & Mrs. Raji Narayanan.

(Transferee/s)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9542/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 10, 2nd floor, Garage No. 1, 258, Kailas Bhuvan CHSL, Sion (W), Bombay-400 002
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor & Garage No. 1, 258, Kailas Bhuvan CHSL, Sion (W), Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9542/85-86 on 8-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :—

Dated : 10-9-1986.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9544/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Store Room No. 2 in the basement, Maker Chambers VI,
220, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point,
Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 8-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (1) M/s. Supreme Premises Pvt. Ltd. (Transferor/s)
- (2) Dawar-E-Hadiyar Trust. (Transferee/s)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Store Room No. 2 in the basement, Maker Chambers VI,
Plot No. 220, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point,
Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9004/85-86 on
8-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated : 9-9-1986.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNB

- (1) Master Marketers (Prop. Mrs. B. J. Master).
(Transferor/s)
(2) Southorn Asbestos Cement Limited.
(Transferee/s)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9624/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office on 1st floor and on Mexennine floor in the building 'World Trade Centre' Colaba, Cuffe Parade, Bombay-5 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at R/o Bombay on 16-1-1986
Bombay on 16-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Office on first floor Land on Maxennine floor in the building known as World Trade Centre Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bonibay, under No. AR-I/37EE/9039/85-86 on 16-1-1986.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-9-1986,
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rasila Mansukhbhai Shah.

(Transferor/s)

(2) Jasmine Holdings (Pvt.) Ltd.

(Transferee/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING
 ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9641/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 511 on 5th floor Dalamal Chambers, 29 New Marine Lines, Bombay-20 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 511 on 5th floor, Dalamal Chambers, 29, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9076/85-86 on 16-1-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—276Giff86

Dated : 9-9-1986.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Scal Investments Limited.

(Transferor/s)

(2) Ethnor Limited.

(Transferee/s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9649/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 205 & 208 in Abhishek building, G. D. Ambedkar Marg, Bhoiwada, Dadar, Bombay-400 014 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat Nos. 205 & 208 in Abhishek Building, G.D. Ambedkar Marg, Bhoiwada, Dadar, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9082/85-86 on 16-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1986.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9090/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor, Bldg., No. 1, Kamana Co-op. Hsg. Soc. Ltd., S. K. Bole Road, Agar Bazar, Bombay-28. situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (1) Mr. Madhukar J. Vaidya & Mrs. Hemlata M. Vaidya.
(Transferor)
- (2) Mr. Harshakumar L. Bhimani, Mrs. Damayanti H. Bhimani.
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, 3rd floor, Building No. 1, Kamana Co-op. Housing Soc. Ltd., S. K. Bole Road, Agar Bazar, Bombay-28. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9092/85-86 on 16-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Vasudha L. Samant, Miss Manjiri L. Samant, Smt. Sumitrabai S. Samant.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh C. Maniar, Mcbul S. Maniar (Minor)
Father & Natural guardian S. C. Maniar
Deepak M. Pathere.
(Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9663/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301, Pearl Centre, S. B. Marg, Dadar, Bombay-28
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Pearl Centre, S. B. Marg, Dadar, Bombay-28
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9095/85-86 on 16-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sopariwala Exports.

(Transferor)

(2) Gulf Air Company.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9695/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. G-2A, Maker Chambers V. Gr. floor, 221, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. G-2A, Maker Chambers V. Gr. floor, 221, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/9125/85-86 on 17-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 9-9-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Indira S. Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9696/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office premises No. G-1, ground floor, Maker Chambers V, 221, Nariman Point, Bombay-21.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Gulf Air Company.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. G-1, ground floor, Maker Chambers V, 221, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7126/85-86 on 17-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9697/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. G-2B, Maker Chambers V, Ground floor, 221, Nariman Point Bombay-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Abdul Kader A. Latif & Abdul Gaflar A. Latif, Trustees of Abdul Latif Family Trust (Transferor)
- (2) Gulf Air Company. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. G-2B, Maker Chambers V, Ground floor, 221, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7127/85-86 on 17-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Abdul Kader A Latif & Abdul Gaflar A Latif
Trustees of Abdul Latif Family Trust.
(Transferor)
- (2) Gulf Air Company.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9698/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Store-room, Maker Chamber V, Basement Level, Plot No.
221, Nariman Point, Bombay-21
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 17-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
~~30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;~~
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Store-room, Maker Chamber V, Basement Level, Plot No.
221, Nariman Point, Bombay-21

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9178/85-86 on
17-1-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shah Malleable Castings Ltd

(Transferors)

(2) Unique Electrical Limited

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9710/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No Three on second floor in Bldg No. Four in PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—276GI/86

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah Malleable Castings Ltd.

(Transferor)

(2) Hermitage Investment and Trading Company.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9711/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMFD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1 on ground floor in Building No. Four in PSB
Apartments, B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay,
situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority
at Bombay on 17-1-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
~~may be made in writing to the undersigned :—~~

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Flat No. 1 on ground floor in Bldg. No. Four in PSB
Authority, Bombay, under No. AR.I/37EE/9141/85-86 on

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR.I/37EE/9141/85-86 on
17-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Shah Malleable Castings Ltd.

(Transferor)

(2) Nandita Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-I/37FF/9712/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. One on 1st fl. Building No. Four in PSB Apartments, B.H. Kher Road, Worli Naka, Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-1-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /

Flat No. One on 1st floor, Building No. Four in PSB Apartments, B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/9142/85-86 on 17-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Britannia Industries Limited. (Transferor)
 (2) 20th Century Orient Leasing Limited. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9727, 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises No. 191 & 201-A on 19th and 20th floors, Maker Tower E, Cuffe Parade, Bombay-5, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 191 and 201-A, on 19th and 20th floors in Maker Tower E at Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9158/85-86 on 17-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mont Blanc Properties and Industries Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Mr. Bhagwan C. Asmuni.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9732/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 3 on 23rd floor, Mont Blanc Apartment, Dady Seth Hill, Bombay,

situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 23rd floor, Mont Blanc Apartment, Dady Seth Hill, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9162/85-86 on 17-1-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM PPN-1

(1) M/s. Epon Developers.

(Transferor)

(2) M/s. Nikhil Investments Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9762/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under section 2690 of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 204 on 2nd floor, Udyan Darshan building,
Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25,
situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement registered under
section 269AB of the said Act in the office of the
Competent Authority at
at Bombay on 20-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property so
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and.

facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Flat No. 204 on 2nd floor, Udyan Darshan building, Sayani
Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9188/85-86 on
20-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Ferani Developers.

(Transferor)

(2) M/s Real Investments Co. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9763/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 104 on 1st fl., Udyam Darshan building,

Savani Road, Prabhadevi, Bombay-25,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement to give effect under
Section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority

at Bombay on 20-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property or to which
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration. But the
consideration for such transfer as aforesaid is uncertain the
parties has not been fully disclosed and the object of
transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of **45 days from the date of publication of this**
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor, Udyam Darshan building, Savani
Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I-37EE/9189/85-86 on
20-1-1986

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 10-9-1986
Sd/-

FORM ITNS

- (1) Smt. Usha Vishnubhai Haribhakti. (Transferor)
 (2) Suksha International, Sudhir Diamonds, Suprem Diamonds. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 9th September 1986

No. AR-I/37EE/9769/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. 1102, Prasad Chambers, 11th floor, Opera House, Bombay-4, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Bombay on 20-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises No. 1102, Prasad Chamber, 11th floor, Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9195/85-86 on 20-1-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986
 Seal :

FORM FINS

(1) M/s. Harla International.

(Transferor)

(2) Shri M. G. Mohanakumar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1986

Ref. No. AR.I/37EE/9779/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises on 1st floor, Majithia Chambers. 276, D.N. Road, Fort, Bombay-1 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises on 1st floor, Majithia Chambers, 276, D.N. Road, Fort, Bombay-400 01,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I/37EE/9204/85-86 on 20-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—276GI/86

Date : 12-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Ayas Ahmed
S/o Shri Riaz Ahmed, Gayns Ahmed.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9787/85-86 - Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 3 on 5th floor, Building No. 6 in Patel Apartments,
 B.G. Kher Road, Worli, Bombay-400 018
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the
 Office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

Flat No. 3 on 5th floor in Building No. 6, Patel Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/9208/85-86 on 20-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1986
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 9th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9788/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
being the Competent Authority under Section 269B of the
as the said Act), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 43 on 4th floor, Radhe Vallabh CHSL,
French Corner, Opp. Opera House, Bombay-4
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Krishnaben A. Doshi. (Transferor)
- (2) Mr. Kaushik Dalpatlal Chodhry. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 43 on the 4th floor, Radhe Vallabh Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., French Corner, Opp. Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9209/85-86 on
20-1-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahendra S. Mehta,
Smt. Kantaben M. Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Mangal P. Lodha &
Smt. Manju M. Lodha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/9789/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 4th floor, Nav Dariya Mahal CHSL, Napecansea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-1-1986 for a^{an} apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 23, 4th floor, Nav Dariya Mahal CHSL, Napecansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9210/85-86 on 20-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Rajkamal Kalamandir Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shree Mahalaxmi Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9794/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 5 forming part of CS No. 191 (pt) of Lower Parel Division, Dr. S. S. Rao Road, Lower Parel, Bombay-12 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 5 forming part of CS No. 191 (part) of Lower Parel Division, Dr. S. S. Rao Road, Lower Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9213/85-86 on 21-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 10-9-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s. Suksha International. (Transferor)
 (2) M/s. Pratik Exports. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 9th September 1986

Re. No. AR-I/37EE-9796/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 410, 4th floor, Prasad Chamber Premises CSL, Swadeshi Mills Compound, Opera House, Bombay-4 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 410 on 4th floor, Prasad Chamber Premises Co-op. Soc. Ltd., Swadeshi Mills Compound, Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9215/85-86 on 21-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-9-1986.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Fatima Jalil Ahmed.
(Transferor)
- (2) M/s. Ashkab Holdings Pvt. Ltd.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferees & Confirming parties.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9801/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shops Nos. 3, 4, 5, 6 & 7, Bhaveshwar,
Worli Bhaveshwar CHSL, Plot No. 1488, Worli Scheme,
Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop Nos. 3, 4, 5, 6 & 7, Bhaveshwar, Worli Bhaveshwar
CHSL, Plot No. 1488, Worli Scheme, Dr. A. B. Road,
Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9219/85-86 on
21-1-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-9-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Neelam Estates

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Jyotindra Family Trust,
D. B. Mody (HUF),
S. B. Mody (HUF)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EP/9839; 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 408 on 4th floor, B Wing with terrace of Neelam Centre, Hind Cycle Road, Worli, Bombay-18 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 408 on 4th floor in B Wing with terrace of Neelam Centre, Hind Cycle Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EP/9256/85-86 on 30-1-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10/9/1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Madhukar R Randerla

(Transferor)

(2) Smt. Demuben Jevat Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9886/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C/11-12, The Sagar Darshan CHS, C. Bldg., 2nd fl.
Kakad Estate, Worli Sea Face Road, Worli, Bombay-400018,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on
31/1/1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/11-12, The Sagar Darshan Co-op. Housing
Society, C Bldg., 2nd floor, Kakad Estate, Worli Sea Face
Road, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9289/85-86 on
31/1/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 10/9/1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
29—276G1/86

FORM ITNS

(1) M/s. Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s Apna Sahakari Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9832/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Entire 1st floor, Dev Kripa Building, 140/148, Naigaum, Scheme, Govindji K. Road, Bombay-14, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30/1/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Entire 1st floor, Dev Kripa Building, 140/148, Naigaum Scheme, Govindji K. Road, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9241/85-86 on 30/1/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10/9/1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Neelam Estates

(Transferor)

(2) Jyotindra Family Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9838/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 407, 4th floor, B Wing and Terrace, Neelam Centre, Hind Cycle Road, Worli, Bombay-18.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30. 1/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 407, 4th floor, B Wing and Terrace of Neelam Centre, Hind Cycle Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9255/85-86 on 30. 1/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10/9/1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Meena Suresh Karnik

(Transferor)

(2) Mrs. Pratima Ajit Vaidya

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-I/37EE/9891/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/1, Deepalakshmi CHSL, Hatiskar Marg, Prabha-devi Sea Beach, Bombay-400 025, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31/1/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B/1, Deepalakshmi CHSL, Hatiskar Marg, Prabha-devi Sea Beach, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9294/85-86 on 31/1/1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10/9/1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Satgur Saran Sahni.

(Transferor)

(2) Mr. Surendra S Shah and
Mrs. Kusum S Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1986

No. AR-I/37EE/9870/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 41, Jayshree Bldg, SBI Senior Officers CHSL, Worli
Seaface, 75, A. G. Khan Road, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on
3/1/1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 41 and Garage, Jayshree Bldg, SBI Senior Officers
CHSL, Worli Seaface 75, A. G. Khan Road, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/9276/85-86 on
3/1/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10/9/1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th September 1986

Ref. No. AR-I/37G/5366/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 2F/755 of Malabar & Cumballa Hill Divn, at Bhulabhai Desai Road situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24/1/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jamshed Feroze Boga
Framroze Jehangir Mistri and Freny K Panday,
Trustees of Sorabji Kanga Charity Trust.
(Transferor)
- (2) Arya Trading & Services Pvt. Ltd.
(Transferee)
- (3) Tanats
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferor
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2362/BOM/85 and registered on 24/1/1986 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date 12/9/1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Maria Antonia Santana A'Vares D'Mendonca
 2. Robert Diomsio Aurennano Mingued
 Alwares De Mendonca
 3. Linda Assunta Perpetina De Mendonca
 Taleigao—Dondrem Ilhas, Goa.
 (Transferor)
- (2) M/S Dona Panld Realty
 Sardesai House—Hede
 Near Navhind Times,
 Panaji—Goa.
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th September 1986

C.R. No. 62/DR/1164/85-86/37EE/ACQ/B.—Whereas, I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Marvl as D'Panla, Panaji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269 AB, in his office at Bangalore on 16-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 814/85-86 Dated 16-1-86).
 Property as Marvel situated at D. Panla, Panaji.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. K. RAO
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11/9/1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE
BANGALORE**

Bangalore-560 001, the 11th September 1986

C. R. No. 62/1188/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
J. K. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 207, A2, A, situated at Yellapur Sirsi Road, Sirsi
581402
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharwar
on 24/3/1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have rea-
son to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of Transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1652 Dated January, 86).
Sirs City Survey No. 207/A2, Al Land & Buildings known
Hotel Samrat Vellapur Sirsi Road Sirsi-581402.

J. K. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11/9/1986
Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION
1987**

New Delhi, the 11th October 1986

No. F.14/3/85-H.I.(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 5th April, 1987 at Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 5th March, 1987 will not be entertained under any circumstances.

2. The services|posts to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways **
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—37*.
- (iii) Junior Scale posts in the Central Health Service—500*
- (iv) Medical Officers in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 75*

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services|Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for services|posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service|post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services|posts for which he applies.

4 ELIGIBILITY CONDITIONS :—

(a) Nationality

A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.— Age below 30 years as on 1st January, 1987.

The upper age limit is relaxable, as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof.

- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Schedule Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1987 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1987) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1987 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1987) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) Up to a maximum of 5 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1987 and are retained in Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment.
- (xvii) Upto a maximum of 10 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1987 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing Civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xxi) upto a maximum of eleven years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe

and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE—Ex-Servicemen who have already joined Government job in Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 4(b)(xiv) & 4(b)(xv) above.

SAVI AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognized by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION. AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1.—A candidate who has appeared or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5. FEE.

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty-eight). Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee

in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

**CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES|
SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY
ANY FEE.**

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS RE-
QUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.**

NOTE (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

NOTE (ii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1986" wishes to apply for admission to 1987 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1986 examination, his candidature for the 1987 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days of the date of publication of the final result of the 1986 Examination in the Employment News.

6. HOW TO APPLY

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, through the application form published in newspaper dated 11th October 1986 or in the employment news dated the 11th October 1986. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News", filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format's exactly the same as published in newspapers or in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated the 11th October, 1986. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as :

**"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SER-
VICES EXAMINATION 1987."**

(a) A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
- (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice as published in the Employment News dated the 11th October, 1986 or in newspaper dated the 11th October, 1986) duly filled in on foolscap size paper.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cms x 7 cms approx.), photographs of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. X 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth

in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/attending at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

**NOTE : APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY
THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR
DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUM-
MARILY REJECTED. NO REPRESENTATION
OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH
REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UN-
DER ANY CIRCUMSTANCES.**

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1987.

1. CERTIFICATE OF AGE

**2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALI-
FICATION.**

**3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO
BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCH-
EDED TRIBE, WHERE APPLICABLE.**

**4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR
AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE.**

IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE

COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
 - (vii) using unfair means during the examination, or
 - (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
 - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
 - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,
- may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the coun-

ter on or before the 24th November 1986 (8th December 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 24th November, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 24th November 1986.

NOTE : (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE : (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PREScribed DATE WILL BE CONSIDERED.

9. SCHEME OF EXAMINATION : The Examination will comprise :—

(A) *Written Examination*—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The question papers (Test Booklets), will be set in English only. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects :—

Paper I (Code No. 1) Weightage

- | |
|---|
| (i) General Medicine including Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry, 60% |
| (ii) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics. 40% |

Paper II (Code No. 2)

- | |
|---|
| (i) Paediatrics 20% |
| (ii) Gynaecology and Obstetrics 40% |
| (iii) Preventive, Social and Community Medicine 40% |

(B) Personality test of candidates who qualify in the written examination 200 marks

NOTE I :—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

NOTE II :—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity, critical powers of assimilation balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 2/3 % and 33 % weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts.

14. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WTH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :

- (i) Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the result of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidate should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

- (iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in this application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT : ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :

1. NAME OF THE EXAMINATION.

2. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.

4. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (I).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (II).—IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This Publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, T' Block Baba Kharak Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India publications of various mofussil Towns.

22. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

M. K. KRISHNAN
Dy. Secretary

APPENDIX I

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below :

I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways :

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 Stages—Rs. 150/-P.M.

6—10 Stages—Rs. 200/-P.M.

11—15 Stages—Rs. 250/-P.M.

16th stage onwards—Rs. 300/-P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any Higher Authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person —

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date to such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) Reckoning Service.—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423-A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations, A.D.M.O.s. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades—

(i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100-1800 plus restricted non-practicing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.

(ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time. Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practicing allowance of Rs. 500/- p.m.

(iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the

posts of Chief Medical Officers—the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

Duties and Responsibilities—

Divisional Medical Officers

(i) He will attend the indoor patients and out patients daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out roles assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indentures connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

NOTE (1) : When an AMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) : ADMO will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

II. Post of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence :

(a) The post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—48—40—1100—50—1300 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 stages	Rs. 150/- per month
6—10 stages	Rs. 200/- per month
11 stage and onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached of the higher grades—

(i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER / ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services. The Scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3 stages	Rs. 250/- per month
4—5 stages	Rs. 300/- per month

6—7 Stages	Rs. 350/- per month
8—9 stages	Rs. 400/- per month
10—11 stages	Rs. 450/- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services, on completion of 6 years of service in the grade will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA

(g) Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS :

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patients departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipments in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Office-in-Charge as per rules.

(2) GDO Gr. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER :

- (a) ADHS posted at the Hqs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fvs on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER :

- (a) DDHS posted at the Hqs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.

- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estt. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE—I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES :

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estt.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.

III. Junior Scale posts in the Central Health Service :

(a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc. Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P & T department etc. Private practice of any kind whatsoever including lab and consultants practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Group A Scale (Medical Officer)

Scale : Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/-.

N.P.A.

1 to 5 stages	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11 stage and onwards	Rs. 250 per month

Medical Officers in the General Duty Cadre who have put in at least 5 years regular service in the grade will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale (S. Medical Officer)

Scale : Rs. 1100-1600/-.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 6 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Senior Medical Officers the General Duty Cadre with 5 years regular service in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer.

Chief Medical Officer

Scale : Rs. 1500-60-1800-10-2000/- plus NPA Rs. 600 per month.

Chief Medical Officers who have reached maximum of the scale and has stagnated for not less than 2 years after regular appointment in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer (Selection Grade).

Chief Medical Officer (Selection Grade)

Scale : Rs. 2000-125/2-2250 Plus NPA Rs. 600 per month.

Officers holding post in the grade of Chief Medical Officers selection grade with 7 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-II).

Supertime Grade (Level-II)

Scale : Rs. 2250-125/2-2500 Plus NPA Rs. 600 per month.

Officers in the Supertime Grade (Level-II), General Duty Sub-cadre with 2 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-I).

Supertime Grade (Level-I)

Scale : Rs. 2500-125/2-2750 Plus NPA Rs. 600 per month.

IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi :

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300/- plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are :

1—5 stage	Rs. 150 per month
6—10 stage	Rs. 200 per month
11 stage and onwards	Rs. 250 per month

(ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(iii) The candidates can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Central Primary Health Centres etc.

(iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.